राज
कॉमिक्स डाइजेस्ट
संख्या 71
NAGRAJ DIGESTS
1
TEN IN ONE

नागराज

नागराज सीरीज का प्रथम कॉमिक्स

नागराज
का एक पोस्टर
मुफ्त

TM
नागराज सीरीज

PRATAP
MULICK

राज
कॉमिक्स
मूल्य 5.00 संख्या 14
नागराज
fenzz scans
JAGDISH
PANKAJ

राज कॉमिक्स की एक दुर्लभ खोज

नागराज

चित्रकथा: परशुराम शर्मा
चित्रांकन: प्रताप मुलिक
सम्पादक: मनीष चंद्रगुप्त

आतंकवादी गिरोहों की तबाही का देवता

संसार में फैले उग्रवादी संगठनों के नेताओं को प्रोफेसर नागमणि ने गोपनीय निमंत्रण भेजा। बरसों से नागमणि का सम्पर्क इन लोगों से बना हुआ था। प्रोफेसर द्वारा उन्हें महत्त्वपूर्ण सूचनायें मिला करती थीं। लेकिन इस बार कोई विशेष बात थी। प्रोफेसर ने उन्हें सूचना दी थी कि वह आतंकवादी गिरोहों के लिये सबसे खतरनाक हथियार बनाने में कामयाब हो गया है और अब अपने इस हथियार को किराये पर चलाना चाहता है। उसने इस हथियार का नाम रखा था-"नागराज"।

अटेन्शन प्लीज़! आप सभी अतिथियों से अनुरोध है कि आप सेन्ट्रल हॉल में पहुंचकर अपनी-अपनी सीटें ग्रहण कर लें।

सब लोग इमारत के हॉल की ओर बढ़ने लगे।
शायद वह अपने हथियार की बोली लगवाना चाहता है।

इमारत के सेन्ट्रल हॉल में-
दोस्तो! नागराज के निर्माण में मैंने अपनी जिन्दगी के बीस बहुमूल्य वर्ष गंवाये हैं...

...एक नवजात शिशु पर मैंने अपना प्रयोग शुरू किया था, और आज उसकी इक्कीसवीं वर्षगांठ है। उसके भीतर जो थोड़ी-बहुत कमजोरियां हैं, वो अगले कुछ वर्षों में समाप्त हो जायेंगी...

...लेकिन वह इस समय आपके लिये सम्पूर्ण हथियार बन चुका है।
क्या वह कोई कमप्यूटर है?
हम उसका प्रदर्शन देखना चाहेंगे।
जब तक हम उस हथियार की धार नहीं देख लेते, कैसे यकीन करें?
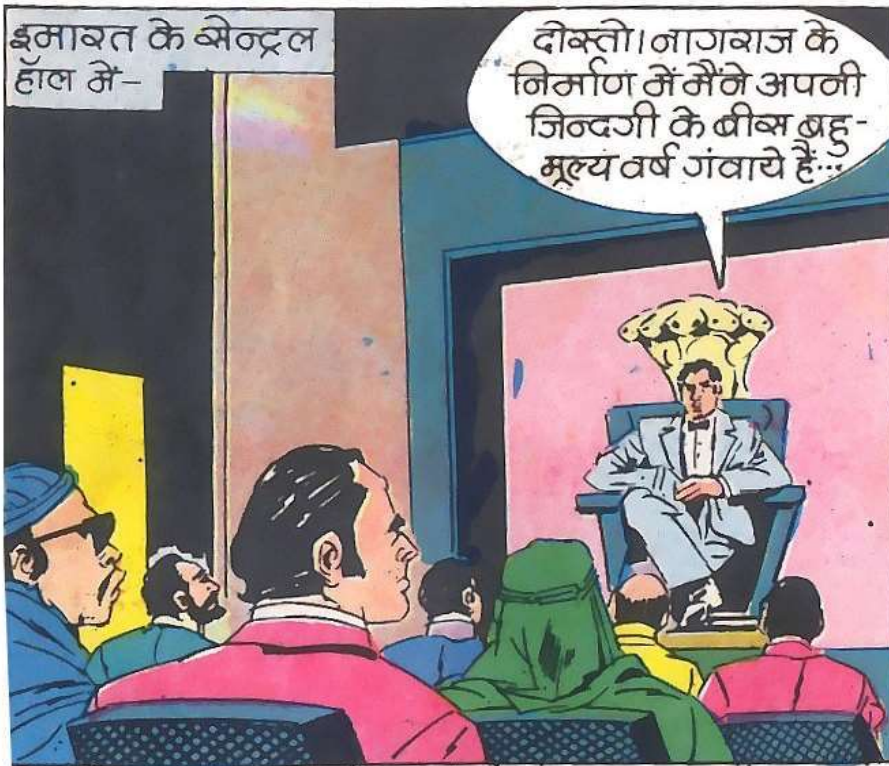
उसी के लिये आप सब को बुलाया है। आप उसकी उपयोगिता का अनुमान स्वयं लगा सकते हैं। वह कम्प्यूटर नहीं है, परन्तु इंसान होते हुये भी कम्प्यूटर से तेज कार्य की क्षमता रखता है।
आश्चर्यजनक! एक इंसान कम्प्यूटर को मात कर जाये!
हो सकता है यह गप्प हो।

नागराज अभी सामने के मंच पर प्रकट होगा, जहां आप उसकी क्षमताओं और ताकत का प्रदर्शन देखेंगे।

नागराज मंच पर प्रकट हो गया।
सभी मेहमानों को नागराज का अभिवादन!

आप लोग दुनिया में खतरनाक आतंकवादी संगठनों के सरदार हैं। आप सभी किसी न किसी फन में महारत हासिल किये हुये हैं। आप में से चार ऐसे व्यक्ति मंच पर आ जायें, जिनका निशाना अचूक हो।

हॉल में चार व्यक्ति उठकर मंच पर आ गये।
सबसे पहले आप लोग अपना परिचय दें।

वे अपना परिचय देने लगे।
मुझे जानी कहते हैं। मैं टैक्साज़ का सबसे खतरनाक गन मैन हूँ, जिसकी कोई भी गोली आज तक खाली नहीं गई।
मुझे यूसुफ बिन अली खान कहते हैं। मिडिल ईस्ट में मुझे मौत का सौदागर कहा जाता है। अगर आप कहें कि उड़ती चिड़िया की आँख पर गोली मारनी है तो गोली आँख पर ही लगेगी।
मैं डॉन हूँ। यूरोप का सबसे खतरनाक गन मास्टर।
मैं हूँ हुड। पश्चिमी जर्मनी में मुझे निशाने का रॉबिन हुड कहा जाता है।

आप लोग शपथ लें कि अपनी गोली से नागराज को खत्म करके नीचे उतरेंगे।
हम सब कसम खाते हैं।
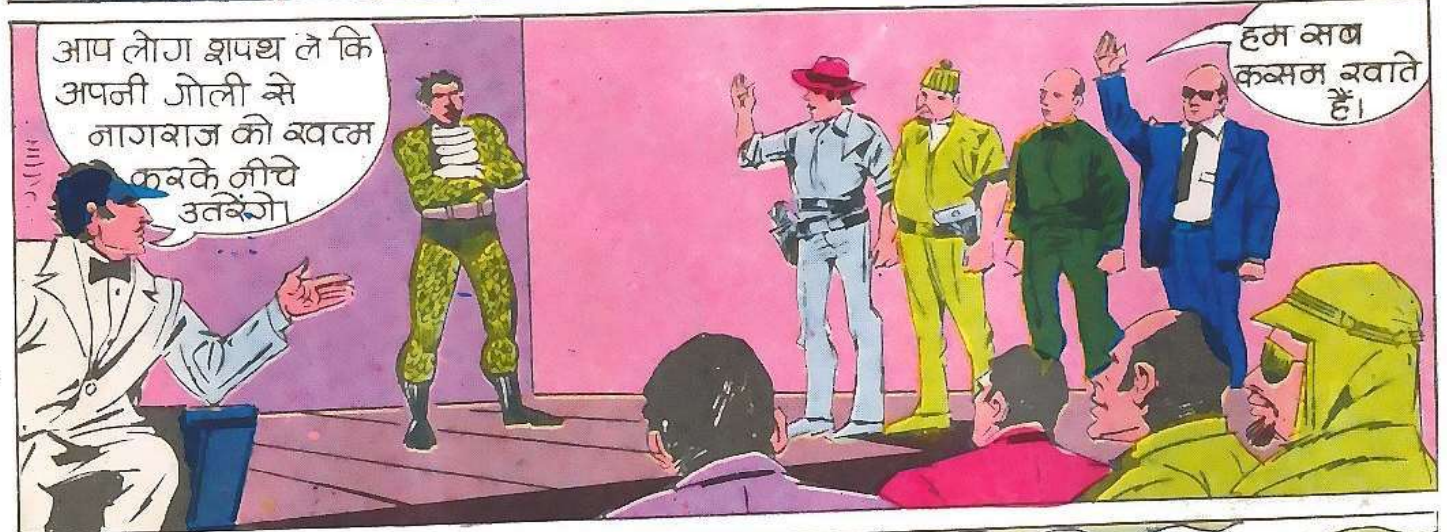
मैं इस घड़ी में अलार्म भर रहा हूँ। एक मिनट के अंदर-अंदर अलार्म बजेगा और अलार्म बजते ही आप अपनी गन निकाल कर नागराज पर फायर कर सकते हैं।

एक मिनट बाद -
ट्रिन
ट्रिन
ट्रिन

आ...आ
उफ्फ
हाय!
शूं... शूं... शूं...

क्या हुआ?
उन्हें क्या हो गया?
अरे, साँप! उनकी कलाइयों पर मैंने साँप देखे थे।
लेकिन साँप अब हैं कहाँ?
क्या चारों मर गये?
नागराज! उन्हें जीवनदान दो।
चारों को नागराज के जहरीले साँपों ने डस लिया था। नागराज उनका ज़हर खींच कर उन्हें जीवित करने में सक्षम था।
शीघ्र ही-
आप चारों ने क्या देखा?
मैं कुछ देख नहीं पाया। जैसे ही रिवाल्वर मेरे हाथ में आया मैंने कलाई पर एक सर्प को लिपटे देखा, जो डंक मारते ही न जाने कहाँ गायब हो गया?
यही हमारे साथ भी हुआ।

चारों वापिस अपनी सीटों पर बैठ गये।

अब मैं किसी फाइटर को तलब करता हूँ, जो जिस विद्या का फाइटर होगा, नागराज उसी फन का प्रदर्शन करेगा।

मैं मार्शल आर्ट का महारथी हूँ।
यस, आई एम ए कुंगफू मैन।

मार्शल आर्ट के दोनों योद्धा मंच पर आ गए।
और कोई है इस आर्ट का महारथी ?
नागराज तुम दोनों का अकेला प्रतिद्वंदी होगा। इसे खत्म कर दो।

और फिर-
स्वाय

ठाक
ठाक

फुस्स ऽऽ
फुस्स ऽऽ

मैं इसके सामने पहले दर्जे के बालक की तरह लड़ा।
यह स्नेक हैंड है।

तुम लोगों को कैसा लगा?
हम अपनी पराजय स्वीकार करके नागराज के सामने नतमस्तक हैं।
अब देखो। नागराज किस तरह दीवार पर चढ़ता हुआ हॉल की छत से गुजरेगा।
आश्चर्य है! वह बिल्कुल साँप की तरह दीवार पर चढ़ रहा है।
ओह! कितनी तेजी से और बिना किसी आहट के छत पर रेंगता जा रहा है।
यह बेमिसाल हथियार है।
दोस्तो! नागराज हॉल के दरवाजे पर उतर चुका है। अब वह जंगल के शिकारी अंदाज में वापिस मंच पर आयेगा।

क्या तुम लोग नागराज की कोई और परीक्षा लेना चाहते हो?

नहीं! हम इस प्रदर्शन से सन्तुष्ट हैं।

प्रोफेसर नागमणि, आपने शानदार हथियार का निर्माण किया है।

इसके अलावा भी नागराज की बहुत-सी विशेषतायें हैं, जो समय आने पर आपको मालूम हो जायेंगी। गोलियों से छलनी होने पर नागराज खुद ही उन्हें निकालकर अपने मार्ग पर चलता बनेगा और इसके शरीर से एक बूँद भी खून नहीं टपकेगा।

इसके शरीर के रक्ताणु आम इंसानों की तरह नहीं हैं। उनकी प्रक्रिया बड़ी तेज और सुरक्षित है। नागराज के जिस्म पर जख्म होते ही उनका काम मशीनी अंदाज में शुरू होता है। पहले ये रक्ताणु अंदर पहुँच चुके हानिकारक पदार्थ को बाहर निकाल देते हैं और फिर...

...किसी माहिर सर्जन की तरह जख्म को बंद कर देते हैं। यह क्रिया बड़ी तेजी से होती है और इस बीच इनका दूसरा दल घाव से रक्तस्राव रोके रहता है...

...और यह हथियार दुनिया के आतंकवादी गिरोहों के लिये तैयार किया गया है। आने वाले पाँच सालों में इसका कोर्स स्वतः पूरा हो जायेगा...

और पाँच साल बाद नागराज दीवारों से आर-पार होने का कमाल हासिल कर लेगा। किसी दूर की वस्तु को इच्छा-शक्ति से स्पर्श किये बिना उठा लेगा।
गप ही लगती है यह बात

मुझे इसकी आसाम में तोड़फोड़ के लिये तुरन्त जरूरत है।

अब नागराज की बोली लगेगी। सबसे ऊंची बोली को नागराज को भाड़े पर लेने का रेट तय समझा जायेगा और ऊंची बोली वाले को नागराज के प्रयोग के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।
बोली शुरू की जाये।
और मैं इसी जगह बैठे-बैठे दुनिया का सबसे धनवान और ताकतवर इंसान बन जाऊँगा।
पाँच हजार डालर!
दस हजार।

पचास हजार डालर!
एक लाख डालर!

अन्तिम बोली एक लाख डालर। तो नागराज के एक मिशन की कीमत एक लाख डालर निश्चित की जाती है।...

...मि. बुलडाग की बोली सबसे ऊंची है, इसलिए इन्हें नागराज का प्रयोग करने का अधिकार दिया जाता है।

...और मिस्टर बुलडाग के सम्मान में हम आज शाम एक पार्टी देंगे।
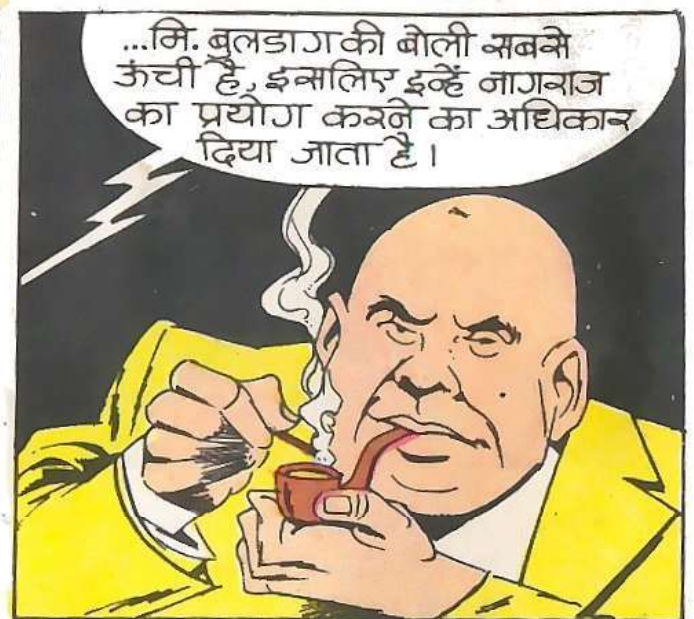
शाम को पार्टी में -
मिस्टर बुलडाग! बधाई हो। क्या आपने हिन्दुस्तान में तोड़फोड़ के लिये कोई बहुत बड़ा ठेका ले लिया है ?
यह तो सौदा है भई। मैं उससे एक करोड़ का डाका भी डलवा सकता हूँ।

फिर तो तुम्हारी निगाह में जरूर कोई बहुत बड़ा खजाना है।
अपना-अपना कारोबार है।

हमारी शुभकामनायें आपके साथ हैं। हम अगले माह की बुकिंग कर लेंगे।
आतंकवादी गिरोहों के सरदारों का यह सम्मेलन समाप्त हो गया और बुलडाग नागराज को लेकर चल पड़ा।

हमारे उग्रवादी बेगार कैम्प चला रहे हैं और उनके कैम्प आसाम के जंगलों में हैं। हम ऐसे ही एक कैम्प में उतरेंगे।

यहाँ के लोग गरीबी की सतह से निम्नस्तर की जिन्दगी गुजारते हैं। ऐसे लोगों की गरीबी हम बेगार कैम्पों के द्वारा दूर करते हैं।
यानी गरीबों को देशद्रोह के लिये तैयार किया जाता है।

इसके बावजूद भी हम पूरी तरह सफल नहीं हो पाते।
उसकी वजह?

असल में ये लोग छोटी-छोटी जातियों के गुटों में विभाजित हैं और इन लोगों के अपने अलग-अलग धर्मगुरु हैं, जिन्हें खरीदना मुश्किल हो जाता है...

...हम लोगों ने मिशनरियों द्वारा भी काम किया। धर्म परिवर्तन द्वारा इन्हें एक नये सम्प्रदाय में ढालना चाहा, परन्तु इसमें भी अधिक सफलता नहीं मिली। इनके धर्मगुरु चीख-पुकार मचा कर सरकार को चौकन्ना कर देते हैं...

...और अगर इनकी जातियों में कोई आपसी झगड़ा फैलाते हैं तो एक शक्तिशाली हस्ती हस्तक्षेप करके इनका झगड़ा सुलझा देती है।

शक्तीशाली हस्ती? वह कौन है?
बताया जाता है कि वह आसाम के जंगलों में कहीं रहता है, परन्तु उसका निवास स्थान किसी को मालूम नहीं...
...यहाँ के निवासी उसे महात्मा गोरखनाथ के नाम से पुकारते हैं। वह एक सफेद बालों वाला लम्बा-तगड़ा इंसान है। लोग कहते हैं कि उसकी उम्र दो सौ साल की है...

बहुत ही विचित्र और रहस्यमय इंसान है। कभी भी कहीं भी प्रकट हो जाता है। कोई भी धर्मगुरु उसकी आज्ञा का उल्लंघन नहीं कर सकता। हर आदमी उससे खौफ खाता है।

तुम लोगों ने उसकी हत्या की कोशिश नहीं की?
कई बार,लेकिन हर बार नाकाम रहे। ऐसा कहा जाता है कि वह कोई बहुत बड़ा जादूगर है। कोई भी स्थानीय व्यक्ति उसकी हत्या की योजना में हम से सहयोग नहीं करता।
तो तुम लोग मेरे हाथों उसे स्वर्ग-धाम पहुँचाना चाहते हो।

तभी-
कैम्प आ गया। बाकी बातें पूरी योजना के साथ होंगी।

सब ठीक है राका?

बस एक छोटी-सी घटना को छोड़कर सब ठीक है बॉस!

कैसी घटना?
दो कैदी भाग निकले थे। मेरे शिकारी कुत्ते उनकी बोटियाँ ले आये।

राका कैम्प इंचार्ज है, और राका! यह हैं हमारे मेहमान नागराज!
स्वागतम्!

कैम्प के कंट्रोल हाउस में-
सबसे पहले तुम भू-भाग के चित्रों को ध्यान-पूर्वक देख लो।

यह टोंक नदी है, जो ब्रह्मपुत्र से जा मिलती है। नदी के किनारे यह स्थल देखो, जिसे लाल दायरे में दिखाया गया है।...

..यह एक बहुत ही पौराणिक मन्दिर है, और इसके चारों तरफ एक बस्ती आबाद है। इसके अलावा पहाड़ियों में कई कबीले भी हैं।

इस मन्दिर को लेकर दो समुदाय के लोगों में काफी पुराना झगड़ा चला आ रहा है।

बाद में एक सम्प्रदाय का इस पर एकछत्र अधिकार हो गया, क्योंकि ये लोग दूसरे सम्प्रदाय से हर सूरत में मजबूत थे। धन से भी और ताकत से भी।

दूसरे सम्प्रदाय वाले भी झगड़ा खत्म करके इनमें आ मिले और फिर यह विवाद लगभग समाप्त हो गया...

...अगर इस मन्दिर के भीतर रखी मूर्ति गायब कर दी जाये तो हमारा काम हल हो जायेगा।
वह किस तरह?

हम यह अफवाह फैला देंगे कि मूर्ति दूसरे सम्प्रदाय के लोगों ने चुरा ली है। दंगा भड़क जायेगा और जब तक मूर्ति मंदिर में वापिस नहीं लौटेगी दंगा शांत नहीं होगा।
तो फिर तुमने अब तक यह काम किया क्यों नहीं?

यह काम इतना आसान होता तो कभी का हो गया होता। वह मूर्ति करोड़ों की है और उसकी रक्षा मन्दिर में रहने वाले सैंकड़ों नाग करते हैं।
नाग!

साँप वैसे तो किसी को कुछ नहीं कहते, परन्तु कोई भी व्यक्ति जब मन्दिर में बुरे इरादे से जायेगा तो नाग उसे डस लेंगे। हमारे पाँच आदमी इसी चक्कर में मारे गये।
ओह! यह तो कोई तिलिस्मी मामला है।
और तुम इस तिलिस्म को तोड़ सकते हो?

बेशक मैं तोड़ दूँगा।

इसके अलावा सुरक्षा का और क्या प्रबन्ध है वहाँ?
यदि मन्दिर की चोरी का तुरंत पता चल गया तो आस-पास के कबीलों तक में जल-जला आ जायेगा। सैंकड़ों लोग शिकारी कुत्तों की तरह तुम्हारे पीछे लग जायेंगे...

...जैसे ही तुम मूर्ति चुराकर भागोगे, हम साम्प्रदायिक दंगा भड़का देंगे। मूर्ति प्राप्त करते ही तुम्हें बेले सम्प्रदाय के सरदार को सूचित करना होगा।
क्या ऐसी सूरत में गोरखनाथ कुछ रोक-थाम नहीं करेगा?

उसके लिये गोरखनाथ को कबीले वालों को विश्वास दिलाना होगा कि मूर्ति वापिस आ जायेगी, और मूर्ति वह ला नहीं पाएगा। इस तरह उस पर से दोनों सम्प्रदायों का विश्वास उठ जायेगा और फिर उस-का खेल खत्म।
तो फिर समझ लो उसका खेल खत्म हो ही गया।

नागराज ने मिशन पर रवाना होने की पूरी तैयारी कर ली।
क्या तुम किसी को साथ ले जाना चाहोगे?
नहीं, बस राका मुझे जंगल की सीमा तक छोड़ देगा।

करोड़ों की मूर्ति... यह मूर्ति अगर मुझे मिल जाये तो...

...ऐश की जिन्दगी जीने का यह एक सुनहरी मौका होगा। जब नागराज मूर्ति लेकर लौटेगा, तब नागराज का भी खेल खत्म कर दूँगा।
बस राका, मुझे यहीं उतार दो।

इस पुल पर हम लोग तुम्हारा इंतजार करेंगे नागराज!
अवश्य! मैं शीघ्र ही लौट आऊंगा।

और इसी पुल पर तुम्हारी कब्र भी बनेगी।

नागराज जंगल के रास्ते आगे बढ़ गया।

दहाड़
ओह! शेर की दहाड़!

वाह! क्या युद्ध है। एक शेर एक जंगली भैंसे से लड़ रहा है।
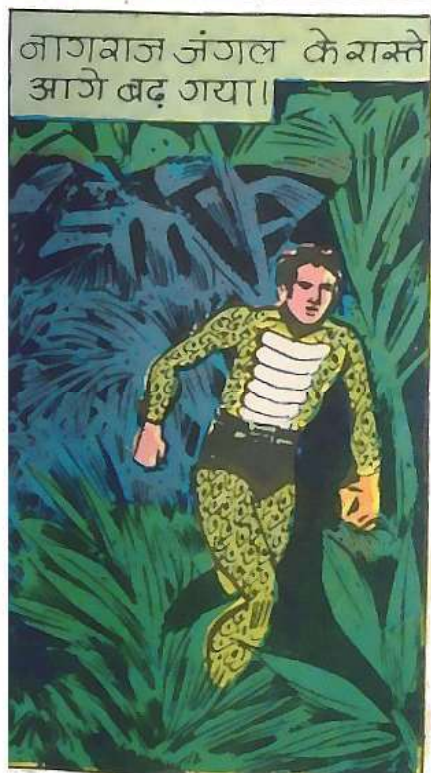
अरे, यह क्या? एक की बजाय दो-दो जंगली भैंसे! यह तो जंगल के राजा के साथ नाइंसाफी है।

मल्ल युद्ध में एक का मुकाबला दो से नहीं होता। तुम में से एक को मेरे साथ लड़ना होगा।

और फिर
धड़ाक

अब बोल, तेरे साथ क्या सलूक किया जाये?

बस, मैं तेरी गर्दन की एक हड्डी तोड़ देता हूं और फिर तेरा खेल खत्म।

उधर शेर भी अपने दुश्मन को मार चुका था।
हम दोनों अलग-अलग क्षेत्र के राजा हैं।

दोस्त! अभी मैं जल्दी में हूँ, वरना तुम्हारे साथ जरूर बातें करता। मैं जानता हूँ तुम शुक्रिया अदा करना चाहते हो।

नागराज उस बस्ती के पास पहुँच गया।
बस, इस नदी को पार करना है। इसके बाद मैं उस बस्ती में पहुँच जाऊँगा।

बड़ा ठंडा पानी है।

मुझे आधी रात के समय मन्दिर में दाखिल होना है। तब तक मैं यहाँ विश्राम कर लूं।

आधी रात के समय-
हर कोई गहरी निद्रा में विचरण कर रहा है।

नागराज को देखते ही कुत्ते दुम दबा कर भाग जाते थे।
भाग जाओ। मैं नागों का राजा हूँ।

जागते रहो
बस्ती में इंसानों का पहरा भी है। इसे गुजर जाने दूं।

मन्दिर के पार्श्व भाग में-
बड़ी खतरनाक पहाड़ी पर खड़ी है इसकी पिछली दीवार।

नागराज खुरदरी दीवार पर आसानी से चढ़ गया।

और फिर शीघ्र ही-

नागराज नागरस्सी का प्रयोग करता है।
शूं..शूं..शू..

अब चलूं नीचे मन्दिर के अन्दरूनी प्रांगण में।

नीचे पहुंचने पर-
बाहर के कपाट बंद हैं और मैं अंदर आ गया हूँ।

अब यह दरवाज़ा!

नागानन्द, नागराज का दायाँ हाथ-
नागानन्द! तुम जाकर पता लगाओ कि इसे अंदर से कैसे खोला जाता है।

ओह! दरवाजा खुल रहा है। मेरे शागिर्द ने अपना कमाल दिखा दिया।

बड़ा आलौकिक प्रकाश है यहाँ।

तभी-
फुस्स
फुस्स
फुस्स

अरे! नादानो मुझ पर जहर उगल रहे हो। ठहरो, अभी चखाता हूँ मजा।

नागराज के शरीर पर डसने वाला साँप पानी बनकर पिघल जाता था।
देख लो नागराज पर जहर उगलने का अंजाम।

बचे हुए नाग, नागराज की जहरीली फुंकारों से धाराशायी हो गए।

और फिर नागराज मूर्ति की तरफ लपका।

लेकिन तभी-
फुस्स्स ऽऽ फुस्स ऽऽ

यह मुकाबला जोरदार रहेगा। मेरी जहरीली फुंकार का इस पर प्रभाव नहीं हुआ। इसका मतलब यह किसी विशेष दर्जे का नाग है।

स्सांय...

फुस्स!
फुस्स!

फुस्स!SS
फुस्स!

धुप्प

धुप्प

उफ! काफी खतरनाक बला थी। सचमुच, इस मूर्ति को चुराना आसान काम नहीं...

...लेकिन अब यह मूर्ति मेरे हाथों में है। अब यहाँ से चलना चाहिये।

और फिर-
श्रं: श्रं:..

गश्त करते चौकीदार ने मन्दिर के गुम्बद पर प्रकाश देखा तो-
वह कौन है मन्दिर के गुम्बद पर?

बस्ती में शंख और तुरही बज उठे, जो खतरे का संकेत था।
टू...टू...टू...टू...
ओह! खतरा! मुझे इस बस्ती से तुरन्त निकल जाना चाहिए।

वह भाग रहा है। पकड़ो ...घेर लो.... जाने न पाये।

कबीलों को खबर कर दो। चारों तरफ से घेरा डालो।
सक
तीर-भालों की बौछार चल पड़ी।
सक
सक
जिप्प

शूं शूं शूंऽऽ

साँप
साँप

चारों तरफ से घेरा डाला जा रहा है। मशालें ही मशालें।

ठाक
ट्विंग
साँयऽऽ

मुझे इन ऊंचे वृक्षों का सहारा लेकर इनके सिरों के ऊपर से गुजर जाना चाहिए।

शूँ शूँ शूँ...

अरे! कहाँ गया?
वो देखो... उस पहाड़ी पर है।

कमबख्त पहाड़ी पर चढ़ रहे हैं। क्यों न इन बड़े पत्थरों को इन पर लुढ़का दूँ।

गरड़ऽ
गरड़ऽ
गरड़ऽ

अब जल्दी से अपनी तेज लम्बी छलाँग का प्रयोग करके इस खाई को पार कर जाऊँ।
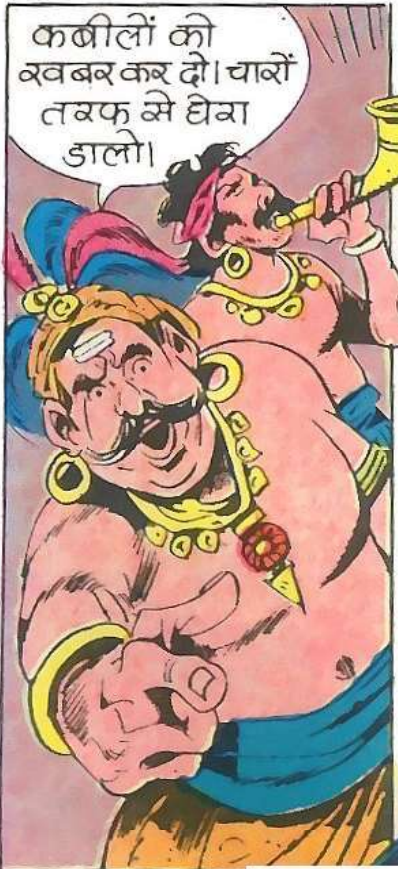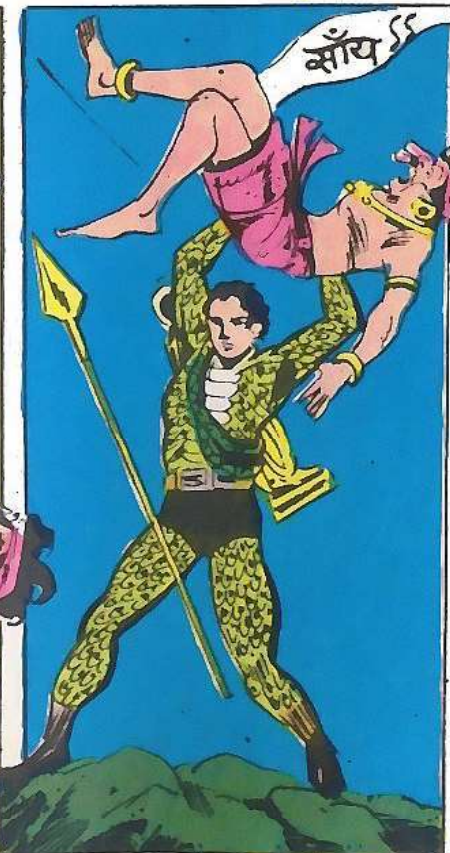
अब इन तीर वालों से कुछ नहीं होने वाला।

और सुबह हो गयी।
बड़ा भयंकर जोखिम भरा मिशन था। यह सामने की बस्ती मेरे दोस्तों की है। इससे आगे मुझे कोई खतरा नहीं।

नागराज कोडवर्ड की मदद से बेले कबीले के सरदार तक पहुँच गया।
हमले की तैयारी करो।
मैं कामयाब हो गया हूँ। अब तुम लोग अपना काम शुरू कर दो।

दूसरे कबीले में-
बेले सम्प्रदाय के लोग हमारी बस्ती पर हमला बोलने जा रहे हैं,तैयार हो जाओ। हम ईंट का जवाब पत्थर से देंगे।

नागराज उस पुल पर पहुँचा, जहाँ शाका की टोली उसका इंतजार कर रही थी।
वह आ गया! तैयार रहो।

मैं मूर्ति लेकर आ गया हूँ शाका।
मूर्ति मेरे हवाले कर दो।
नहीं, मुझे हिदायत है कि इसे बुलडाग तक पहुंचाना है।

लेकिन तुम्हें इसे मेरे हवाले करना ही होगा। एक नजर अपने चारों तरफ डालकर तो देखो।
बेवकूफो! तुम अपने बॉस के साथ गद्दारी कर रहे हो!
और फिर-
शूं
शूं
शूं
रेऽऽटा
रेऽट
आ..ई..ई...
फुस्स
तुझे इसी हालत में लाद-कर कैम्प ले जाऊंगा।

यह पेड़ तुमने गिराया है?

हाँ, मैंने गिराया है और मैं ही इसे हटा सकता हूँ।

तुमने ऐसा क्यों किया?

मुझे वह मूर्ति चाहिये।

ओह! तो यह बात है। मेरा रास्ता रोकने का अर्थ जानते हो।

तुम जैसे इंसान का कोई रास्ता नहीं हुआ करता। तुम भटके हुये इंसान हो।

कहीं यह बाबा गोरखनाथ तो नहीं?
तुम सही सोच रहे हो बालक! मैं ही गोरखनाथ हूँ। यह मूर्ति वापिस मन्दिर में जायेगी।

मैं तुम जैसे साधु-संतो की हत्या नहीं करता, इसलिए बेहतर है कि इस पेड़ को हटा दो और मुझे जाने दो।

लो, मैं तुम्हारी यह इच्छा भी पूरी किये देता हूँ।

पेड़ हट गया। अब मूर्ति मेरे हवाले कर दो और फिर तुम जा सकते हो। यदि तुमने मेरा कहा न माना तो फिर मैं तुम्हें भी अपने साथ ले जाऊँगा।

और फिर तुम्हें दंड दिया जायेगा।
देखता हूँ तुम मुझसे मूर्ति कैसे हासिल करते हो। मैं आ रहा हूँ।

लेकिन-
ओह! मेरे गले में फंदा।

शूं शूं शूं...

मेरे सारे नाग वापिस पलट रहे हैं। उसके कंधे पर काला नेवला बैठा है। काला नेवला शिकांगी ।
शिकांगी! वह रस्सी तोड़कर फरार होना चाहता है।
फुस्स
फुस्स
शिकांगी नेवले का धारक बहुत बड़ा जादूगर होता है। मैं इसकी असीमित शक्ति का मुकाबला नहीं कर सकता। मुझे भाग जाना चाहिये।
शिकांगी नागराज के चारों तरफ घूमने लगा।
ओह! इसने मेरे चारों तरफ जादुई लकीर खींच दी है।

तभी
ठाक

भटके हुये लोगों को सही मार्ग दिखाना उनके लिये सबसे बड़ा दंड होता है।

अगर यही इंसान अपनी शक्ति का प्रयोग मानवता की रक्षा के लिये करे तो लोग इसकी पूजा करेंगे।
महात्मा गोरखनाथ ने वशीकरण विद्या द्वारा नागराज के दिमागी हालात जानने शुरू कर दिये।
नागराज! तुम नागमणि जैसे शैतान के गुलाम हो। उसने तुम्हें बनाया है। इसका मतलब तुम्हारी अपनी कोई स्वतंत्र हस्ती नहीं।
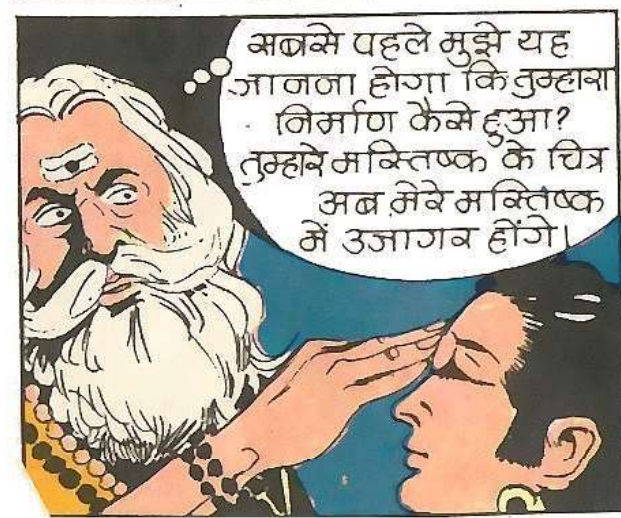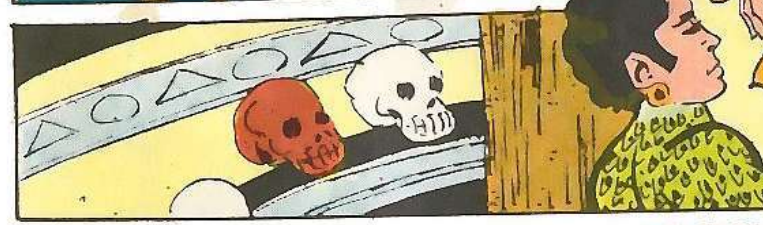
सबसे पहले मुझे यह जानना होगा कि तुम्हारा निर्माण कैसे हुआ? तुम्हारे मस्तिष्क के चित्र अब मेरे मस्तिष्क में उजागर होंगे।
नागमणि इच्छाधारी साँप पकड़ना चाहता था। वह साँपों का विशेषज्ञ था और साँप पकड़ने के लिये जंगलों में भ्रमण करता था। एक दिन वह जंगल में पहुँचा तो-
यह तो किसी नागदेवता का पुराना मन्दिर मालूम पड़ता है।

नागमणि को किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। वह मन्दिर में दाखिल हो गया।
अरे, बच्चा! ओह, कितना प्यारा बच्चा है...
...मैं इसे पालूँगा।
फिर जैसे ही नागमणि ने बच्चे को गोद में लिया...
...एक नाग फुँकारता हुआ उसके मार्ग में आ खड़ा हुआ।
यह तो इच्छाधारी नाग है। मेरी आँखें धोखा नहीं खा सकती।
और तभी इच्छाधारी ने इंसानी रूप धर लिया।
मेरे दर्शन बहुत मुश्किल से प्राप्त होते हैं। ऐ इंसान तू जो भी है, गौर से मेरी बात सुन।
एक लड़की मेरी पुजारिन थी। किसी ने उसके साथ अत्याचार किया और परिणाम स्वरूप यह बच्चा पैदा हुआ।
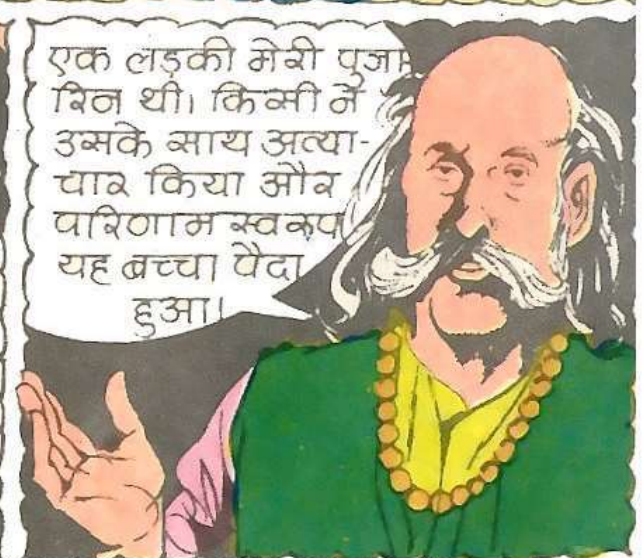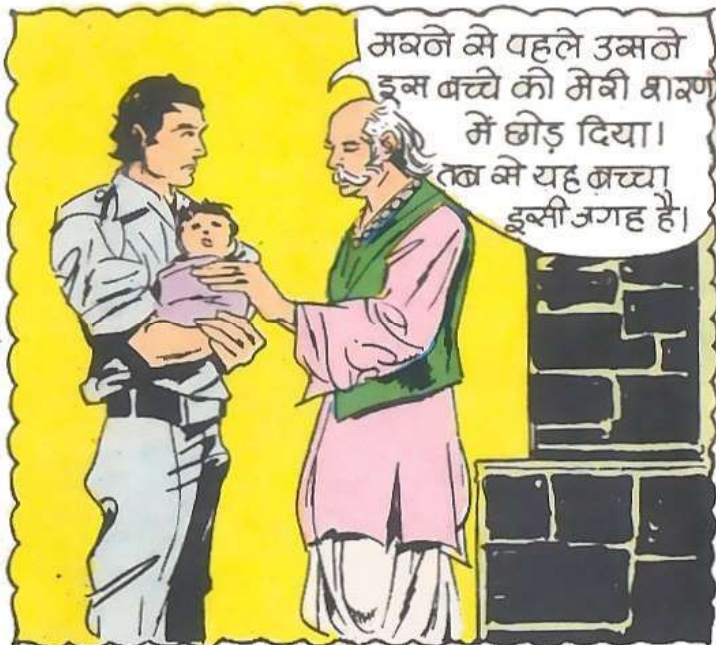
मरने से पहले उसने इस बच्चे को मेरी शरण में छोड़ दिया। तब से यह बच्चा इसी जगह है।
मुझे इस बच्चे के संरक्षक की जरूरत थी, जो इसे पालपोस कर जवान करे और इसे अपनी माँ के साथ हुये अन्याय का बदला लेने के काबिल बना सके।
मुझ पर विश्वास करो। मैं इसे वैसा ही बना दूँगा, जैसा तुम चाहते हो।
मैं इस बच्चे को पराक्रमी व बलवान बनाना चाहता हूं।
आज से बीस वर्ष बाद तुम इस जगह आना, मैं तुम्हें मृत अवस्था में मिलूँगा। तुम मेरे कंठ से विष की थैली निकाल लेना...
...और मेरे शरीर का भस्म बनाकर इस बच्चे को खिला देना। इससे एक दिन मेरे जैसी योग्यताएँ स्वतः पैदा हो जायेंगी।
फिर वह साँप के रूप में परिवर्तित हो गया।
परन्तु याद रहे, मेरी भस्म बनाकर खिलाने से पहले इस बच्चे को एक हजार जहरीले साँपों से डसवाना होगा। हल्के जहर से तुम इस पर प्रयोग करोगे।

और सबसे अंत में तुम मेरे कंठ से निकली जहर की थैली से इसके शरीर में मालिश करोगे थोड़ा-सा जहर इसकी जिव्हा से स्पर्श कराओगे।
और तब यह नागराज बन जायेगा। सांपों की कोई भी नस्ल इसे पराजित न कर सकेगी।
ठीक है। मैं ऐसा ही करूंगा।
और नागमणि ने उस बच्चे पर प्रयोग शुरू कर दिया।
स्नेक मैन! यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा आविष्कार होगा।
जिस तरह राजा विष-कन्या बनाते थे, मैं विष नर बनाऊँगा। जिसके एक हज़ार साँप गुलाम होंगे।
नागमणि ने उस पर अपने जहरीले साँपों का प्रयोग प्रारम्भ कर दिया।
इसमें गजब की क्षमता पैदा होती जा रही है। धीरे धीरे इसकी क्षमता बढ़ती जायेगी।
नागमणि के घर में ही नागराज बड़ा हुआ।
अब वह वक्त आ गया है, जब इच्छाधारी की भस्म इसे खिलाई जाये।

ओह, अभूतपूर्व! इसके जिस्म की रंगत बदलने लगी।
कुछ दिन बाद-
यह एक खौफनाक नाग की तरह नजर आ रहा है। जिसका चेहरा इंसानों जैसा है।
मैं सफल हो गया। नागराज पर अब मेरा अन्तिम प्रयोग बाकी है।
नागराज के जिस्म पर इच्छाधारी साँप के जहर की मालिश की गयी।
लेकिन मुझे इसके ब्रेन पर कंट्रोल रखना होगा। अब कुछ वर्षों बाद इस में इच्छाधारी साँप के सब गुण आ जायेंगे।
नागमणि ने नागराज के मस्तिष्क का आप्रेशन करके उसमें एक कैप्सूल फिक्स कर दिया।
अब इसकी अपनी कोई इच्छा नहीं होगी। जो मैं सोचूँगा वही इसकी सोच होगी।
SNAKES
नागराज। तुम मेरे गुलाम हो। तुम एक ऐसी मशीन हो, जो मेरे लिये काम करेगी।
हाँ आका! मैं आपका गुलाम हूँ।
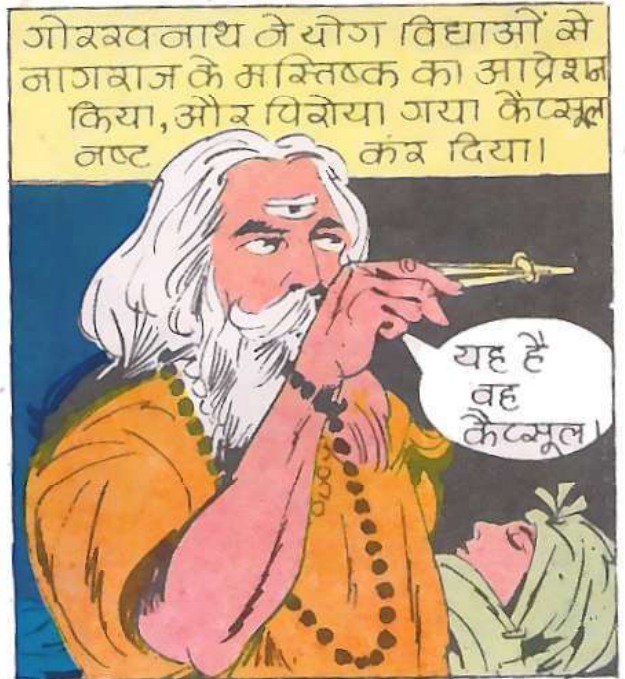
एक हजार साँप तुम्हारे रक्त में अदृश्य हो चुके हैं। जब तुम उन्हें जगाओगे तो वह तुम्हारे हाथों से जिन्दा होकर बाहर निकल आयेंगे।

और एक दिन तुममें स्वत अदृश्य होने की शक्ति उत्पन्न होगी। तब तुम इच्छाधारी साँप की सम्पूर्ण योग्यतायें प्राप्त कर लोगे।
इस तरह...

...गोरखनाथ ने नागराज की उत्पत्ति की पूरी कहानी जान ली।
नागमणि इसे अपने स्वार्थ के लिये प्रयोग कर रहा है। इसके मस्तिष्क का कैप्सूल निकाल देना चाहिए

गोरखनाथ ने योग विद्याओं से नागराज के मस्तिष्क का आप्रेशन किया, और पिरोया गया कैप्सूल नष्ट कर दिया।
यह है वह कैप्सूल।

जब नागराज को होश आया-
अब तुम ठीक हो। तुम कैसा महसूस कर रहे हो?

बहुत तरोताज़ा, जैसे कोई बोझ हट गया हो।

काला नेवला शिकांगी नस्ल का होता है, जिसके दर्शन भी दुर्लभ होते हैं।यह नेवला वशीकरण शक्ति का स्वामी माना जाता है। यह अपने आप में बहुत बड़ी जादुई शक्ति है। जंगली लोग इसकी पूजा करते हैं और जादूगर अपनी कला के लिये इसकी साधना करते हैं। यह नेवला गोरखनाथ ने बड़ी साधना से प्राप्त किया था और जब से शिकांगी उसके पास था, वह रहस्यमय शक्तियों का स्वामी बन गया था।

मुझे शिकांगी ने ही इस बात की सूचना दी थी कि तुम मूर्ति चुरा कर भाग रहे हो और किस रास्ते से भाग रहे हो। जाओ, शिकांगी की कृपा से तुम आजाद हो गये हो।
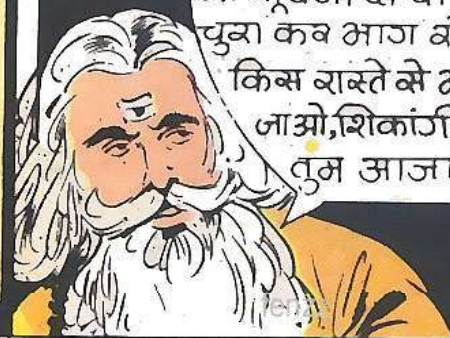
मैं आपको कभी नहीं भूलूँगा। आप सचमुच देवता हैं। न जाने मुझसे कितने अपराध होते और न जाने कब तक मैं नागमणि की गुलामी करता रहता।

और जब भी तुम्हें मेरी आवश्यकता पड़े, तुम मुझे याद कर लेना। तुम मुझे अपने मस्तिष्क में खड़ा पाओगे। जाओ, मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।

नागराज का नया जन्म हो चुका था। उसे बाबा गोरखनाथ का आशीर्वाद प्राप्त था और वह आतंकवादी गिरोहों के विरुद्ध उठ खड़ा हुआ था। अब देखना यह है कि उसका निशाना सबसे पहले कौन बनता है। उधर गोरखनाथ ने मूर्ति को यथास्थान उसी मन्दिर में स्थापित कर दिया। मूर्ति तत्काल लौट आने से सम्प्रदायिक हिंसा रुक गयी और कबीलों में गोरखनाथ की जय-जयकार होने लगी।

नागराज अपने सफर पर निकल पड़ा।

समाप्त

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 0019
नागराज
की कब्र
PRATAP
MULICK
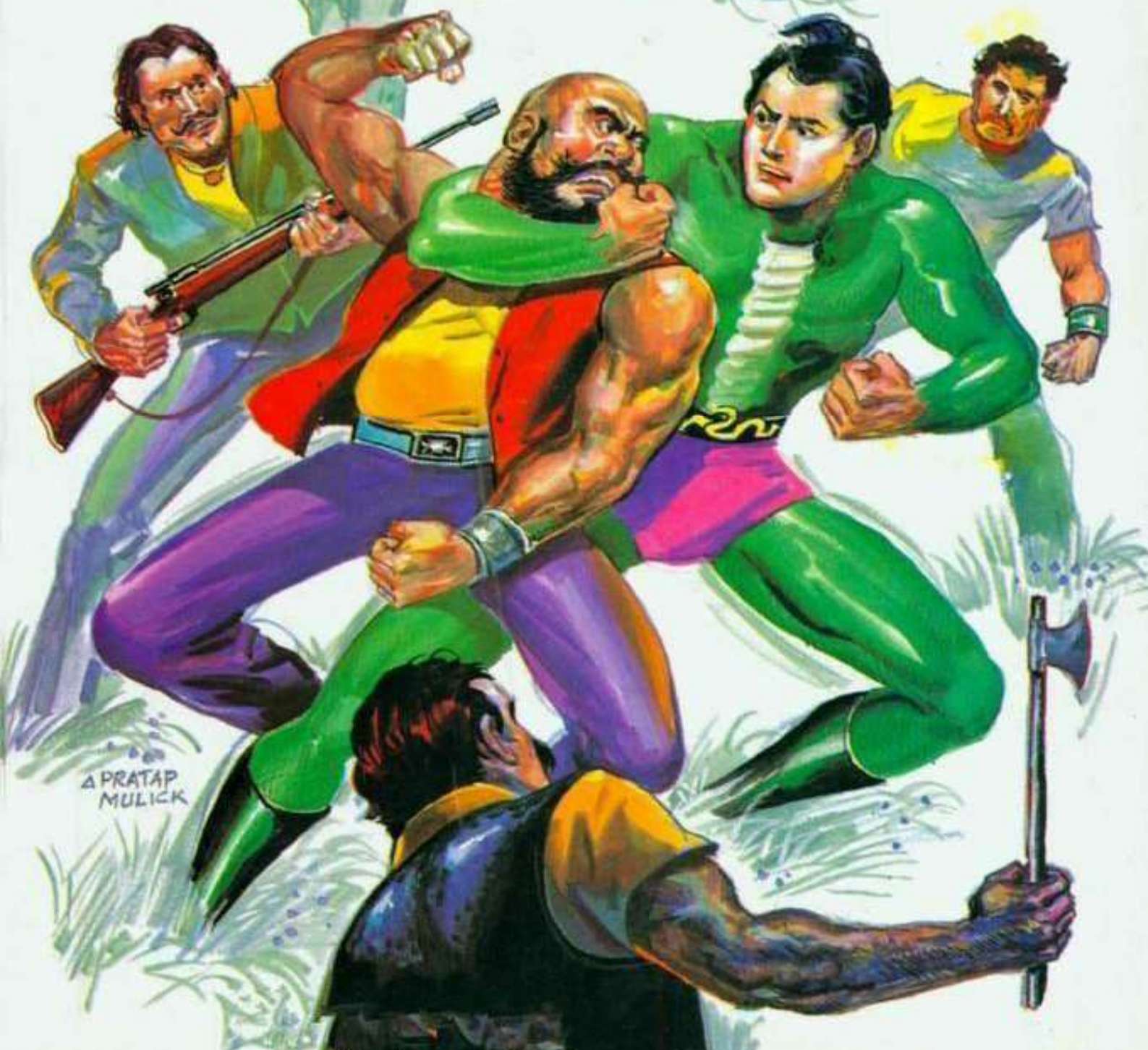
नागराज की कब्र

कथा: परशुराम शर्मा चित्रांकन: संजय अष्टपुत्रे सम्पादक: मनीष चन्द्र गुप्त

कुख्यात वैज्ञानिक प्रो. नागमणि ने नागराज का निर्माण आतंकवादी गिरोहों के लिये किया। एक ऐसा शस्त्र जो प्रत्येक परिस्थिति का मुकाबला कर सकता था। महाशक्तिशाली नागराज को आतंकवादी गिरोह के सरदार बुलडाग ने किराये पर प्राप्त कर लिया और नागराज ने आसाम में विनाश प्रारंभ कर दिया। लेकिन एक शक्तिमान योगी महात्मा गोरखनाथ ने नागराज को अपनी गुप्त शक्तियों के बल पर पकड़ लिया फिर नागराज के मस्तिष्क का आप्रेशन कर उसे प्रो. नागमणि के चंगुल से मुक्त कर दिया। तब नागराज नेकी के रास्ते पर निकल पड़ा और उसने कसम खाई कि वह दुनिया से सभी आतंकवादी गिरोहों का सफाया कर देगा।

एक रात का सफर तय करने के बाद नागराज सुबह ही साकू कबीले जा पहुँचा।
यह मेरे लिये स्वर्णिम सवेरा है जो इन लोगों के लिये तबाही का अंधेरा लेकर आया है।

नागराज बस्ती के एक खस्ता हाल होटल में जा पहुँचा।
क्या तुम शेखू को जानते हो? वह इसी बस्ती में रहता है।
शेखू! ठहरो... वहां बैठो...

पता नहीं शेखू का नाम सुनकर यह क्यों घबरा गया...?

उधर होटल मालिक होटल के पिछवाड़े जा पहुँचा।
अगर यह वही आदमी हुआ तो मुझे वह दौलत जरूर मिलेगी जो इस पर लगाई गयी है।

पास ही के एक झोपड़े में वह घुसा।
शेमो सुनकर खुश होगा।

शेमो! मैं एक अच्छी खबर लेकर आया हूं।
फिर तो मैं सुबह-सुबह तुम्हारा मुंह कड़वा जरूर करूंगा।

मैंने उस आदमी को पा लिया है जिसकी तुम्हें तलाश थी...
मुझे तो हर उस आदमी की तलाश है जो पैसा पैदा कर सके।

किसी दिन यह शराब तुम्हें ले डूबेगी - इसी शराब के कारण तुम्हारी ताकत शेखू से कम पड़ती जा रही है।
मेरे दुश्मन शेखू का नाम किस तरह लिया तूने सवेरे सवेरे कमीने... भाग जा वरना मैं तेरा गला काट दूंगा

रोमो ! मैं तुम्हारा दोस्त हूं - तुम्हें फिर से ताकतवर देखना चाहता हूं। और तुम भूल रहे हो कि मैं तुम्हारे लिये एक खुशखबरी लेकर आया था।

मुझे गुस्सा बहुत आने लगा है - खैर बता - क्या खुशखबरी लेकर आया है...!
बहुत दिनों के बाद एक आदमी शेखू की तलाश में आया है।

और यह वही आदमी मालूम पड़ता है जिसने मूर्ति लूटी थी... और जिसे शेखू तलाश करता फिर रहा है।
तुम्हें कैसे यकीन कि यह वही आदमी है?

शेखू ने मुझे उसका हुलिया बताया था। उसका कहना था कि इस हुलिये का आदमी कभी नजर आये तो तुरंत उसे खबर करके पांच हजार रुपये इनाम हासिल कर लूं।

होटल मालिक वापिस होटल में लौट आया।

तुम्हें शेखू से मिलना था ना?
हां... यह मैं तुम्हें पहले ही बता चुका हूं।
मैं शेखू के लिये अजनबी नहीं हूं।
लेकिन तुम्हें मालूम होना चाहिये शेखू किसी अजनबी से नहीं मिलता।

तो फिर तुम्हें अपना पूरा परिचय देना चाहिये।
बस तुम उससे इतना कह दो कि नागराज आया है।

तुम नागराज हो...?
हां–यही नाम है मेरा...।

फिर तो मैं तुम्हें अभी शेखू के पास ले चलता हूं। तुम्हारा नाम कतई अजनबी नहीं है।
चलो।

रास्ते में–
नागराज अजनबी नाम नहीं – तुम उसके बारे में क्या जानते हो?
सिर्फ इतना कि शेखू ने मुझसे कहा था कि यदि इस नाम का कोई आदमी उससे मिलने आये तो तुरंत उसके गार तक पहुंचा दूं।

गनीमत है कि यह आदमी मेरे बारे में अधिक कुछ नहीं जानता।

नागराज!
बिल्कुल यही आदमी यही नाम बताया था शेखू ने...

अब तुम इस गार में उतर जाओ। मुझे यहीं से वापस लौटना है।
धन्यवाद दोस्त! तुमने मुझे यहां तक का रास्ता दिखाया।

रोमो – वह झींगा गार में उतर चुका है। और यह शतप्रतिशत वही आदमी है। उसका नाम नागराज है।
हूं – अब तुम होटल पर मेरा इंतजार करो।

सबसे पहले मुझे इस गार का रस्ता बन्द करना होगा फिर चोर रास्ते से अन्दर जाऊंगा।
मेरा बेवकूफ दोस्त कालू कहता था कि शराब ने मेरी ताकत छीन ली – लेकिन अब भी मैं इन चट्टानों को उठा सकता हूं।
अगर मेरा बेवकूफ दोस्त मुझे चट्टान उठाते देख लेता तो शायद गश खाकर बेहोश हो जाता।

यह पतली दरार... अपने शरीर की मांस-पेशियां सिकोड़ने की कला जिसे आती हो वही ऐसे चोर दरवाजे पार कर सकता है...

गार में-
नागराज sss क्या तुम मेरी आवाज सुन रहे हो?

अगर मेरी आवाज सुन रहे हो तो जवाब दो।
हां। मैं तुम्हारी आवाज सुन रहा हूं।

उसकी आवाज तीसरे मोड़ वाली गुफा से आ रही है। इस गार की आवाजों का अनुमान सिर्फ मैं ही लगा सकता हूं।

यहां आवाज गूंजती है, जरा सी आवाज पूरे गार में सुनाई पड़ती है और अंदाजा लगाना मुश्किल होता है कि आवाज कहां से आई है।

हैरान होने की जरूरत नहीं नागराज - मैं ठीक तुम्हारे पीछे खड़ा हूं।
!

क्या तुम शेखू हो...?
हां- मैं ही शेखू हूं... मूर्ति कहां है नागराज ?

पहले मैं तुम्हारी पहचान करूंगा कि तुम शेखू ही हो या कोई और! अपनी दायीं हथेली दिखाओ!

तुम शेखू नहीं हो। बुलडाग के सभी क्षेत्रीय सरदारों के हाथ में एक चिन्ह गुदा होता है। वह तुम्हारी हथेली पर नहीं है।

ये रहा मेरी हथेली का निशान...

मैं मास्टर शेमो हूं। शेमो जो इस दुनिया में सिर्फ एक है और अकेला है जिसके पुरखे ताकत की पूजा करते थे। और जो मुझे विरासत में मिली है।

मार्शल आर्ट्स में इसे मंकी ब्लो कहते हैं नागराज।

यह हाथापाई बन्द करो और पहले मेरी बात सुनो।
मास्टर रोमो अपने प्रतिद्वन्द्वी को बोलने का मौका जरूर देता है। बोलो...।

तुमने मुझे यहां बुलाकर घेरने की कोशिश क्यों की क्या दुश्मनी है तुम्हारी मुझसे ?
हां-यह बात तुम्हें जरूर पूछनी चाहिये इसका तुम्हें हक है।

नागराज तुम वह शख्स हो जो आसाम के पौराणिक मन्दिर से करोड़ों की मूर्ति चुराकर ले गये थे...।

और जिन लोगों के लिये तुमने यह काम किया था मूर्ति अभी तक उन्हें नहीं पहुंचाई- इसका मतलब यह मूर्ति अभी तक तुम्हारे कब्जे में है और मैं उसे हासिल करना चाहता हूं।
क्या तुम्हारा सम्बंध शेखू से है?

कभी था जब मैं उसके लिये भाड़े का कातिल बनकर चंद रूपये पा लेता था। मैंने इस गिरोह के लिये बड़े-बड़े काम किये लेकिन फिर मुझे इस कारोबार से नफरत हो गयी और मैंने शेखू के लिये काम करना छोड़ दिया।
लेकिन मैं तुम्हें यह सब बातें बताने नहीं आया हूं- मैं तुमसे मूर्ति हासिल करने आया हूं।

मूर्ति मेरे पास नहीं है और न ही तुम उसे हासिल कर सकते हो।

ठाक
ठाक
ठाक
ठाक

रशॉय

आदमी जानदार है, लेकिन अक्ल दुरुस्त नहीं है। इसकी अक्ल दुरुस्त करनी होगी!

ओह! तो तुम माइलि आर्ट्स भी जानते हो... और यह है तुम्हारा असली रूप!

ठाक

स्नेक हैन्ड का माहिर है।

ठाक
ठाक
ठाक

तड़ाक
आह!

ठाक
तड़ाक

सॉय सॉय
मैं चाहूं तो तुम्हारी जिन्दगी छीन सकता हूं रोमो... भले ही तुम मास्टर हो लेकिन मेरे मुकाबले नहीं ठहर सकते!
पहली बार मेरा पाला किसी उस्ताद से पड़ा है मैं अपनी शिकस्त कबूल करता हूं।

तुम चाहो तो मेरी जिन्दगी छीन सकते हो क्योंकि मैंने तुम्हारे साथ बहुत बुरा सलूक किया – झींगा गार में फंसा मेरा शिकार आज तक निकल नहीं पाया – तुम पहले व्यक्ति हो – जिसकी शक्ति अपरम्पार है।

मैं तुम्हारी गुस्तारवी को माफ करता हूं।
लेकिन गिरोह के लोग इस गुस्तारवी की सजा मुझे जरूर देंगे।

मैं कुत्ते की मौत नहीं मरना चाहता हूं इसलिये बेहतर है कि तुम मुझे यहीं कत्ल कर दो।

जिस गिरोह की बात तुम कर रहे हो, वे मेरे दुश्मन हैं। मैं इस बुराई के विरुध्द लड़ने वाला एक सिपहसलार हूं। मूर्ति उसी मन्दिर में पहुंच चुकी है जहॉ से चुराई गयी थी।
अगर यही बात है तो मैं तुम्हारा सिपाही बनकर कुत्ते की मौत मरने के लिये भी तैयार हूं।

सिपाही नहीं दोस्त।
नागराज! तुम सचमुच महान हो!

मैं बाहर निकल कर गार का दहाना खोलता हूं।
इसकी कोई जरूरत नहीं है दोस्त, मैं भी तुम्हारी तरह इस दरार से निकल सकता हूं।

दोनों झींगा गार से बाहर निकले।
इन लोगों ने मुझे नशे का आदी बना दिया – ताकि हर समय मुझे पैसे की जरूरत महसूस होती रहे और मैं इनके लिये काम करता रहूं।

लेकिन एक मासूम लड़की की हत्या ने मेरे मन में उनके प्रति नफरत भर दी – उसे मेरे सामने कत्ल किया गया। मैं शराब पीता रहा और उसे बचा नहीं सका ऐसा लगता है उसकी आत्मा मेरे इर्द-गिर्द भटकती रहती है।
उसकी हत्या क्यों की गयी?

यह एक दिल हिला देने वाली कहानी है। एक देशभक्त जासूस की मदद करनेवाली लड़की की... यह किस्सा छः माह पूर्व का है, जब मुझे एक काम सौंपा गया था...

मास्टर रोमो। हेडक्वार्टर से तुम्हारे लिये एक नया काम आया है।
किसी के कत्ल का मामला होगा शेख?

हां-हेडक्वार्टर ने बेगार कैम्प के नाम से जो प्राशिक्षण केन्द्र खोला है, वहां से एक मजदूर भाग निकला था वह दरअसल एक जासूस था, हर इलाके में नाके बन्दी की गयी परन्तु उसका कोई सुराग नहीं मिला।

ताजा सूचना के अनुसार वह बिल्लोरी बस्ती के करीबी जंगल में छिपा हुआ है। मालूम हुआ है कि एक लड़की उसे जंगल में खाना देने जाती है बिल्लोरी बस्ती में रहने वाली इस लड़की का नाम कामनी है और इस के साथ सिर्फ एक बूढ़ी औरत है।
तुम्हें सिर्फ जासूस की लाश चाहिये ना?

हां-फिलहाल तुम्हें यही काम करना है, यह रहा उसका फोटो।
मैं बिल्लोरी गांव जा पहुंचा और शीघ्र ही उस घर को तलाश कर लिया जहां कामनी रहती थी...।
वहां एक बूढ़ी औरत मिली जो कि अंधी थी।
मां, मैं एक भटका हुआ मुसाफिर हूं.. और बड़े संकट में फंसा हूं- मेरी मदद करो।
बोलो बेटा- हम तुम्हारी क्या मदद कर सकते हैं?
कुछ डाकू मेरे पीछे पड़े हैं-बस कुछ दिन के लिये सिर छिपाने की जगह मिल जाये तो आपका एहसान कभी नहीं भूलूंगा।
मेरे पास कुछ हीरे जवाहरात हैं जिसकी वजह से मेरी जान खतरे में पड़ गयी है। मुझे मालूम हुआ कि इस बस्ती के लोग आपको देवी समान मानते हैं-मेरी जान बचा लीजिये... बड़ी मुश्किल से मैं यहां तक पहुंच पाया हूं... मैं यह सारा धन आपको दे दूंगा।
धन का लालच मत दो बेटा क्योंकि संसार का सबसे बड़ा धन मानवता और पुण्य है जो हमारे पास है। तुम शरण आये हो तो... जरूर तुम्हारी रक्षा होगी।

मां-आप भी सबकी बातों में आ जाती हो।
यह मेरी बेटी कामनी है एक ही बेटी है।
मुझ पर शक मत करो लड़की - मैं सचमुच मुसीबत में हूं।

लेकिन तुम्हें यह यकीन कैसे आ गया कि हम तुम्हारी जान बचा सकते हैं?

बस्ती के बाहर एक फकीर मुझे मिला था उसीने मुझे बताया कि इस घर के लोग मुझे बचा सकते हैं।
मैं तुम्हें बचा सकती हूं लेकिन एक शर्त पर... तुम्हें मुझे बहन बनाना होगा।

बहन!
हां-मेरा एक भाई था... आंधी तूफानों का मुकाबला करने वाला दिलेर भाई- बस कुछ हत्यारोंने उसे हमसे छीन लिया...

...और अब उस भाई की जगह पूरी करने वाला मुझे वैसा ही भाई चाहिये...
...वैसे तो अबतक मेरे बहुत से भाई बन चुके हैं- लेकिन वह बात मुझे अब तक किसी में नजर नहीं आई जो मेरे भाई में थी...।
अगर तुम मुझे इस लायक समझती हो तो मुझे तुम्हारा भाई बनकर फख्र होगा।
क्या विशेषतायें थी उसकी?

...लेकिन दल में एक गद्दार पैदा हो गया और उसने धोखे से मेरे भाई को मरवा दिया– हमने इसका कोई गम नहीं किया... और मैंने अपने भाई की जगह संभाल ली...

...काश! मेरे भाई जैसा नेतृत्वशाली भाई मुझे मिल जाये तो यह दल फिर से गठित हो सकता है और देशद्रोहियों के खिलाफ भरपूर जंग लड़ी जा सकती है – बस यही मेरे जीवन का उद्देश्य है।
तुम्हारे भाई का क्या नाम था?

वैसे तो उसका नाम नारायण था लेकिन वह काला चीता के नाम से जाना जाता था
काला चीता!

हे भगवान। काला चीता की हत्या तो मेरे हाथों हुई...
क्यों – तुम परेशान क्यों हो गये?

ऐसी कोई बात नहीं- दरअसल यह नाम मैंने कहीं सुना था...।
मैं तुम्हें पास के जंगल में अभी उन्हीं तिलिस्मी खंडहरों में छिपा दूंगी, वहां कोई डाकू तुम तक नहीं पहुंच सकता।

उस लड़की ने मुझे अपना भाई बनाकर बिल्लोरी के जंगल में छिपा दिया और उसी प्रकार मुझे रवाना भेजती रही जैसे दूसरे जासूस को...।

मैं अपना काम खत्म करके वहां से भाग निकला
यानि तुमने उस जासूस की हत्या कर दी।
हां-मेरी तरह वह भी कामनी का भाई बना हुआ था।
तुमने बहुत बुरा किया!

हां-इस बुराई की वजहसे कई रातों तक मुझे नींद नहीं आई फिर एक दिन मुझे मालूम हुआ कि कामनी को पकड़ लिया गया।
कामनी को क्यों पकड़ा गया?

बुलडाग के आदेश पर! उसे शक था कि जासूस ने उस लड़की को कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं।

कामनी को यातनायें देकर इसकी पूछ-ताछ की जाती रही-फिर उसकी हत्या कर दी गयी...
तुम्हारी आंखों के सामने हत्या की गयी?
मैं शराब के नशे में था लेकिन उसके बावजूद मुझे उसकी चीखें आज तक याद हैं।

नीच आदमी! तुम अपनी बहन को नहीं बचा सके...!

इसीलिये कहता हूं नागराज! तुम मेरा कत्ल कर दो... हां मैं अपनी बहन का हत्यारा हूं।

अगर तुम उसे बचा नहीं सके तो फिर तुम्हें इसका भरपूर बदला लेना चाहिये था।
इसके लिये धन, ताकत, और गिरोह की जरूरत मुझे महसूस हुई-क्योंकि मैं अकेला उनके सामने चींटी समान हूं-इसीलिये मैं तुमसे मूर्ति हासिल करना चाहता था।

क्या उन लोगों को मालूम है कि तुम विद्रोह पर उतर आये हो?
नहीं- इसका उन्हें कतई एहसास नहीं, वे तो मुझसे शराबी और निकम्मा समझकर अब कोई काम नहीं लेते।

एक बात याद रखो रोमो... अब तुम सिर्फ इसलिये जिन्दा हो क्योंकि तुम्हें कामनी का सपना साकार करना है

इस खेल में तुम विभीषण की भूमिका अदा करोगे और मैं राम की। इस तरह रावण की लंका भस्म हो जायेगी।

अभी हम शेखू के पास चल रहे हैं- लेकिन उसे हमारी योजना का पता नहीं चलना चाहिये
अब मुझे फिर शराब की तलब महसूस हो रही है।

दोनों वापिस उसी बस्ती में लौट आये
हम रात के अंधेरे में शेखू तक पहुंचेंगे।

बस्ती में अंधेरा फैल गया
अब यह शराब पीनी बन्द करो और मुझे शेखू के पास ले चलो।
हां- अब तक वह अफीम की खेती से लौट चुका होगा।

यह जो गोल घेरे में झोपड़िया बनी हैं–सब शेखू की हैं– इसके बीच एक बड़ा दालान है जिस पर शेखू का मकान खड़ा है।

इस गेट से अन्दर जाया जाता है।
गेटपर स्टेनगन-धारी खड़े हैं।

वहीं रुक जाओ कौन हो तुम लोग?
अबे मैं रोमो हूं गधे की औलाद! तुम सबका बाप...
यह शराबी बासका मुंह लगा है– लेकिन इसके साथ कौन है?

यह मेरा भाई है काम मांगने आया है। रोमो की इतनी बेकदरी कि तुम उसे रोकने की हिम्मत कर सको...
जाने दो- इससे मुंह क्यों लगते हो
ठीक है जाओ!

शेखू दालान में बैठा था।
रोमो आया है बास... अपने भाई को साथ लाया है।
उसे यहां भेज दो!

मैं रोमो का भाई नहीं हूं और तुमसे अकेले में बात करना चाहता हूं!
क्या मतलब? कौन हो तुम?

नागराज!
नागराज!?

सबूत चाहिये तुम्हें इसका?
नहीं मुझे इसकी जरूरत नहीं, रोमो किसी गलत आदमी को यहां नहीं ला सकता।

तुम सब लोग नागराज के स्वागत के लिये जश्न की तैयारी करो...।

हम तुम्हें तलाश कर रहे थे नागराज! रोमो तुम्हें कहां मिला?
करीब के जंगलों में रास्ता भटक गया था। वहीं रोमो मुझसे टकरा गया और फिर मुझे यहां ले आया।

मूर्ति कहां है?
फिलहाल मैंने उसे कहीं छिपा दिया है उसकी वजह से एक जादूगर मेरे पीछे पड़ गया था।

उस जादूगर की वजह से हम पहले भी बहुत नुकसान उठा चुके हैं- मूर्ति उसके हाथ तो नहीं लगी।
नहीं- लेकिन फिलहाल उसे हासिल करना भी सम्भव नहीं है।

इस समय सबसे आवश्यक काम है मेरी बुलडाग से मुलाकात होना। और उसकी व्यवस्था तुम कर सकते हो।

मैं हेडक्वार्टर को तुम्हारा संदेश पहुंचा दूंगा- फिर जैसा आदेश ऊपर से प्राप्त होगा, उसी के अनुरूप काम किया जायेगा।

नागराज के स्वागत में जश्न मनाया गया।
तुम्हारे संबंध में बहुत चर्चा सुनी है नागराज- क्या अपनी कला का प्रदर्शन करोगे?
मैं अपनी कला को सार्वजनिक प्रदर्शनि की चीज नहीं समझता।

हैल्लो... शेरवू ग्रुप नम्बर फाईव ऑन द लाईन ओवर!
हेडक्वार्टर जीरो... कन्ट्रोल स्टेशन ओवर!

नागराज आ गया है स्टेशन फाईव में मौजूद है और सुपर बास से मुलाकात करना चाहता है ओवर...
जवाब का इंतजार करो... ओवर...

कुछ समय उपरान्त —
सुपर बास का हुक्म है कि नागराज को खत्म कर दो।
नागराज को खत्म... हैल्लो... मेरे कानों को धोखा तो नहीं हुआ?

नागराज ने हमसे गद्दारी की है- उसे खत्म कर दो ओवर एन्ड ऑल।
!?

शेरवू ने अपने वफादार साथियों को तुरंत बुलाया।
चारों तरफ मोर्चा बन्दी करदो नागराज किसी भी रास्ते से निकलने न पाये उसे खत्म करने का ऐलान है।
ओ.के. बॉस!
वह बचकर नहीं निकल सकता

फिर शेखू ने रोमो को तलब किया।
बहुत दिनों से मैंने तुमसे काम नहीं लिया... क्या तुम्हारी ताकत आज भी बरकरार है या शराब ने तुम्हें खोखला कर दिया?
काम बताओ उस्ताद। और काम की कीमत बताओ ... तुम्हें आम खाने से मतलब होना चाहिये - पेड़ गिनने से नहीं।

तुम्हें नागराज की हत्या करनी है।
क्या?
वह तुम पर यकीन करता है - तुम उसे आसानी से ठिकाने लगा सकते हो।

और अगर वह तुमसे बच निकला तो बाहर दूसरे लोग उसके स्वागत के लिये तैयार मिलेंगे- एक लाख रुपया नगद मिलेगा।
एक लाख रुपया! इसके लिये तो मैं अपना भी कत्ल कर सकता हूं।

लेकिन क्या मैं पूछ सकता हूं यह फैसला अचानक कैसे हुआ?
सुपर बॉस का आर्डर आया है।

रोमो नागराज के पास पहुंचा जो एक झोपड़ी में शेखू का मेहमान बना हुआ था।
तुम्हारे कत्ल का फरमान लेकर आया हूं।
इसका मतलब भेद भेद नहीं रहा...।

इतनी जल्दी शुरुआत हो जायेगी, मुझे उम्मीद नहीं थी।

तुम मुझे जख्मी करके यहां से भाग निकलो और मैं बताता हूं कि भागने के लिये तुम्हें कौनसा रस्ता अपनाना है।
नहीं रोमो! जिन लोगों को मालूम हो चुका है कि नागराज ने गद्दारी की है वे तुम्हारी गद्दारी से भी वाकिफ होंगे इसलिये मैं तुम्हें साथ लेकर ही जाऊंगा।

अगर उन्हें मेरी गद्दारी का पता चल गया था तो फिर उन्होंने मुझे तुम्हारे कत्ल के लिये एक मोटी रकम की पेशकश क्यों की?
इसका जवाब मैं तुम्हें दूंगा।

ओह! शेरवू!! तुम हमारी बातें सुन रहे थे!
मैं अपने कमरे में बैठकर भी तुम्हारी बातें सुन सकता था, देखो इस गुलदस्ते में क्या है?

माइक्रोफोन। मैंने कच्ची गोलियां नहीं खेली हैं नागराज- आश्चर्य इस बात का है कि रोमो को तुमने अपने फरेब में कैसे ले लिया!

डोन्ट मूव... मेरे साथ सच्चे निशाने-बाज हैं।

मेरा ख्याल था कि एक लाख के लालच में रोमो तुम्हें कत्ल कर देगा या फिर तुम रोमो को कत्ल कर दोगे -फिर तुम में से एक रहेगा - जिसे बाहर निकलते ही गोलियों से भून दिया जायेगा।
लेकिन तुम तो कहते थे कि सुपर बास का हुक्म है?

सुपर बास के हुक्म के बाद ही तो मुझे तुम्हारी गद्दारी का अहसास हो गया रोमो... बहरहाल - अब दोनों मरने के लिये तैयार हो जाओ।
रे टा टा टा

अपने साथियों पर सांपों का हमला होते देख शेख भाग खड़ा हुआ।

उनकी गोलियां मेरा पीछा करेंगी... मैं उनका सारा ध्यान अपनी तरफ केन्द्रित रखूंगा... और इस बीच तुम फरार हो सकते हो।
मैं पीठ दिखाकर भागने वालों में से नहीं हूं – तुम्हें यहां अकेले छोड़कर नहीं भाग सकता उस्ताद! अभी मेरा भी कमाल देखो।

ओह! नागराज तो सांप की तरह तेजी से रेंगता निकल गया!

मुझे भी अपनी कला का प्रदर्शन करना चाहिये।

और–
रेटाटा...टा टा
धांय
धड़ाम

इधर रोमो छप्पर फाड़ कर कूदा और-
धाड़ईई
ठाक

उधर
फुस्स

रे टा...टा...
फुस्स
जिप्प

ठाक
ठाक
तड़ाक

शेख के अड्डे पर तबाही के बादल मंडराने लगे।
ले अब आग का खेल देख...

सांय
स्सांय
स्सांय
स्सांप

तभी-
शेखू भाग रहा है!
मगर

शेखू को नागराज के नाग ने रोक लिया।
ब... बापरे... स... सांप...

बस्ती में शोर मच गया — लोग बस्ती छोड़कर भागने लगे... झोपड़ियां भीषण आग की लपटों में घिर चुकी थीं।
तू जिन्दा रहकर हमारे काम आ सकता है।

रोमो अब तक नहीं आया...
मैं यहां पहले से तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं उस्ताद!

तुम यह थैले में क्या भर लाये ?
कीमती शराब की बहुत सी बोतलें मिल गयी– मैं समेट लाया।

किसी सुरक्षित जगह चलो।
झींगा गार से अधिक सुरक्षित जगह कोई नहीं।

दोनों झींगा गार पहुंच गये
शेखू डर के मारे बेहोश हो गया है, इसे होश में लाओ।

यह कुत्ता होश में आ गया उस्ताद !
मेरी आंखों में देख शेखू... शाबास...

अब तू मीठी नींद सो जा...
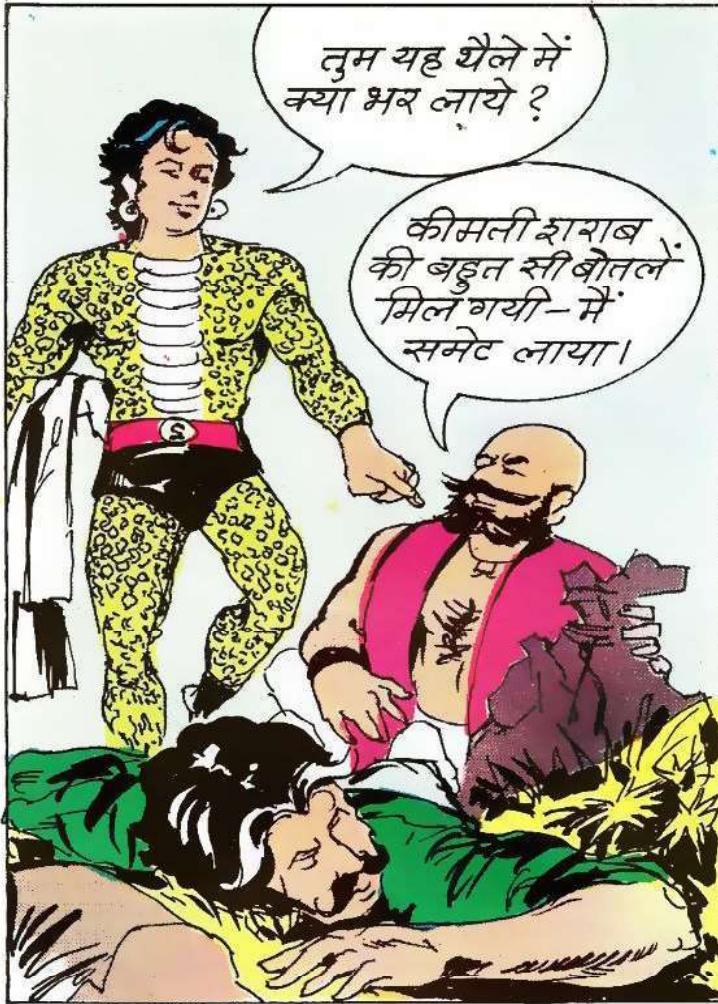
नागराज ने शेरवू को अपनी सर्पीली आंखों से सम्मोहित कर डाला।
बुलडाग के आधीन कितने स्टेशन काम कर रहे हैं?
सात...
सातों की पूर्ण जानकारी दो
सम्मोहित अवस्था में नागराज ने शेरवू से बहुत सी बातों की जानकारी हासिल कर ली।
उस्ताद! तुम तो जादूगर भी हो!
शेरवू जैसे छः बास और हैं जो बुलडाग के आधीन काम कर रहे हैं।
इस तरह बुलडाग के गिरोह की रीढ़ में छः जोड़ और बाकी हैं पहले हम इन जोड़ों को तोड़ेंगे।
उसके बाद रीढ़ की हड्डी टूट जायेगी।
यह गार मुझे बेहद पसंद आया। शेरवू को यहीं कैद रहने दो।
मैं भी अपने कैदी यहीं रखना पसंद करता हूं।

अगली सुबह—
यहां से सबसे करीब स्टेशन नम्बर चार पड़ता है। पूरा नक्शा तुम्हारे दिमाग में आ गया होगा रोमो, तुमने यह इलाका घूमा हुआ है।
हां–स्टेशन चार डिब्बू पहाड़ी पर है

वे लोग डिब्बू पहाड़ी की ओर रवाना हो गये।

उधर बुलडाग के हेडक्वार्टर में खलबली मच गयी।
तुम सब लोग मुझे मनहूस खबरें सुनाने आये हो।
सुपर बास! हम आपको किसी भ्रम में नहीं रखना चाहते।
नागराज हमारे सभी अड्डों पर कहर ढाता बढ़ रहा है

और उसका रुख बुलडाग की तरफ है– यानि मेरी तरफ यही ना?
उसकी गति विधियां यही संकेत दे रही हैं
हर प्रकार का सुरक्षा कवच, हथियार सब उसके सामने नाकारा है

इसके अलावा हमारा एक गद्दार साथी रोमो उसका साथ दे रहा है।
इस तरह तो वह तुम सबको बर्बाद कर देगा।

मैंने उसकी कलाओं का प्रदर्शन देखा है। वह है ही इस योग्य कि हर सुरक्षा कवच को तोड़ सके। हजारों सांप उसके स्नायुओं में जीते हैं... हमारे पास ऐसी कोई मशीन नहीं है जो नागराज को रोक सके...

...फिर भी एक इंसान ऐसा है जो उसकी रोकथाम कर सके। प्रोफेसर नागमणि..। रेडियो फोन पर नागमणि से हमारी बात कराओ।

प्रोफेसर नागमणि हमने पैसा देकर तुम्हारा हथियार खरीदा था और वह हमें ही डस रहा है।
नागराज ऐसा नहीं कर सकता पूरी बात बताओ...

इस मशीन में नागराज का दिमाग कैद है - अभी सारी स्थिति साफ हो जायेगी।

बुलडाग ने नागमणि को फोन पर सारी बातें संक्षेप में बता डाली।
होल्ड अप करो-मैं अभी पता लगाता हूं कि नागराज कहां है और क्या कर रहा है।

ओह! इस मशीन से तो उसका सम्बन्ध- विच्छेद हो गया। इसका मतलब वह मेरे कंट्रोल से बाहर हो गया है...

... माइ गॉड! मेरी मेहनत पर पानी फिर गया।

अब तुम्हारी भलाई इसी में है कि अपने सभी बचे-खुचे अड्डों को खाली कर दो... नागराज अब मेरे कंट्रोल में नहीं रहा।
बेवकूफ गधा!

सबसे पहले तो नागराज ने यह गद्दारी की कि मूर्ति चुराकर भी हमें नहीं दी। हमने दंगा भड़काना चाहा वो भी नाकाम हो गया।

इस नागमणि ने भी हमारे साथ धोखा किया है... मैं इन सबको चुन-चुन कर मारूंगा...
सुपर बास! सातवां अड्डा भी तबाह हो गया!

उफ!
इसका मतलब
अब वह इस जगह से
अधिक दूर नहीं।

सब लोग हेडक्वार्टर
खाली करके कम्पाली
दर्रे में फैल जाओ!

नागराज बुलडाग के हेडक्वार्टर तक पहुंचा।
रोमो
यहां बड़ी अजीब
सी खामोशी
है।
हां-फाटक भी
चौपट खुला है।

वाह! क्या स्वागत है...
वीराना ही वीराना...

फाटक बन्द हो
गया!
और चार दीवारी पर भी
बिजली का करन्ट
प्रवाहित कर दिया गया
होगा।

लेकिन यहां तो कोई भी नजर नहीं आ रहा उस्ताद।
लेट जाओ।

धड़ाम

धुम्म धड़ाम
फाटक या चारदीवारी को मत छूना।

हमारे ऊपर मिट्टी और पत्थरों का रेला उड़ा आ रहा है।

धड़ाम
फिलहाल इस गड्ढे में कूद जाओ।

इस गड्ढे से बाहर निकलो वरना हमारी कब्र यहीं बन जायेगी उस्ताद।
अगर हम बाहर निकले तो हमारे चिथड़े उड़ जायेंगे।

उन्होंने हर इंच पर मौत बिछा दी है... और हम पर उनकी नजर है... सब कुछ दूर से कंट्रोल हो रहा है।

ओह! जमीन में भूकम्प... मिट्टी और पत्थरों का रेला... जमीन पर दरारें पड़ रही हैं।

बस हमारा किस्सा खत्म हो गया उस्ताद! मैं आखरी बोतल मुंह से लगा लूं।

क्या नागराज इस कब्र से बाहर आ सकेगा...?
नागराज की कब्र
SANJAY ASHTAPUTRE
राज कॉमिक्स के आगामी सेट में पढ़िये–'नागराज का बदला'

राज
कॉमिक्स
संख्या 0026
नागराज का बदला
इस कॉमिक के साथ नागराज
का एक पोस्टर मुफ्त
TM
नागराज सीरीज
PRATAP
MULICK

नागराज का बदला

चित्रकथा: परशुराम शर्मा
चित्रांकन: संजय अष्टपुत्रे
सम्पादन: मनीष चंद्रगुप्त

इस मीटिंग में जितने भी लोग मौजूद हैं, वह कम्पाली रियासत के सर्वशक्तिमान व्यक्ति हैं और सब मेरे साथी हैं।
तुम लोग कम्पाली के राजघराने को क्यों नजर अंदाज कर रहे हो ?

राजघराना सिर्फ नाममात्र का है। रियासत की देख-भाल हमें ही करनी पड़ती है।

किल्लौल, मेरे दोस्त! क्या तुम कम्पाली की प्रगति में मुझे साझीदार बनाना चाहते हो ?
आप ठीक समझे मिस्टर बुलडाग! मैंने महाराजा से आपको यह भू-भाग इसीलिये दिलवाया है क्योंकि आप यहां की विकासशील योजनाओं पर पूंजी लगायेंगे।

हम पूंजी लगाने के लिये तैयार हैं - उसकी रूप-रेखा हमने तैयार कर ली है। अभी तक हम यहां से सिर्फ अफीम का कारोबार कर रहे थे।...

...लेकिन अब हम यहां हथियारों की फैक्ट्री लगायेंगे, क्योंकि हथियार सबसे अधिक मुनाफे का धंधा है।...

और कम्पाली रियासत इस कारोबार में हमारी साझीदार होगी। इसके शेयर कम्पाली के बाजारों में फैलाना तुम्हारा काम होगा।...

...और तुम्हारा बोनस अलग होगा। महामंत्री किल्लौल, कागजात पर हस्ताक्षर करवाना तुम्हारा काम होगा।
आल राइट! अब आप यह सब मुझ पर छोड़ दें।

मीटिंग समाप्त होने के बाद —
किल्लौल इस रियासत का महाराजा बनने का ख्वाब देख रहा है। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है... लेकिन इस काम की शुरुआत तब होगी जब महाराजा पूरी तरह मेरी मुट्ठी में आ जायेगा।

हमारे आदमी हैड क्वार्टर के मलवे से नागराज की लाश निकाल लाए हैं।
ताबूत को किले के स्ट्रांग रूम में पहुंचा दो।

कुछ देर बाद—
ताबूत स्ट्रांग रूम में पहुंचा दिया गया है सुपर बास!

डाक्टर सिमलो... तुम्हें नागराज के शव का पोस्टमार्टम करना है, और इसकी पूरी रिपोर्ट तैयार करनी है। अब डेड़ बाडी के परीक्षण में कोई कोताही नहीं होनी चाहिये।...

...हम नागराज जैसा ही आदमी तैयार करेंगे.. बशर्ते कि हमें उसकी आंतरिक क्रिया की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाये।
मैं आपका सार समझ गया... आप चिन्ता न करें मुझे इस काम का पूरा अनुभव प्राप्त है।

ड्रांग रूम में डाक्टर सिमटो ने परीक्षण किया।
यह शत-प्रतिशत मृत है। डेड बाडी को आप्रेशन रूम में पहुंचा दो।

नागराज को स्ट्रेचर द्वारा आप्रेशन रूम में ले जाया गया।

आप्रेशन रूम में डाक्टर सिमटो आप्रेशन के लिये तैयार था।
अगर मैंने इसके मुकाबले का ऐसा ही शक्तिशाली मानव तैयार कर दिया तो मैं सबसे बड़ा दौलत मंद इन्सान कहलाऊंगा।

सबसे पहले इसके ब्रेन का आप्रेशन होना चाहिये।

नागराज की आंखें खुल गयीं और सम्मोहन की एक प्रचंड लहर डाक्टर सिमटो की आंखों को भेदती चली गयी।
उफ्फ, मेरी आंखों के आगे अंधेरा छाता जा रहा है, सिर चकरा रहा है।

डाक्टर सिमटो ने नागराज को अपने मस्तिष्क में महसूस किया।

तुम्हारी जिन्दगी मेरी मुट्ठी में है। तुम मेरे गुलाम हो... नागराज के गुलाम।

मेरी जहरीली फुंकारें तुझे जलाकर खाक कर देंगी डाक्टर सिमटो... बोल जिन्दा रहना है या नहीं?
हां... हां... मुझे जिन्दा रहना है।

तो अब वह करो जो मैं कहता हूं।

मेरे अंदर ऑक्सीजन का स्टाक बहुत कम रह गया है, सबसे पहले ऑक्सीजन देकर स्टाक पूरा करो...

नागराज ने सम्मोहन क्रिया द्वारा सिमटो को अपने बस में कर लिया। सिमटो के मस्तिष्क में वह अपने विचार योगी महात्मा द्वारा जागृत टेलीपैथी प्रक्रिया से उत्पन्न कर रहा था।

तुम मेरी डेड-बाडी का निरीक्षण करोगे, और रिपोर्ट भी तैयार करोगे... यह रिपोर्ट और तुम्हारी कार्य-प्रणाली मेरी इच्छानुसार होगी।

सिमटो अपने कार्य में लग गया, परन्तु उसके हाथ नागराज के निर्देश पर कार्य कर रहे थे।

अब तुम्हारा काम पूरा हो गया। बुलडाग से कहो कि यदि मेरा शव किसी दरिया में न बहाया गया तो मेरे मांस के सड़ने से जल्दी ही ऐसी गैस निकलेगी जो कइयों की जान ले लेगी।

हां- इसके शव को तुरन्त किसी दरिया में बहा डालो ताकि कम्पाली की सीमा से दूर कहीं इस गैस का प्रकोप हो।
ठीक है उसे पहाड़ी दरिया डोंग में बहा दिया जायेगा।

डोंग ब्रहमपुत्र से मिलने वाली नदी है। नागराज के शरीर की गैस ब्रहमपुत्र में फैलेगी तो आसाम पर ही प्रभाव पड़ेगा, और हम इसका लाभ उठायेंगे
ओ.के. सुपर बास हम उसे आजही डोंग नदी के हवाले कर देंगे।

नागराज को डोंग दरिया में फैंक दिया गया।

कुछ देर तैरने के बाद नागराज एक बस्ती में पहुच गया-
इस बस्ती में चीख-पुकार और शोर कैसा ?

क्या बात है! यह भगदड़-चीख-पुकार और शोर क्यों?
कामरु आया है कामरु... आज फिर जवान् लड़कियों की छंटनी हो रही है।

कामरू ? जवान लड़कियों की छंटनी ? कौन है यह शख्स, और जवान लड़कियों की छंटनी क्यों कर रहा है।
एक वहशी दरिन्दा, विदेशी लोगों की ऐयाशी के लिये हमारी बस्तियों से लड़कियां उठा कर ले जाता है।

हमने इसकी शिकायत महाराजा से करनी चाही। जो भी शिकायत के लिये बढ़ा उसके खान-दान तक का जड़ से सफाया कर दिया गया।

जब भी उसे पता चलता है कि बस्ती की कोई लड़की जवान हो गयी है तो वह उसे उठा कर ले जाता है।

बचाओ
कोई मर्द है इस बस्ती में जो मेरी बेटी को बचा सके।

तुम सब बुजदिल हो। मेरे साथ आओ, मैं देखता हूँ।

रुक जाओ! और इस लड़की को छोड़ दो!..
हे...हे...हे... गोली से उड़ा दो रे इसे बहुत बोलता है।
धाँय धाँय
स्साँय
तुम्हारी बन्दूकें मेरे कदमों में ढेर हो गयी हैं, आगे बढ़ो, और उठाओ अपने हथियार!
उफ्फ! कोई सांप मेरे हाथ से बन्दूक छीन कर ले गया था!
यह कोई जादूगर मालूम पड़ता है।

हमला कर दो... बोटियां उड़ा दो इसकी!

ढाक
ढाक

ढाक
तड़ाक

कामरू! तेरे आदमी तो जमीन सूंघ रहे हैं...!

पुराने दांव-पेचों का जानकार है।

ढिशुमऽऽ

बस्ती वालों ने नागराज को कंधों पर उठा लिया

मेरा नाम नागराज है... और मैं वायदा करता हूं कि आज के बाद कोई कामरू इधर का रुख नहीं देखेगा।
उधर महामंत्री किल्लौल को पता चला—

भैया! तुमने मेरी अस्मत बचा ली... मैं किस तरह तुम्हारा एहसान उतारूंगी...
नागराज कभी किसी पर एहसान नहीं करता बहन।

क्या कहा, कामरू मारा गया, किसने मारा कामरू को?
नागराज नाम है उसका।
नागराज!

दो दिन बाद—
नागराज ने हमारे गुलाम मजदूरों को आजाद कर दिया और अफीम की खेती तहस-नहस कर डाली।
नागराज! नागराज!!

गुलामों की बस्तियों में नागराज की पूजा होने लगी है, उसे लोग देवता समान मान रहे हैं जो उनके उद्धार के लिये आया है।
उफ्फ!

सारे कम्पाली रियासत में नागराज तूफान की तरह हमारे हर ठिकाने पर हमले कर रहा है।
हुजूर! कहीं यह वही नागराज तो नहीं जिसका जिक्र मिस्टर बुलडाग की जुबान पर होता था?

किल्लौल ने तुरंत बुलडाग से सम्पर्क किया-
नागराज मर चुका है... यह कोई और व्यक्ति है जो नागराज के नाम का लाभ उठा रहा है।
आपको पूरा यकीन है कि नागराज मर चुका है?

तुम्हें यकीन नहीं- लो अभी प्रमाण देता हूं।
डाक्टर सिमलो तुरन्त यहां आओ।

तुरन्त ही डाक्टर सिमलो हाजिर हो गये।
मेरी रिपोर्ट को कोई चैलेंज नहीं कर सकता सुपर बास...
सुन लिया आपने मिस्टर किल्लौल यह किसी की साजिश है...।

हो सकता है महाराजा को तुम्हारी योजना की गंध मिल गयी हो- और उन्होंने तुमसे निपटने के लिये नागराज का हव्वा खड़ा कर दिया हो।
मैं इस सम्बंध में अपने जासूसों को निर्देश दे चुका हूं।...

...उनकी रिपोर्ट के अनुसार ऐसा कुछ नहीं है।
किसी तरह उसका हुलिया फोटो और काम करने का तरीका ज्ञात करो, उसके ठिकाने का पता लगाओ
किल्लौल के जासूस दिन-रात उसी काम पर लग गये।
मैं बहुत गरीब आदमी हूं - मेरा घर-बार कुछ बदमाशों ने उजाड़ दिया... मैं नागराज की तलाश में भटक रहा हूं। कोई मुझे उसका पता बता दो।

आओ, मैं तुम्हें नागराज से मिला दूं मैं जानता हूं वह कहां है।

इस गुफा में रहता है! अन्दर चले जाओ, वह तुम्हारी मदद जरूर करेगा।

इस बेचारे को क्या मालूम खुद नागराज इसे यहां तक लाया है।

बोलो, मैं ही नागराज हूं मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता हूं?
हजूर, माई-बाप मेरी रक्षा करें।

जासूस ने स्पाई कैमरे से नागराज का फोटो खींच लिया जो उसने पोशाक में छाती से लगाया हुआ था।
मैं लकड़हारा हूं, जंगल में मेरी कुटिया है...कुछ बदमाश पहले मेरी जवान लड़की को उठाकर लेगये फिर...

उसने नागराज को एक फर्जी कहानी सुना डाली।
ठीक है-मैं तुम्हारी झोपड़ी में दो दिन बिताने आऊंगा, और तुम्हारी छोटी लड़की वहीं रहेगी!

जासूस वापिस किल्लौल के पास पहुंचा।
कल वह पोरवर के जंगल आ जायेगा। उसने दो दिन वहां रहने का वादा किया है... मैंने कहा था कि बदमाश मेरी बड़ी लड़की को उठाकर ले गये हैं और छोटी लड़की की फिराक में हैं।

और यह रहा उसका फोटो
अब देखता हूं वह पोरवर के जंगल से किस तरह निकल पाता है।

किल्लौल ने अपनी योजना तैयार कर ली।
लड़की सुवांगनी! तुम्हें उस लकड़हारे की छोटी लड़की बनकर जंगल की कुटिया में नागराज के साथ रहना है।

हुजूर, सुवांगनी एक विषकन्या है जो मर्द किसी के काबू में नहीं आता, सुवांगनी उसे बड़े सलीके से परलोक पहुंचा देती है। आप बस हुक्म करें, बाकी काम सुवांगनी खुद कर लेगी।

मुझे यकीन है बुगरासी, इसीलिये तुम्हारी सेवा प्राप्त की है – सुवांगनी का काम होगा नागराज को परलोक पहुंचाना।

और अगर सुवांगनी सफल न हो सकी तो तुम्हारी गुरिल्ला फौज उसे ठिकाने लगायेगी।

उसके बावजूद भी नागराज बच गया तो वह महाराजा का दुश्मन होगा - क्योंकि उस पर हमला करने वाला सरकारी फौज का दस्ता होगा।

नागराज पेरवर से जंगल की ओर रवाना हुआ -

मैं कम्याली रियासत का दामन पाक साफ करके ही जाऊंगा।

वाह! मेरा अभिवादन कर रहे हैं।

शान्त हो गयी।
आप विश्राम कीजिये, यात्रा की थकान मिटा लीजिये, मैं रातभर पहरा दूंगी।
नहीं तुम बेफिक्री से सो जाओ, मुझे पहरे की जरूरत नहीं।

यह सो रहा है, अब मुझे इस पर हमला कर देना चाहिये।

सुवांगनी ने हमला कर दिया।
ऐ... दूर हटो... क्या कर रही हो?
बस एक बार इसे काटूंगी तो जहर इसके खून में पहुंच जायेगा और यह तड़प-तड़पकर मर जायेगा।

बस मेरा काम खत्म हो चुका, तुम्हारी मौत हो चुकी।
बस कम्बख्त ने मेरी गर्दन पर काट खाया अब यह नहीं बचेगी!

उफ्फ! मेरी देह जल रही है... म... मैं...
अफसोस तुमने नागराज को काटा... अब तुम नहीं बच पाओगी, मेरे शरीर में हजारों नागों का जहर है।

म... मैं मर रही हूं...
बताओ, तुमने ऐसा क्यों किया?

म... मैं विषकन्या हूं... महामंत्री किल्लौल... आह, मुझे बचाओ! मुझे माफ कर दो नागराज!
अगर तुम साधारण होती तो मैं तुम्हें बचाने की कोशिश भी करता... लेकिन तुमने न जाने कितने लोगों को इसी तरह मारा होगा... वह लकड़हारा कौन था?

सुवांगनी ने दम तोड़ दिया।
ज... जासूस..

और नागराज के जहर से सुवांगनी की देह पानी की तरह पिघलने लगी।
मुझे जिन्दगी में पहली बार अहसास हुआ कि मेरे शरीर में इतना घातक जहर भी मौजूद है।

सुबह होते ही नागराज झोपड़ी से बाहर निकला।
अब मुझे महामंत्री किल्लौल को सबक पढ़ाना चाहिये!

जैसे ही नागराज आगे बढ़ा—
रटा...टा.. टा...

मेरी छठी इन्द्री ने खतरे की गंध पा ली थी।
पूरा जंगल फायरिंग की आवाज से दहल उठा।
धांय
धांय
धांय
धांय
यह तो सरकारी वर्दी के सैनिक हैं जो मुझे घेरकर मारने की कोशिश कर रहे हैं।

पूरे जंगल की मोर्चा-बंदी है। वे लोग पेड़ों पर मचान बनाये बैठे हैं।
नागराज नागरस्सी द्वारा एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर उड़ने लगा।
फुस्स
आऽऽ
फुस्स
फुस्स
फुस्स

जैसे ही हेलीकाप्टर नीचे झुका और करीब आया, नागराज की नागरस्सी कॉप्टर पर लपक पड़ी।

रस्सी काट दो...
वह देखो... वह हेलीकाप्टर पर एक रस्सी द्वारा चढ़ रहा है।
आऽऽ
फुरर्र
फुरर्र
मैं तुम्हारे हेलीकाप्टर में आ गया हूं।
धड़ाम
चलो, अब तुम मेरे गुलाम हो।
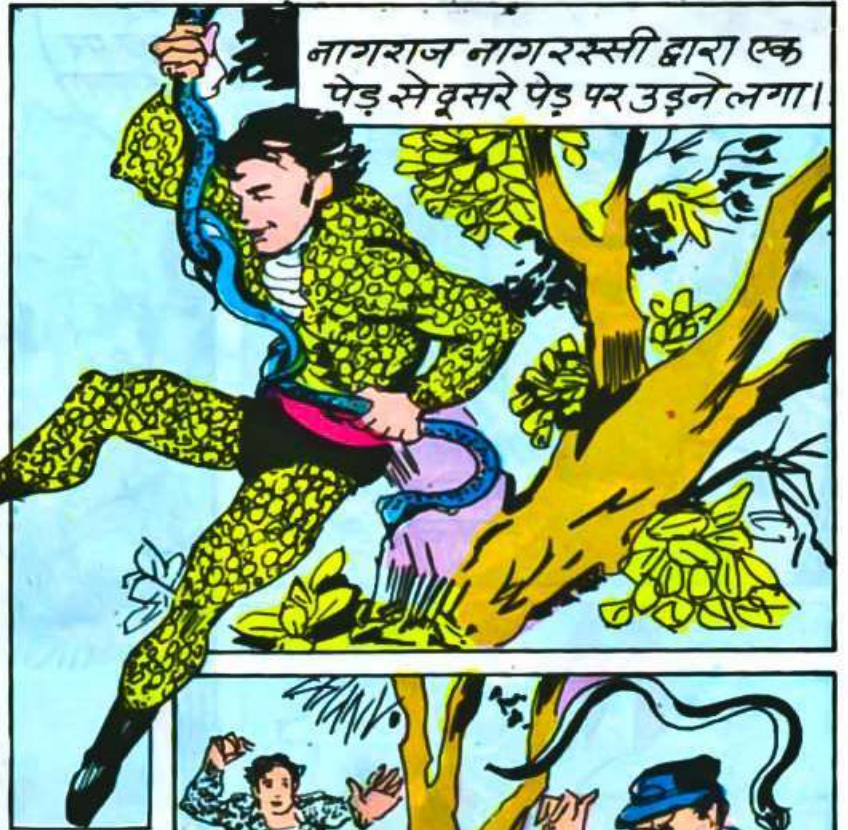
ओह! नागराज ने हेलीकाप्टर पर कब्जा कर लिया है और वह इसी तरफ आ रहा है।
मुझे तुरन्त बुलडाग से सम्पर्क स्थापित करना चाहिये।
महामंत्री किल्लौल निजी हेलीकाप्टर से बुलडाग के किले की ओर रवाना होगया।
वह कम्पाली दर्रे के पुराने किले में उतरा।
सुपर बास! महामंत्री किल्लौल इसी समय आपसे मिलना चाहते हैं।
भेज दो!
REPORT
यह नागराज का फोटो है... और उसके सम्बन्ध में अन्तिम रिपोर्ट

इस रिपोर्ट और फोटो से इस बात की पुष्टि होती है कि वह नागराज ही है, ओ गॉड! ऐसा कैसे सम्भव है?

इसका मतलब उसने डाक्टर सिमटो को भी धोखा दिया! कमाल तो यह है कि हम शार्ट सार्किट टी.वी. पर डाक्टर सिमटो की शल्य क्रिया भी देख रहे थे...

...निश्चय ही नागराज राजमहल पहुंचेगा। किल्लौल तुम उससे सन्धि कर लो।
वह किस तरह, किन प्रस्तावों पर?

तुम उस पर जाहिर करो कि कम्पाली में बुलडाग नामक व्यक्ति ने आतंक फैला रखा है और राजकीय फौजें भी उससे जा मिली हैं। मेरे मामले को लेकर वह तुम्हारे साथ होगा

उसे अपने विश्वास में ले लो- उसका स्वागत करो और फिर इस पुराने किले पर हमला कर दो...

बुलडाग ने किल्लौल को पूरी योजना समझा दी।
तुम यहा फतह पाओगे- बस उसके बाद उसे कम्पाली में कोई राजकीय पद देदो, और फिर... वह होगा जो हम चाहेंगे क्योंकि वह हमारा आदमी बन जायेगा
किल्लौल वापिस राजमहल पहुंच गया।
यह नगरवासियों की भीड़ कैसी?
सब लोग महाराजा से फरियाद करने आये हैं और उनका नेतृत्व नागराज कर रहा है।
तुरन्त ही किल्लौल दरबार में पहुंचा।
आइये महामंत्रीजी, पधारिये और सुनिये यह नगरवासी क्या-क्या शिकायतें लेकर आये हैं, हमें इन बातों की कानों कान खबर नहीं हुई।

मुझे सफाई का अवसर दिया जाये महाराज... मैं मानता हूं कि बस्ती के लोगों के आरोप सही हैं... परन्तु...इसके पीछे आप ही के एक विदेशी मेहमान का हाथ है।

अब मुझे मालूम हो गया है कि बुलडाग ने किस तरह हमें शिकंजे में कसा... यह सब उसके गुण्डों का कमाल है जो हमें बदनाम करते रहे हैं।

अगर यह सत्य है तो बुलडाग को कम्पाली की सरहद से बेदखल कर दो।
यह काम इतना आसान नहीं है, उसकी जड़ें बहुत मजबूत हैं, उसे बेदखल करने के लिये एक बड़ी जंग लड़नी पड़ेगी।

हम अपने सैनिकों पर भी विश्वास नहीं कर सकते- क्योंकि उनमें से बहुत से बुलडाग के हाथों बिके चुके हैं।

बुलडाग से निपटने के लिये मैं अकेला ही काफी हूं, मैं इस शैतान को खत्म करने ही यहां आया हूं।
तुम बहादुर अवश्य हो नागराज -लेकिन मैं तुम्हें पुराने किले में अकेले नहीं भेजूंगा... हमारे चुने हुए सिपाही दुर्ग को चारों तरफ से घेरे रहेंगे...

...योजना का अन्तिम रूप हम शाम की बैठक में बतायेंगे।

शाम के समय—
महामंत्री किल्लौल, मैं आपकी योजना जानने आया हूं।...

...और वह योजना तुम मेरी आंखों में झांक कर बताओगे।

नागराज ने किल्लौल को सम्मोहन जाल में फंसा कर वास्तविक चाल समझ ली।

तो यह है असली योजना! नकली बुलडाग को मेरे हाथों मरवाया जायेगा और असली बुलडाग उस समय तुम्हारे साथ जश्न मना रहा होगा।

जश्न की जगह कहां निश्चित की गयी है?
जल महल में...

नागराज ने किल्लौल की योजना पर अमल किया।

और पुराने किले पर एक नाटकीय जंग हुई।

नागराज और महाराजा कौटिल ने फनकारों का भेष धरा और जलमहल की ओर रवाना हो गये।

कुछ ही देर में -

तुम दोनों को बुलाया गया है- चलो...

नागराज महाराजा के साथ जश्न हॉल में पहुंचा -

ऐ जादूगर फनकार! बोलो तुम अपना कौन सा कमाल दिखाने आये हो?

जादू का ऐसा कमाल जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। हम काला जादू जानते हैं। सबसे पहला कमाल!

आपके मेहमान के चेहरे पर नकली चेहरा है, पहले इसे उतारें... क्योंकि हम बता सकते हैं, इनका नाम है बुलडाग।
!
?

मैंने नकली चेहरा उतार दिया है दोस्त अब बोलो।
दूसरा कमाल! मैं अपने दोस्त को अभी राजा कौटिल बनाऊंगा।

हैं...! कमाल है... यह तो बिल्कुल राजा कौटिल लग रहा है।
और अब मैं अपने आप को नागराज की शक्ल में पेश करता हूं।

नागराज!!
महाराजा कौटिल! क्या जादू है वाह!

गधे के बच्चो! यह जादू नहीं हकीकत है... सिपाहियो, गिरफ्तार कर लो इन दोनों को।
यहां तुम्हारी नहीं मेरी आज्ञा चलती है महाराजा कौटिल... और तुम दोनों की मौत तुम्हें यहां खींच कर लाई है।
पकड़ लो... और कत्ल कर दो इन दोनों का।
ठाक
अब बताओ... सैकड़ों नागों ने तुम दोनों को जकड़ लिया... यह है तीसरा और आखरी जादू...

अगले सैट में पढ़िए –

नागराज की हांगकांग यात्रा

राज
कॉमिक्स
संख्या 0031
नागराज की
हांगकांग यात्रा
नागराज का एक पोस्टर मुफ्त
PRATAP MULICK

संजय गुप्ता पेश करते हैं...
नागराज की हांगकांग यात्रा
लेखक : परशुराम शर्मा
चित्रांकन : संजय अष्टपुत्रे
सम्पादक : मनीष गुप्ता

नागराज आतंकवादी गिरोहों की तलाश में विश्व-भ्रमण पर निकल पड़ा।
AIR PORT
WELCOME

प्लेन में —
कृपया अपनी सीट बेल्टें बाँध लें। विमान उड़ान के लिए तैयार है।
हैलो! माई सेल्फ मिस ताकाशी!
बैठिए!

हांगकांग होकर टोकियो जानेवाले एयर इण्डिया के बोइंग 747 ने निश्चित समय पर उड़ान भरी।
अब आप अपनी सीट बेल्टें खोल सकते हैं...

उफ!
चांगो के आतंकवादियों द्वारा सिल्वर लैण्ड के किंग तोकासा की हत्या... राजकुमारी ताकाशी बचकर भागने में सफल...
??

मिस ताकाशी! कहीं यह सिल्वर लैण्ड की राजकुमारी ही तो नहीं...! मगर यह हांगकांग क्यों जा रही है? वहीं तो एशिया के सबसे बड़े गैंगस्टर चांगो का अड्डा है।

हांगकांग पहुंचने पर एयरपोर्ट के बाहर टैक्सी स्टैण्ड पर–
यह परेशान नजर आ रही है। मुझे इस पर नजर रखनी होगी। शायद इसे मेरी मदद की जरूरत पड़े..!

मिस ताकाशी जिस टैक्सी में बैठी थी... एकाएक दाएं-बाएं से दो व्यक्ति आकर – दोनों ओर के दरवाजे खोलकर उसमें बैठ गए।
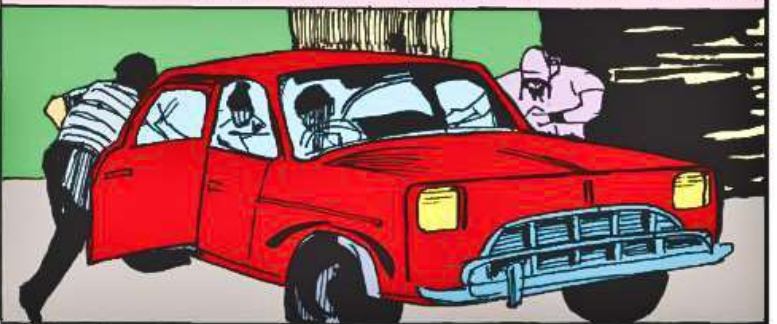
नागराज ने तुरन्त ही निर्णय लिया और एक टैक्सी की ओर लपका। और--
जल्दी! उस आगे वाली टैक्सी का पीछा करो!
नागराज की नजरों से ड्राइवर सम्मोहित सा हो गया – वह कुछ पूछ भी न सका।

चांगो इन्टरप्राइजिज
CHANGO ENTERPRISES
अगली टैक्सी इसी इमारत में प्रविष्ट हुई है। और यह इमारत हांगकांग स्थित चांगो के विभिन्न ठिकानों में से एक है।
नागराज ने टैक्सी ड्राइवर को किराया देकर विदा किया।

फाटक पर पहरेदार मुस्तैद खड़े हैं। उनसे बहस करनी बेकार है, अंदर प्रवेश करने के लिए मुझे अपना ही तरीका इस्तेमाल करना होगा।

नागराज ने इमारत के पीछे पहुंच कर अपना ओवरकोट उतारा।

ओवरकोट का कपड़ा सिकुड़कर सूक्ष्म हो गया जिसे नागराज ने बेल्ट की तरह कमर पर लपेट लिया।
खौफनाक जंग के आसार नजर आ रहे हैं।

नागराज पार्श्व भाग की दीवार पर चढ़ने लगा

और एक खिड़की से...
...अंदर कूद गया।

तभी-
ऐ! कौन हो तुम?
तुम्हारा बाप!

फ़स्स
आह...

इधर मेरी आंखों में देखो!
उफ!

नागराज ने उसे सम्मोहित कर दिया।
इस इमारत में एक लड़की को एयरपोर्ट से लाया गया है, वह इस वक्त कहां है?
मुझे नहीं मालूम!
फिर किसे मालूम है ?
यह सारी जानकारी कंट्रोल रूम से मिल सकती है, कंट्रोल रूम दसवें फ्लोर पर है।

तो फिर तुम मेरे किसी काम के नहीं...
फ़ुस्स

दसवां फ्लोर!

दसवें फ्लोर पर पहुंचते ही नागराज का स्वागत किया गोलियों ने!
रें..टा..टा..टा
रें..टा..टा..टा.

इन्हें मेरे आगमन की भनक मिल गई है-इसका मतलब यहां वीडियो कैमरों की व्यवस्था है!

कैमरे छत पर लगे हैं!

कड़ाक
अब देखता हूं कैसे देखते हैं मुझे...!

कहां गया?
बेवकूफ!
सारे कमरे देख डालो!

रोशनदान से नागराज कंट्रोल रूम में पहुंचा-
कंट्रोल रूम
पता नहीं वह इन्सान है या जादूगर। हम तो उसे पहली मंजिल पर ही घेर लेते- किन्तु सेकेण्डों में वह दसवीं मंजिल पर आ गया और हमारे आदमियों को बेहोश करके गायब हो गया सर!

हम उसे तलाश कर रहे हैं सर!
हो सकता है वह फरार हो गया हो।

धाँय धाँय
वह रहा! किल हिम!!
रैं..टा..टा टा टा...

इंचार्ज ने खतरे के अलार्म का स्विच शीघ्रता से पुश कर दिया।
पीं. पीं.

पीं. पीं..पीं.. पीं..
सांप
सांप

ढाक!
पीं..पीं..पी..पीं..पी.
ढिशुंग
तड़क

इंचार्ज को नागराज ने सम्मोहित कर दिया।
खतरे का अलार्म बन्द करो!

हैलो-हैलो-सर... ऊपरी फ्लोर पर गोलियों की आवाज... क्या वहां सब ठीक है?
उसे बताओ कि सब ठीक है?

इंचार्ज ने आदेश का पालन किया और वही कहा जो नागराज ने उससे कहने को कहा था।
स्थिति नियंत्रण में है... सब ठीक है... आपसी गलत फहमी के कारण गोली चल गई थी... तुम सब अपने-अपने कामों में लग जाओ... हां-हां किसी को तलाश करने की जरूरत नहीं-सब ठीक है।
संदेश हर मंजिल पर मौजूद चांगों के साथियों तक पहुंच गया।

हां! सब सामान्य व पूर्ववत है... अब जरा मुझे उस लड़की के बारे में बताओ-जिसे एयरपोर्ट से लाया गया था!
वह ताकाशी है-सिल्वर लैण्ड की राजकुमारी! बॉस का हुक्म था, उसे हांगकांग पहुंचते ही कब्जे में कर लिया जाए।

वह इस समय ब्लैक रूम में है और थोड़ी ही देर में उसे यहां से बॉस के पास ले जाया जाएगा।
तुम्हारा बॉस कौन है?
चांगो!

चांगो के बारे में तुम मुझे क्या बता सकते हो
हमारा बॉस। एशिया का सबसे बड़ा गैंगस्टर है! किन्तु किसी भी देश की पुलिस के पास उसके खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं है कि उसे गिरफ्तार कर सके।

मिस ताकाशी को तुम लोगों ने क्यों पकड़ा है...?
उसे सुजुकी से मिलने से रोकने के लिए। बास नहीं चाहता कि राजकुमारी ताकाशी सुजुकी से मिलने में कामयाब हो!

यह सुजुकी कौन है?
मार्शल आर्ट, जूडो-कराटे, कुंगफू का सबसे बड़ा माहिर-जिसके सामने शांगो भी सिर झुकाता है।

शांगो
यह कौन है???
हमारे बॉस चांगो से टक्कर लेने का हौसला रखने वाला -एशिया का एकमात्र लड़ाका! चांगो के बाद एशिया के अण्डर वर्ल्ड की सबसे बड़ी शक्ति शांगो ही है।

हुम्म! अब मेरी बात ध्यान से सुनो मिस्टर इंचार्ज-अपने आदमियों को आदेश दो-राजकुमारी ताकाशी को तुरन्त छोड़ दिया जाए, उसे कहीं जाने से रोका नहीं जाए।

मैं अपनी आंखों से उसे इस इमारत से बाहर निकलते देखना चाहता हूं! तुरन्त... अभी... इसी समय...
ठीक है! मैं अभी आदेश देता हूं।

अगले ही पल-
हैलो, रीबन बॉस का नया आदेश है- राजकुमारी ताकाशी को फौरन छोड़ दिया जाए!

इंचार्ज के आदेश का तुरन्त ही पालन किया गया-
टी.वी. स्क्रीन पर नागराज ने मिस ताकाशी को चांगो इंटरप्राइजिज के फाटक से बाहर निकलते देखा।

जैसे ही राजकुमारी ताकाशी फाटक से बाहर निकली-
आह!
ठाक!

और फिर खिड़की की राह से-
इस इमारत में कितना हंगामा हुआ- गोलियां चलीं- मगर पुलिस को कोई खबर नहीं। लगता है यहां की पुलिस भी चांगो से घबराती है।

कम्पाउंड में एक टैक्सी खड़ी थी- जिसके निकट दो स्टेनगन धारी पहरेदार भी थे। उनकी नजर जैसे ही नागराज पर पड़ी
अरे! वह क्या है मिंग?
पता नहीं। गोली चलाएं?

मगर पहरेदार कुछ भी नहीं कर सके। नागराज की फुंकार ने उन्हें....
फुर्रर्र
... पहले ही बेहोश कर दिया।

और फिर-
यही वह टैक्सी है जिसमें मिस ताकाशी को यहां तक लाया गया था, ड्राइवर चांगो का ही कोई आदमी रहा होगा।
कौन है?
रोको!

लेकिन नागराज ने पहरेदारों के प्रश्न का उत्तर दिया अपनी जहरीली फुंकारों से-

फुर्रर्रऽऽ
आह!
और अगले ही पल वह चांगो इंटरप्राइजिज की इमारत से बाहर था।

बाहर निकलते ही उसने सड़क के किनारे खड़ी राजकुमारी ताकाशी के पास टैक्सी रोक दी।
मिस ताकाशी फौरन इस टैक्सी में आ जाइए!
कौन हो तुम, मुझे कैसे जानते हो? अरे! तुम तो...
नागराज को पहचानते ही राजकुमारी टैक्सी में बैठ गई।

थोड़ी देर बाद —
तुम्हारी पोशाक ??
आपने ठीक पहचाना -- हम प्लेन में सहयात्री थे।

इस समय सिर्फ काम की बात! यह बताइए आप हांगकांग क्यों आई हैं? और चांगो के साथियों ने आपका अपहरण क्यों किया था?
चांगो के साथियों ने मेरे पिता किंग ऑफ सिल्वर लैण्ड की हत्या कर दी और हमारे राज्य में चांगो का ही एक गुर्गा डिक्टेटर बन गया है।

मैं बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाकर भागने में सफल हुई हूं- मुझे कोलून जाना है ...वहां मेरे पिता का मित्र सुजुकी है- जो मुझे चांगो से बचा सकता है- और उसकी तथा उसके चेले शांगो की मदद से शायद मैं फिर से अपना राज्य हासिल करलूं।

मगर कोलून पहुंचने से पहले ही—
ओह! पेट्रोल खत्म!
समुद्री किनारा पास ही है। वहां तक का मार्ग पैदल तय कर लेते हैं।

मगर समीपवर्ती चौराहे तक पहुंचते ही—
स्वागत के लिए चार गाड़ियां?
मगर ये लोग हैं कौन ?
स्सईई
फ्ईईsss
ज़ूंss
स्सूंssस्सूंsss

तुम लोग इनमें से जिस गाड़ी में बैठना चाहो, बैठ सकते हो।
लेकिन क्यों और हमें कहां ले जाना चाहते हो।
हम तुम्हें स्वर्ग का रास्ता दिखाएंगे

लेकिन मैं तुम्हें नर्क का रास्ता दिखा सकता हूं।
लगता है चांगो के चमचों को जल्दी ही होश आ गया।

फुस्स
फुस्स
धांय

ठाक
धड़ाम

सांय सांय

कुछ देर बाद–
आओ! मैदान साफ है।
सर्र्र्र

एक भारी ट्रक हमारे पीछे आ रहा है।

टा...टा...टा...

सामने बंद दीवार! अब क्या करें?
मेरी पीठ से चिपकी रहो!

रे टा..टा..टा...

अरे वह क्या बला है। सांप की तरह बल खाता दीवार पर चढ़ रहा है।

इस तरफ तो समुद्र है!
मुझे छोड़ना नहीं!

छपाक

यह बोट हमारे काम आएगी।

आखिर तुम हो क्या चीज...?
वक्त आने पर मालूम हो जाएगा।

मैंने तुम्हारे शरीर से सांप सनसनाते देखे थे।
ख्वाब देखा होगा।

हांगकांग के एक जमींदोज अड्डे में–
वह सिर्फ एक आदमी है और मेरे पास सैकड़ों कातिल हैं। फिर भी वह हाथ नहीं आया। आखिर वह है कौन?

मास्टर चांगो! वह सांपों से हमला करता है! शायद... शायद कोई जादूगर है।
क्या बकते हो?

चांगो क्रोध से बिफर पड़ा
तलाश करो उसे – किसी भी तरह उसका फन कुचल दो! सारे हांगकांग का कोना कोना छान मारो! मैं उसके टुकड़े टुकड़े देखना चाहता हूं।

राजकुमारी ताकाशी को हाथ आने पर भी कब्जे से निकल जाने दिया तुमने बेवकूफ! आई विल किल यू...!

उधर –
अब हम सुजुकी के मार्शल आर्ट स्कूल चलेंगे।

सुजुकी का स्कूल इस स्ट्रीट के अन्तिम छोर पर है।
धन्यवाद!

आपको किससे मिलना है?
मास्टर सुजुकी से कहो, सिल्वर लैण्ड की राजकुमारी उनसे मिलने आई है।

तशरीफ लाइए! आपका स्वागत है।

सुजुकी के कक्ष में –
आप! राजकुमारी जी! यहां इस हाल में, विश्वास नहीं होता!
गनीमत है कि आपने मुझे पहचाना तो बाबा।

जिसे मैं एक बार देख लेता हूं-भूलता नहीं। यह कौन है आपके साथ?
एक बहादुर राहगीर जो यात्रा के दौरान मुझे मिल गया- नाम नागराज।

महाराज तोकासा की हत्या की खबर मैंने पढ़ी थी...
किन्तु किस्मत से मैं बच गई बाबा। मेरी जगह मेरी एक सहेली मारी गई ... जो उस रात मेरे कक्ष में सो गई थी। लाश पहचानी न जाने के कारण कुछ समय के लिये चांगो और उसके साथी भी धोखा खा गए थे और मेरी सहेली को ही राजकुमारी समझ लिया गया।

कमाण्डर सबाटो के दल ने क्रान्ति की थी?
सबाटो एक मोहरा था। वास्तव में यह काम एशियन कुक चांगो का था।

एशियन कुक चांगो... शैतान चांगो।

मुझे सिल्वर लैण्ड को आतंकवादियों से आजाद करना है सुजुकी बाबा।
मुझे सोचने दो, मुझे सोचने दो!!

इस काम में शांगो तुम्हारे लिए मददगार साबित होगा- उसके मां-बाप का कत्ल भी चांगो के गिरोह ने किया था।
लेकिन मैं शांगो को नहीं जानती। उससे कहां सम्पर्क करूं?

तुम उसकी फिक्र न करो। यह सारा प्रबन्ध मैं करूंगा।
अब तुम लोग आराम करो। कल बातें करेंगे।

सुबह–
बड़ा शोर हो रहा है।

ओह! मार्शल आर्ट्स, कुंगफू की प्रैक्टिस चल रही है।

ठाक

ठाक

ठाक

बाबा सुजुकी! ये लोग क्या बन्दरों की तरह उछल-कूद मचा रहे हैं?
यह कुंगफू विद्या है। इनमें एक-एक, बीस-बीस गुण्डों से मुकाबला कर सकता है।

बचकाना और बेकार की उछल-कूद।
भाग जाओ यहां से। यह तुम जैसे लोगों की समझ से बाहर का आर्ट है।

दफा हो जाओ! वरना कोई हड्डी-पसली टूट जाएगी मेरे मेहमान बच्चे!
मैं इतना कमजोर तो नहीं हूं बाबा!

अभी पता चल जायेगा। तुम्हारे लिये तो हमारा सबसे कमजोर छात्र तोशी ही काफी है।

तोशी कतार से बाहर आया।
, इस लड़के को दो-चार हल्के हाथ दिखाओ ताकि, इसके दिमाग की धुंध छंट जाये।

फर्रर्र
ठाक

अरे! यह तो बेहोश हो गया मास्टर।
?
?!

तुरन्त ही नागराज के मुकाबले में एक तगड़ा योध्दा एक्शन में आ गया।
अब जरा जोनो से भी मुकाबला कर लो लड़के!

सब लोग मिलकर कोशिश करो। पकड़ लो इसे!

ठक

टिक

ठहरो! यह जंग बन्द करो!

मैंने किसी पर भी घातक वार नहीं किया बाबा! आत्म रक्षा में उल्टे-सीधे हाथ चलाए हैं! किसी को जोर से ना लग गया हो..?

मैं समझ गया हूं - कौन हो तुम? तुम स्नेक फाइटर हो- कुंगफू के मास्टर।
लड़को! इस शख्स का अभिवादन करो।

थोड़ी देर बाद_
मास्टर, मैंने शांगो का पता लगाया है। वह कोलून के बन्दरगाह पर मछुआरों की बस्ती में रह रहा है।
क्या तुमने उस तक मेरा संदेश पहुंचा दिया?

जी हां! मास्टर, और वह किसी भी वक्त यहां आ सकता है।

राजकुमारी! शांगो और नागराज, अलग-अलग जंगलों के दो शेर हैं। यह आपका सौभाग्य है जो नागराज आपके साथ चला आया!

शांगो के पीछे यहां की पुलिस भी पड़ी है। इसलिए वह दो तरफा दबाव में काम करता है। लेकिन नागराज खुला कार्ड है।

किसी वक्त भी शांगो यहां मुझसे मिलने आ सकता है! मैं उससे बात कर लूंगा!

रात के समय-
शांगो आ गया है मास्टर... उसका कहना है कि हर तरफ अंधेरा हो - सिर्फ आपके कमरे में रोशनी रहे और सब रास्ते खुले हों!
ठीक है!

शांगो ने मास्टर के कमरे में कदम रखा-
मैं आ गया हूं मास्टर!
बैठो शांगो। मैं तुम्हारा ही इंतजार कर रहा था।

चांगो के विरुध्द तुम्हारी जंग कैसी चल रही है।
उसने यहां की पुलिस को खरीद लिया है–जिस कारण मेरे काम में बाधा पहुंच रही है वरना अब तक वह जमीन से उठ चुका होता।

क्या तुम चांगो के विरुध्द आखिरी जंग लड़ना पसंद करोगे?
पांच वर्ष से मैं उसी आखिरी जंग का इंतजार कर रहा हूं मास्टर!

तो फिर समझो, वह वक्त आ गया है। लेकिन यह जंग हांगकांग में नहीं सिल्वर लैण्ड में लड़ी जाएगी।

सिल्वर लैण्ड?

जब तुम मेरी पूरी बात सुनोगे तो तुम्हारे पास पूछने के लिए कोई प्रश्न नहीं होगा शांगो।

सुजुकी की पूरी बात सुनने के बाद –
यह एक सुनहरा मौका है। मुझे राजकुमारी से मिला दो। मैं अभी चलने के लिए तैयार हूं।
नहीं! इस तरह नहीं। तुम अपनी यात्रा अलग करोगे और राजकुमारी तुम्हें वहीं मिलेगी।

फिर मैं उन्हें पहचानूंगा कैसे?

उसका प्रबन्ध कर दिया जाएगा तुम कल आना।

अगली सुबह –
इन तीन अंगूठियों को अच्छी प्रकार पहचान लो। इनमें से दो तुम्हारे पास होंगी और तीसरी शागो के पास...

दोनों ने अंगूठियां धारण कर लीं।
इस तरह तुम तीनों एक दूसरे को पहचान सकोगे। वह तुमसे सिल्वर लैण्ड में आ मिलेगा।

सिल्वर लैण्ड में कणक बस्ती का सरदार मेरा शागिर्द है। तुम्हारी गतिविधि का केन्द्र वही स्थान होगा।
बहुत बेहतर!

मैंने उसके नाम खत लिख दिया है। यह लो!

अब हम चलते हैं सिल्वर लैण्ड की ओर।
अलविदा मेरे बच्चो! अवश्य ही तुम्हारी विजय होगी!

ईश्वर उन्हें शक्ति दे!

जैसे ही सुजुकी वापस पहुंचा।
हैं? यह क्या... यह लाश किसकी?
ओह, मेरे भगवान! यहां तो सब मुर्दा पड़े हैं... किसने मारा है इन सबको बेरहमी से?
हमने मास्टर सुजुकी, और यह ट्रेलर है।
राजकुमारी ताकाशी और उसका साथी तुम्हारी शरण में हैं उन्हें हमारे हवाले कर दो।
!
वरना हम तुम्हारी बूढ़ी खाल नोच कर फेंक देंगे और मांस चील-कौवों को खिला देंगे।
की...आय...
ठाक
खड़ाक

सक
सक
ठाक
सर्र...सर्र
फर्र..फर्र
कड़ाक
तड़ाक
या... ई...
ऊ...
हूं...
धुप्प

मर गया... हमारे आठ आदमी मार डाले इस बुड्ढे ने।
यहां से फौरन निकल चलो-यहां कोई नहीं है।

जब शांगो सुजुकी के पास पहुंचा-
उफ... मौत की गंध... बर्बादी... तबाही... आतंक...

मास्टर... मास्टर! यह आपको क्या हुआ... किसने खेला यह खूनी खेल...?
यह अंगूठी... सिल्वर लैण्ड ... आह... ...

अंगूठी... सिल्वर लैण्ड... कातिल की पहचान... मैं उसे जिन्दा नहीं छोडूंगा... मास्टर... मैं इंतकाम लूंगा।

मछेरों की बस्ती में-
अब मेरा हांगकांग में कोई काम नहीं... मैं अकेला सिल्वर लैण्ड जा रहा हूं - लेकिन किसी को मालूम न हो कि शांगो कहां गया है।

चांगो के अड्डे पर —
क्या... वह नहीं मिले और सुजुकी का कत्ल कर डाला... मूर्खों तुमने सुजुकी का कत्ल क्यों किया?! सुजुकी के चेले संसार-भर में फैले हैं।

सुजुकी की मौत का समाचार सुनकर दुनिया भर के कुंगफू मैन हांगकांग का रुख करेंगें और अगर उन्हे मालूम हो गया कि इसमें चांगो का हाथ है तो अंजाम बुरा होगा।

हम क्या करते बॉस! वह बूढ़ा हम पर दरिन्दे की तरह टूट पड़ा था।
ठीक है तुम कर भी क्या सकते थे - जो कुछ करेंगे हम करेंगे।

जंबालू!
यस बॉस!

यहां आओ!
बॉस! योर एक्सीलैंसी! हमें क्षमा कर दिया जाए!

जंबालू, यह चार लोग तुम्हारी खुराक का इंतजार कर रहे हैं।

सड़ाक-सड़ाक

अगले दिन एक बियावान जंगल में –
चार लाशें पेड़ों से लटकी हुई हैं और इनकी गर्दनों पर किसी दरिन्दे के दांतों के निशान हैं।
ऐसी एक-दो घटना पहले भी घट चुकी है। खून पीने वाला दरिन्दा... शैतान... उफ्फ..

चांगो के अड्डे पर –
जंबालू! तुम मेरे साथ सिल्वर लैण्ड चलने के लिए तैयार रहो।
ओ.के. बॉस!

मेरे विशेष साथियों! फिलहाल हम हांगकांग से रुखसत हो रहे हैं। यहां हमारे दुश्मनों की तादाद बहुत बढ़ती जा रही है-सब लोग पलायन की व्यवस्था करें।

चांगो का शिप सिल्वर लैण्ड के लिए चल पड़ा–

उधर सिल्वर लैण्ड में–
चांगो से पहले मुझे सुजुकी के कातिलों से निपटना है।

दोस्त! क्या तुम इस अंगूठी को पहचानते हो?
नहीं! मैंने ऐसी अंगूठी कभी नहीं देखी।

क्या तुमने यह अंगूठी कहीं देखी है?
मैं इसके सिर्फ बीस डॉलर दे सकता हूं।

तुम तो घर-घर डाक बांटते हो- तुमने देखी होगी यह अंगूठी किसी के पास?
मैं डाकिया हूं चोर नहीं। जो लोगों के जेवरों पर निगाह रखूं।
सात दिन हो गए - सुराग लगाते-लगाते, लेकिन कुछ भी पता नहीं चला...
गोदी में काम मिलेगा?
मैं काहिली बर्दाश्त नहीं करता -पूरी मेहनत करवाता हूं और पूरा पैसा देता हूं।
चलो, उठाओ पेटी। वरना खाल खींच लूंगा।
दो दिन का भूखा हूं सरकार!
सड़ाक
सड़ाक
मुंह क्या देख रहे हो? मरगया तो क्या हुआ। चलो, काम करो!

रात के समय—
हमारा एक साथी और मर गया... धीरे-धीरे हम भी मर जाएंगे
और हमारी जगह नये लोग आते रहेंगे। फर्क क्या पड़ता है।
हम लोग गुलाम हैं और गुलामों का यही जीवन होता है।

तुम लोग यह सब बर्दाश्त कैसे कर लेते हो?
हर नया आदमी तुम्हारी तरह जोश में आता है, फिर कोड़े पड़ते ही अक्ल ठिकाने आ जाती है।

लेकिन ऐसा है क्यों? मेहनत के बदले कोड़े क्यों?
जब से क्रान्ति हुई है सबाटो नया राजा बना है। पगार की जगह सिर्फ रोटी मिलती है, वह भी भर पेट नहीं।

जो मरा है, वह अपनी रोटियां बचाकर अपने भूखे बच्चों को देता था। कभी कभी दो-दो, तीन-तीन दिन तक फाके करता था। अब उसके बच्चों का क्या होगा?
यह जुल्म है, अन्याय है। पहले पगार तय की जाएगी, वरना काम नहीं होगा।

नहीं-नहीं हम तुम्हारी बातों में नहीं आ सकते।
हमें रोटी कौन देगा?
कोड़ों से कौन बचाएगा?

यह सब मैं करूंगा।

अगली सुबह-
तुम्हें मजदूरों की मांगें पूरी करनी ही पड़ेंगी.

पहले हम तुम्हारी नेतागिरी को चमकाये देते हैं बेटा...दो दिन में पर निकल गये।

सड़ाक
सड़ाक

तुम लोगों ने अब तक सिर्फ कोड़े चलाये हैं - इसका दर्द नहीं सहा...

...आज तुम्हें पहली बार इसका अहसास होगा।

साय
साय
साय
सड़ाक
गोली मार दो इसे!
सड़ाक
सड़ाक
सड़ाक
अब इस गोदी पर हमारा कब्जा है। हम खुद काम करेंगे और बराबर का हिस्सा बांट लेंगे भाग जाओ!
शाम के समय–
तुम में से किसी ने यह अंगूठी देखी है कहीं
दिखाना तो...
अंगूठी
अरे, मैं भी तो देखूं!
यह अंगूठी मैंने देखी है।
कहां?
याद करना पड़ेगा समझ में नहीं आता कहां देखी है!

हां...याद आ गया। सपने में एक फरिश्ता देखा, उसके पास यह अंगूठी थी और वह तुम थे

शांगो की तलाश जारी रही-
एक ना एक दिन मैं सुजुकी के हत्यारे को तलाश कर ही लूंगा।

एक दिन शांगो उसी रेस्टोरेंट में पहुंचा जहां सबसे पहले पहुंचा था-
हां, वही हूं।
तुम वही तो नहीं हो जो एक खास किस्म के अंगूठी धारक को पूछ रहे थे?

इसी तरह की एक अंगूठी वाला तुम्हारी तलाश में है। अगर तुमने अपना पता यहां छोड़ा होता तो मैं उसे तुम्हारे पास भेज देता।
तुम्हें उसका पता मालूम है?

हां, लेकिन मैं मुफ्त में सेवा नहीं करता, पता बताने की फीस पांच सौ डालर...।
पांच सौ डालर...। यह तो बहुत ज्यादा है।

चार सौ से कम में बात नहीं बनेगी...?
ठीक है अन्दर किसी कमरे में चलो।

अन्दर के कमरे में:-
मैं इत्मीनान से यहां तुम्हारा कत्ल कर सकता हूं!
न... नहीं!
बताओ उसका पता...
उसका नाम नागराज है और ग्रीन बीच के हट नम्बर पांच में रहता है।
नागराज! ग्रीन बीचं... हट नम्बर पांच..
नागराज मैं आ रहा हूं... मैं आ रहा हूं...
नागराज और शांगो

नागराज और शांगो

APRATAP MULICK

संजय गुप्ता पेश करते हैं।

नागराज और शांगो

लेखक : परशुराम शर्मा चित्रांकन : संजय अष्टपुत्रे सम्पादक : मनीष गुप्ता

एशियन क्रुक चांगो के गिरोह के खूंखार लोगों ने सिल्वर लैण्ड के राज परिवार का कत्ल कर दिया था। सिर्फ राजकुमारी ताकाशी ही उनके चंगुल से बचकर भागने में सफल हो सकी थी। वह हांगकांग में अपने पिता के मित्र मास्टर सुजूकी की सहायता लेने पहुंची – किन्तु फंस गई चांगो के गिरोह के लोगों के बीच। नागराज की मदद से किसी तरह वह मास्टर सुजूकी तक पहुंचने में सफल हो गई। सुजूकी ने उन दोनों को एक जैसी अंगूठी देकर वापस सिल्वर लैण्ड भेजा। जहां वैसी ही तीसरी अंगूठी देकर चांगो के जबरदस्त प्रतिद्वन्दी कोरियन फाईटर शांगो को उनकी मदद के लिए वह भेजने वाला था। मगर शांगो को अंगूठी देने से पहले ही मास्टर सुजूकी चांगो के गिरोह के लोगों से टक्कर लेता हुआ बुरी तरह घायल हो गया। शांगो जब मास्टर सुजूकी से मिलने पंहुचा तो तीसरी अंगूठी, उसे देते हुए सुजूकी ने दम तोड़ दिया और गलत फहमी का शिकार होकर शांगो नागराज का दुश्मन बन गया। अब उसे तलाश थी नागराज की--

यह सब आपने "राज कॉमिक्स में पूर्व प्रकाशित कॉमिक "नागराज की हांगकांग यात्रा मे पढ़ा और अब आगे पढ़ें–

नागराज हट नम्बर पांच में मौजूद था।

...ऐसी अंगूठी वाला कोई व्यक्ति दिखाई तो पड़े।

तभी–
ओह! मुझे अचानक खतरे की गन्ध महसूस हो रही है।

उसी समय–
घुप्प

कोई जबरदस्त फाईटर है–जो खड़ी अंगुलियों से दरवाजे को काट रहा है!

कुछ देर बाद–
भड़ाक
नागराज कौन है?

मैं हूं नागराज!
यह अंगूठी पहचानते हो नागराज?

हां!

तो फिर मरने के लिए तैयार हो जाओ... हाऽऽ हूऽ
ठाक

ढिशूम
क्या, तुम शांगो हो?
शांगो नहीं। तुम्हारी मौत का फरिश्ता!!! याऽऽऽ हू। हाऽऽऽहू

बड़ाक

ठाक

ठाक

जिप्प
टिक

रुक जाओ शांगो! तुम्हें कुछ गलत फहमी हुई है!

बुजदिल! मैं तेरे जिस्म के टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा।
मैं अभी तक सिर्फ अपना बचाव कर रहा हूं। मुझे आक्रमण पर मजबूर मत करो शांगो।

क्या ऽऽ?! शांगो को चैलेंज करता है?

या...ई...

फुस्स

ओह! मुझे नशा सा हो रहा है। अपनी सांस रोककर फेफड़ों की सारी हवा बाहर फेंक दूं।

शांगो पर मेरी जहरीली फुंकार का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इसका मतलब यह पूर्ण मास्टर है!

तुमने इसी तरह जहरीली गैसों के इस्तेमाल से सुजूकी को काबू में लेकर कत्ल किया होगा। लेकिन शांगो ऐसे हमलों का आदी है।
सुजूकी का कत्ल?!

शांगो तुम्हें धोखा हुआ है। मैंने सुजूकी का कत्ल नहीं किया

और मुझ पर इतने हमले करने के बाद भी तुम इसलिए जिन्दा हो क्योंकि मैंने तुम्हें दोस्त समझा है...
...वरना देखो, मेरी ताकत क्या है...
सक्ऽ सक्ऽ
यह पहला आदमी है, जो मेरे सांपों से मुकाबला कर रहा है।
ओह! सांप ही सांप... यह क्या बला है..मुझे यहां से भाग निकलना चाहिए।
झनाक
मैं तुमसे फिर मिलूंगा नागराज!
बेफिक्र रहो दोस्त! मैं तुम्हारे पीछे-पीछे आ रहा हूं।

नागराज! आखिर तुमने उसे जानें क्यों दिया... और तुम...
मैं अभी उसे लेकर आता हूं। तुम यहीं ठहरो।

मुझे शांगो का ठिकाना मालूम करना चाहिए।

शांगो गोदी पर लौट आया।
नागराज एक खतरनाक किस्म का जादूगर है।

तभी-
तड़ाक
आह!

ओह! लोहे की सलाख तोड़ दी!

जंबालू इसे कत्ल कर दो...

खबरदार !
वहीं रुक जाओ !
आह!
ठाक
रेटा...टा...टा...

छपाक

ओह! वह शैतान इधर ही आ रहा है! मुझे जहाज के कंट्रोल रूम पर कब्जा करना चाहिए...

झांगो
किसी ने मुझे पुकारा है।

गोदी के मजदूर जहाज में कैद थे।
हैं! तुम लोग.. इस बड़े पिंजरे में...
तुम्हारे जाने के बाद हम पर कयामत टूट पड़ी झांगो!

लेकिन यह सब हुआ कैसे?
गोदी का मालिक जंबालू नामक शैतान को लेकर आया। उसने हमें उठा-उठाकर डेक पर फेंक दिया...

...और फिर यहां मौजूद बन्दूक-धारियों ने हमें कैद कर लिया।
मैं अभी यह सलाखें तोड़ कर तुम्हें आजाद कराता हूं।

तभी-
बचो शांगो...! जंबालू आ गया...!!

श्शांय...

करड करड़..
!
जंबालू ने शांगो से सलाख छीन कर चबा डाली।

तड़ाक
खड़ाक.. कड़ाक

अब कहां निकलेगा पट्ठे ...तेरा खून पिऊंगा मैं!
जंबालू पर टूट पड़ो!
इन मच्छरों की इतनी हिम्मत...
किरच... ...किरच
खून... गरम खून!
शांगो का पीछा करते हुए नागराज गोदी तक पहुंच चुका था।

तुम सब लोग भागजाओ...
कम्बख्त ने मुझे रस्सियो के बेहद मजबूत जाल में फांस दिया।
यहां पर खौफनाक जंग के आसार नजर आ रहे हैं।
अब मैं तेरा खून पिऊंगा... तू ही है वह शांगो - जिसने चांगो बॉस की नाक में दम कर रखा था।
तभी-
ओह सांप!?

दूसरा सांप ??
सांऽऽपऽऽ
जब तक वह सांपों से जूझता है, मैं तुम्हें आजाद किए देता हूं!
तुमने मेरी जान क्यों बचाई?
अभी यह बताने का वक्त नहीं: पहले उसे देखो।
मैं तुम सबको तबाह कर दूंगा।

ढिशाम

बड़ाम

उस पर जहर का असर चढ़ रहा है। वह पागल हो गया है।

खून पी जाऊंगा...सबका!

जहाज तबाह हो रहा है। चलो... अब निकल चलो...
जंबालू पागल हो गया है- तबाही से वह खुद भी नहीं बचेगा।

कुछ ही क्षणों बाद-
बड़ाम

जहाज के साथ-साथ जंबालू भी पानी में गर्क हो गया।

मेरा ख्याल है कि तुम यह गोदी छोड़ दो...

... बचे खुचे मजदूरों को लेकर मेरे साथ चलो!

गोदी के मालिक और उसके गुण्डों ने मजदूरों को भून दिया होगा।

नहीं! मैंने उन्हें सबक पढ़ा दिया। वे अब इस तरफ कभी नहीं आएंगे।

यह शांगो है – जिसका मैंने तुमसे जिक्र किया था।
ओह! कोरियन फाइटर शांगो! तुम्हारा दोस्त... वही, जिसका तुम इंतजार कर रहे थे।

गोहिमा गोहिमा
गोहिमा गोहिमा
गोहिमा का अर्थ है- नमस्कार।

फिर नागराज ने शांगो को पूरा किस्सा सुनाया।
मुझसे बड़ी भूल हुई नागराज! सुजूकी ने मुझे अंगूठी दी और मैं यह समझा कि यह कातिल की पहचान है।
जबकि सुजूकी ने हम तीनों को पहचान के लिए अंगूठियां दी थीं।

यहां आकर हमने इस बस्ती को सिल्वर लेण्ड की स्वतंत्रता संग्राम का केन्द्र बनाया है। हमारे सहयोगी इसी जगह से सम्पर्क बनाए हुए हैं।

सुबह –
मालूम हुआ है कि चांगो हांगकांग से सबकुछ समेट कर यहां आ गया है।
इसका मतलब मास्टर सुजूकी के हत्यारे वही लोग हैं...

...क्योंकि चांगो जानता है कि सुजूकी की मौत के बाद हांगकांग में क्या तूफान आएगा।...

...सुजूकी के शिष्य छोड़ेंगे नहीं चांगो को।

हमें एक ही रात में सारा काम समाप्त करना है शांगो! दो जगह एक साथ हमले होंगे- एक मोर्चा तुम संभालोगे और दूसरा मैं।

मैं तैयार हूं!

चांगो ने सिल्वर लैण्ड स्थित अपने हैडक्वार्टर में अपने विशेष साथियों की सभा बुलाई।

सिल्वर लैण्ड में नागराज और शांगो दोनों मौजूद हैं।

आप हमें आदेश दें-हम अपनी जान पर खेल जाएंगे।

नागराज के सम्बंध में बहुत सी जानकारियां हमें उपलब्ध हो रही हैं। यह वही शख्स है जिसने बुलडॉग का खात्मा किया था।

यह देखो! नागराज से निपटने के लिए इस तरह की फोर्स होगी!
अब रहा शांगो का सवाल! उससे कोई भी फोर्स मुकाबला कर सकती है।
लेकिन ये लोग हैं कहां?

सिल्वर लैण्ड में हर तरफ मेरे जासूस फैल गए हैं। वे शीघ्र ही इसका पता लगाएंगे।

उधर नागराज ने योजना तैयार कर ली थी।
यह सिल्वर लैण्ड का नक्शा है।
कमाण्डर सबातो का राज-भवन पर कब्जा है...और इसके चारों ओर छावनी है...

...और शांगो का हेड-क्वार्टर पश्चिम में एक समुद्री झील पर बना हुआ – जलमहल है। यह सूचना हमारे जासूसों ने दी है।

हम में से एक दल राजभवन पर कब्जा करेगा और दूसरा जलमहल पर...

...और यह सब एक ही रात में और एक ही समय पर होना है।

सुबह तक हम सिल्वर लैण्ड में एक नए शासन की घोषणा कर देंगे! क्या आप लोग मुझसे सहमत हैं?
हां... हम सब सहमत हैं।

एक दल का नेतृत्व शांगो करेगा और दूसरे का मैं...
मैं चांगो पर हमला करूंगा।

दोस्त शांगो! वह जगह राजभवन की अपेक्षा अधिक सुरक्षित और खतरनाक है...

...इसलिए चांगो मेरा शिकार होगा!
मैं चांगो को अपने हाथों से मारना चाहता हूं।

मैं तुम्हारी भावना समझ सकता हूं और वायदा करता हूं कि चांगो को जिन्दा तुम्हारे हवाले कर दूंगा।
राजकुमारी लाकाशी! तुम शांगो के दल में रहोगी--- छावनी के स्थानीय सैनिकों में हमारे कुछ आदमी हैं-- जब उन्हें पता चलेगा कि राजकुमारी जिन्दा है तो अधिकांश सैनिक तुम्हारा साथ देंगे।
ठीक है। मैं शांगो का साथ दूंगी।

शांगो राजकुमारी ताकाशी का जीवन तुमसे ज्यादा कीमती है।
मैं जानता हूं।

मैं चांगो के जलमहल में अकेला जाऊंगा। बाकी सब लोग छावनी की तरफ जाएं।

चांगो के जासूस भी सक्रिय थे।
हैल्लो... बॉस! खबर मिली है कि नागराज और शांगो कणक बस्ती में रह रहे हैं।
कणक बस्ती!.. कणक सरदार को ज्ञात है यह?
जी हां! उसी ने शरण दी है!
उनकी गतिविधि पर नजर रखो!

योजना की शाम–
दोस्तों! अब हम एक दूसरे से तब मिलेंगे – जब सिल्वर लैण्ड पर राजकुमारी ताकाशी की पताका लहरा रही होगी।

और अगर हम अपने उद्देश्य में सफल न हो सके तो हमें जिन्दा रहने का कोई हक न होगा।

उनके दस्ते अलग-अलग रास्ते निकल पड़े।

बॉस! नागराज जल महल की झील तक आ पहुंचा है!
ओह! उसका इतना साहस!

झील के तट पर चांगो का बोट हाउस था।
यहां से मुझे एक बोट प्राप्त कर लेनी चाहिए।

ऐ कौन है?! वहीं रुक जाओ।

फुस्स

यह बोट हाउस का गार्ड है मैं इसके वेश में आगे बढ़ सकता हूं।
नागराज ने वेश बदल लिया—

तुम कहां जा रहे हो?
मैं जरा समुद्री गश्त लेने जा रहा हूं।

अभी-अभी खबर मिली है कि नागराज इस तरफ आ रहा है।
मैं उसी की तलाश में जा रहा हूं। दोस्त...

इसका मतलब इन्हें मेरे आगमन का पता है।

उधर बोट हाउस इंचार्ज ने नागराज की खोज आरम्भ करवा दी।
बोट हाउस का चप्पा-चप्पा छान मारो!

ओह! यह गार्ड बेहोश पड़ा है और इसके कपड़े भी गायब हैं।
इसका मतलब नागराज गार्ड के भेष में निकल गया!

महल के चारों तरफ सर्चलाइट घूम रही है - इसका मतलब है मेरी तलाश!

स्नेक फाइटिंग फोर्स कोई भी गार्ड अन्दर न आने पाए... अलर्ट...
ओ.के. बॉस!

तो फिर मैं यह तरीका प्रयोग करूंगा!

ओह! यह नहर महल के अन्दर जा रही है?

नहर के रास्ते नागराज महल के अन्दर पहुंच गया।

सभी रास्तों पर पहरा था।

नागराज एक दीवार पर जा चढ़ा-
वो देखो! दीवार पर नागराज!

रट..टा..टा..

बुर्जी पर!
पकड़ो!!
तीसरी बुर्जी पर!

फुस्स्स

यहां मेरे सांपों का हमला कामयाब क्यों नहीं हो रहा है ?
रेटा..टा..टा...

वह दूसरी बुर्जी पर चला गया!

ढिशुम
वह एक नम्बर की बुर्जी पर चला गया है।
बॉस, उस पर गोलियों का असर नहीं हो रहा है।
टूट पड़ो कुचल दो!
हाथापाई के युद्ध में नागराज ने कुंगफू का प्रयोग शुरू कर दिया।
ठाक
ठाक

नागराज ने स्नेक फाइटिंग फोर्स को नष्ट कर दिया बॉस!
उसे बमों से उड़ा दो!
ओह! अब मैं इसे अपने रेडियो बमों से खत्म कर दूंगा।
बड़ाम
नागराज इस स्क्रीन पर...!? ओह! तो वह इस तरफ बढ़ रहा है।??
बड़ाम

फिलहाल मुझे कन्ट्रोल रूम छोड़कर सबाटो की छावनी में पहुंच जाना चाहिए।

LIFT
वह इस गैलरी तक आ गया।

नागराज ने सम्मोहन से मालूम किया।
बताओ, चांगो कहां है?
ऊपर महल के हेलीपैड पर!

नागराज एक खिड़की से छत पर पहुंच गया -
इससे पहले कि हेलीकॉप्टर उड़ान भरे-मुझे उसे पकड़ लेना चाहिए।

सारे महल में धमाके हो रहे हैं!

हेलीकॉप्टर सबाटो की छावनी की ओर चल पड़ा।
स..स..

कमांडर सबाटो! मैं चांगो तुम्हारे महल पर उतरने आ रहा हूं।
ठीक है मार्ग साफ है।
तभी–
नागराज!?
हां! मैं हूं नागराज!!
ठाक
फुस्स
फुस्स

बस, अब तुम कोई गड़बड़ मत करना। चांगो मेरे कब्जे में है।

सबारो की छावनी की तरफ बढ़ते रहो।

उधर सबारो छावनी में-

देख लो, इस देश के वीर जवानों, मैं ताकाशी हूं। इस देश की राजकुमारी और अपने देश की जनता को सबारो के चंगुल से मुक्त कराने आई हूं।

राजकुमारी ताकाशी...

जिन्दाबाद

और जिस जगह बागी जमा हैं - वहां हवाई हमला कर दो!

जूंSSSSSS
जूंSSS

डरो नहीं. हवाई हमलों से कुछ नहीं होगा। हमारे महल तक एक सुरंग जाती है... हम उसके द्वारा अन्दर पहुंच जाएंगे।

हमारी एक टुकड़ी - दिखावे के लिए सबारो की आर्मी का मुकाबला करती रहेगी... ताकि उनका ध्यान - उसी तरफ रहे। बाकी लोग सुरंग के रास्ते अन्दर चलेंगे।

ताकाशी और शांगो का सैनिक दस्ता सुरंग के रास्ते बढ़ चला...

...और राजमहल के एक भाग में प्रविष्ट हुआ।
अटैक!

धड़ाम
धांय धांय

ठाक
खन्न

महल में घमासान युध्द हुआ।
झांगो! तुम सबाटो की फरारी का रास्ता जाम कर दो... महल की छत पर जाओ!

कमांडर सबाटो! महल के सभी हिस्सों पर बागियों का कब्जा होता जा रहा है।

झांगो ने महल की छत पर चढ़ना शुरू कर दिया।
ऊपर से एक हेलीकॉप्टर भी उतरता दिखाई दे रहा है।

ओह! फिलहाल मुझे चांगो के साथ यहां से निकल भागना चाहिए- वरना मेरे साथ-साथ चांगो भी घिर जाएगा।
सबाटो महल के हेलीपैड पर पहुंचा—
कमांडर! महामहिम चांगो का कॉप्टर उतर रहा है।
हां! तुम लोग यहां तक पहुंचने के रास्ते जाम कर दो।
या ई... ई..ऽऽऽ
ठाक
सांय
सबाटो हेलीकॉप्टर की तरफ भागा- हेलीकॉप्टर उतर रहा था।
इस वक्त मुझे अपनी जान बचानी है।

परन्तु तुम बच नहीं सकोगे सबाटो!

झांगो! यह रहा तुम्हारा शिकार चांगो! कंमाडर सबाटो, तुम्हारा खेल खत्म!

सबाटो ने दौड़कर महल की छत से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली।

अगली सुबह ताकाइशी की पताका सिल्वर लैण्ड पर फहरा रही थी
झांगो! तुम अपने कैदी के साथ चाहे जैसा सलूक करो... परन्तु ताकाइशी का राज्य भी तुम्हें संभालना है।
और नागराज तुम?

मेरी यात्रा बहुत लम्बी है राजकुमारी! बस हमारा साथ यहीं तक था... अब मैं विदा चाहता हूं।
नागराज मैं तुम्हें सदा याद रखूंगी।

और फिर नागराज अपनी नई यात्रा पर रवाना हो गया।
सर्रर्रssss
समाप्त

राज
कॉमिक्स
संख्या 39
खूनी खोज
नागराज

नागराज सीरीज

खूनी खोज

लेखक : संजय गुप्ता
कलादिग्दर्शक : प्रताप मुलीक
चित्रकार : मिलिंद मुलीक, संजय
सम्पादक : मनीष गुप्ता

आतंकवादियों की तलाश में विश्व भ्रमण पर निकला नागराज अमेरिका के शहर न्यूयार्क जा पहुंचा।

नागराज मैनहटन के होटल क्लेरिजिस में ठहरा।

आधी रात को वह एक कैसीनो में पहुंचा-

वह बार मैन की तरफ बढ़ा-

नागराज ने रातभर न्यूयार्क के सारे नाइट क्लब छान मारे। लेकिन-

सॉरी सर! मैं खुद डॉन की तलाश में हूं। उसका एक महीने से कोई पता नहीं है।

थैंक्स फ्रांसिस्को!

नागराज निराश होकर वापस होटल के लिए चल दिया-

एफ.बी.आई. का एजेन्ट नम्बर डबल सेवन देर रात को अपने घर लौट रहा था, तभी...

धांय धांय

!

फटाक

...एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे कार रोकने पर विवश कर दिया।

फिर आसपास की झाड़ियों से निकल कर आठ गुंडों ने उसे घेर लिया।

लेकिन कार का दरवाजा लोबो ने नहीं, दरवाजा खोला डबल सेवन ने-

इससे पहले कि डबल सेवन लोबो पर हावी होता...

...विलियम के आदमियों ने डबल सेवन को फायरिंग करके गोलियों के घेरे में कैद कर दिया।

डबल सेवन! इस घेरे के बाहर तुम्हारे लिये सिर्फ मौत है। जब तक तुम इस घेरे में हो तब तक हमारी बन्दूकें खामोश हैं।
टाइगर! तुम्हारा यह कदम विलियम को बहुत महंगा पड़ेगा।

डेंगो! इसे विलियम की शक्ति से परिचित करा दो!

डेंगो ने स्टेनगन फेंकी और आयरन ग्लोव्ज पहनकर घेरे में प्रविष्ट हो गया-

डेंगो के प्रहारों से बचते हुए जैसे ही उसके शरीर का कोई भी हिस्सा बाहर निकलता था विलियम के आदमियों की बंदूकें गरज उठती थीं-

उधर नागराज की टैक्सी होटल की तरफ बढ़ रही थी। अचानक ड्राइवर ने टैक्सी कच्चे रास्ते पर उतार दी। तभी नागराज सड़क पर लगे बोर्ड को देखकर चौंक पड़ा-
NO ENTRY
FOLLOW DIVERSION
DANGER
WILLIAM'S MEN AT WORK

ड्राइवर कार रोको!
सड़क क्यों बंद है? यह विलियम कौन है?

सर! विलियम को नहीं जानते? अमेरिका की दूसरी सरकार है। विलियम को जब कभी अपने किसी आदमी को सजा देनी होती है, ऐसे ही सरेआम सड़क पर देता है। न्यूयार्क में कोई ऐसी ताकत नहीं है जो इन लोगों को रोक सके!
ओह, तो यह वही विलियम है।

देखो, तुम मुझे यहीं उतार दो, मुझे उसकी ताकत की आजमाइश करनी है!

MAY GOD BLESS HIM!

उधर डैंगो ने डबल सेवन को मारते-मारते बेहोश कर दिया था। अब उसके हाथ में दुधारी तलवार नजर आ रही थी!
डेंगो! इसे मुक्ति दे दो!

डैंगो ने मजबूती से तलवार को ऊपर उठाया, लेकिन इससे पहले कि वह नीचे आती-

सांप

सांप से बचने के लिये डैंगो ने तलवार तो ऊपर उछाल दी, लेकिन खुद को गिरने से न बचा सका!

और-
खच्च
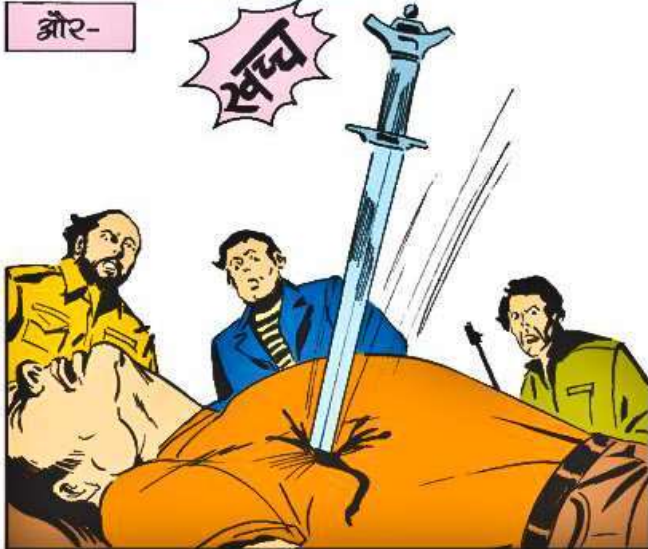
टाइगर व उसके साथियों ने उस तरफ देखा जिधर से सांप झपटे थे-

आठ आदमी मिलकर अकेले आदमी को विलियम की ताकत दिखा रहे हैं?

विलियम के खिलाफ बहुत बोल चुके हो। अब ये स्टेनगन तुम्हें खामोश कर देगी!
फायर!

लेकिन नागराज के...
...हाथों से निकलने वाले सांपों ने...

...उनकी उंगलियों की हरकत रोक दी। एक साथ दर्जनों सांप उनकी स्टेनगनों पर लिपट गए।

और जब वे वापस पलटे तो गनें भी उनके साथ थीं।

उसके बाद नागराज ने किसी को संभलने का अवसर नहीं दिया!
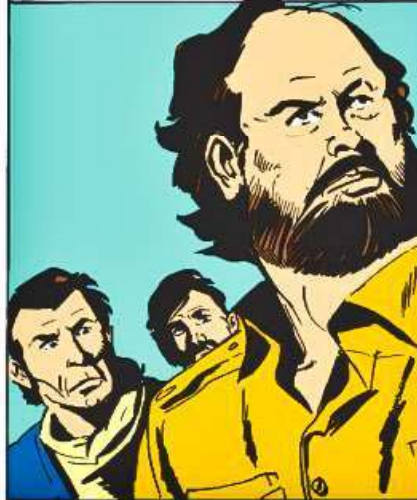
और कुछ ही देर बाद टाइगर के सभी साथी मृत्यु को प्राप्त हो चुके थे।
अरे! टाइगर कहां है?

तभी नागराज की निगाह एक पेड़ की डाल पर छिपे टाइगर पर पड़ी-
ओह, विलियम का कुत्ता भीगी बिल्ली बना पेड़ पर छिपा है!

नागराज ने उसे पेड़ से नीचे उतारा-
बता कुत्ते, कहां है तेरे आका विलियम का ठिकाना? बता नहीं तो मैं तुझे जान से मार दूंगा!

लेकिन नागराज इस समय एक लाश से बातें कर रहा था!
अरे! इसका चेहरा नीला कैसे पड़ गया?
टाइगर ने जहर की गोली निगल ली थी।

उफ! विलियम तक पहुंचने के लिये अब मुझे एक बार फिर डॉन की तलाश करनी होगी!
आह!

डबन सेवन के कराहने की आवाज सुनकर नागराज उसकी ओर बढ़ा-
लगता है इसे होश आ गया है।

उठो भाई! अब घबराने की कोई बात नहीं है। टाइगर व उसके साथी अब जिन्दा नहीं हैं।

क्या? क्या तुमने अकेले निहत्थे ही टाइगर और उसके सात साथियों को मार डाला? मुझे विश्वास नहीं होता। क्या तुम कोई जादूगर हो?

नहीं! मेरा नाम नागराज है। इन्हें इनके किये की सजा भगवान ने स्वंय दी है। तुम मुझे अपने बारे में बताओ। ये लोग तुम्हें क्यों पीट रहे थे?

मेरा नाम बास्को है। मैं अमेरिकन सीक्रेट सर्विस एफ.बी. आई. एजेंट नम्बर डबल सेवन हूं। ये लोग मुझे इसलिए मारना चाहते थे क्योंकि ब्यूरो ने मुझे डॉन से टॉर्चर द्वारा विलियम का ठिकाना मालूम करने का काम सौंपा था।

डॉन! विलियम का ठिकाना! बास्को, मैं खुद विलियम की तलाश में हूं और इसके लिये रात से मैं डॉन को खोज रहा हूं। अगर तुम मुझे डॉन से मिला दो तो तुम्हारा मुझ पर बड़ा अहसान होगा।

अहसान तो तुम्हारा मुझ पर है दोस्त! मैं पहला व्यक्ति हूं जो विलियम द्वारा मौत की सजा सुनाये जाने के बाद भी जीवित हूं...
...बहुत कम लोग जानते हैं कि डॉन इस समय वर्ल्ड की सबसे सुरक्षित जेल दि डेथ फोरट्रैस में कैद है। उससे मिलना नामुमकिन है...

...और मैं यह भी जानता हूं कि वर्ल्ड की सबसे सुरक्षित जेल में भी उसे एक अभेद्य सैल में रखा गया है- क्योंकि दुनिया में सिर्फ डॉन ही एक ऐसा व्यक्ति है- जिसके पास यूरोप व अमेरिका के हर गैंगस्टर, हर शातिर बदमाश की एक-एक गतिविधि व उनके खुफिया अड्डों की खबर है।

बास्को, क्या तुम मुझे बता सकते हो, वह जेल कहां है?
वह जेल कहां है, यह सिर्फ कुछ ही लोग जानते हैं। वैसे मुझे इतना पता है कि यह शिकागो में ही कहीं है और मैं शिकागो की फ्लाइट पकड़ने एयरपोर्ट पर ही जा रहा था कि इन लोगों ने मुझे रोक लिया...

...लेकिन अब मैं अकेला नहीं, तुम भी मेरे साथ शिकागो चलोगे और अब हम ट्रेन द्वारा जायेंगे, क्योंकि हो सकता है एयरपोर्ट पर विलियम के आदमी हों।

न्यूयार्क रेलवे स्टेशन पर-
लेकिन बास्को, शिकागो में हमें, जेल का पता कौन बताएगा?
मुझे चीफ ने बताया है कि शिकागो में थ्रिल डान्स क्लब का डान्सिंग कोच जैक्सन, जो कि वास्तव में सी.आई.ए. का एजेन्ट है, मुझे जेल का पता बताएगा। मुझे खास तौर से इस काम के लिए भेजा जा रहा है- क्योंकि अब तक सी.आई.ए. व एफ.बी.आई. के तमाम जासूस डॉन से कुछ भी उगलवाने में असमर्थ रहे हैं। जबकि मेरे पास टॉर्चर करने के कुछ विशेष ही तरीके हैं।
न्यूयार्क ए

दोनों टिकट लेकर एक ट्रेन में सवार हो गये।

अभी ट्रेन को चले दो ही घंटे हुए थे कि-
आई ईsss

ओह! कोबरा नाग की गंध आ रही है। कहीं इसे सांप ने तो नहीं काट लिया!

नागराज लोगों को हटाकर उसके पास गया-
ओह! यह तो सर्पदंश ही है इसे बचाने के लिए मुझे तुरन्त इस के जिस्म से जहर को चूस कर बाहर निकालना होगा!

देखिए, आप लोग पीछे हट जाइए! इन्हें सांप ने काट लिया है। मैं इन्हें बचा सकता हूं!

नागराज ने होंठों से लड़की के पांव का सारा जहर चूस लिया!

थोड़ी देर बाद -
अब आपको कुछ नहीं होगा मिस...
...फ्लोरिडा। मुझे फ्लोरिडा कहते हैं। लेकिन आपने यह सब किया कैसे? अगर वास्तव में मुझे सांप ने ही काटा था तो मैं आपकी शुक्रगुजार हूं मि...

मेरा नाम नागराज है तुम्हें सांप ने ही काटा था मैं अभी दिखाता हूं। तुम्हें।

नागराज ने सीट के नीचे से एक कोबरा सांप निकाला-
यह देखिये मिस फ्लोरिडा! यह दुनिया का सबसे जहरीला सांप है
ओह!

लेकिन मुझसे जहरीला नहीं!

कुछ ही देर बाद वे शिकागो पहुंच गए-
एक सौ एक डाउन शिकागो न्यूयार्क शटल प्लेटफार्म नम्बर दस पर पहुंच चुकी है।
DETROIT 012
PITTSBURGH 78
St. LOUIS

स्टेशन से बाहर-
CHICAGO RAILWAY STATION
ड्राइवर! ग्लोरी टाउन!

ग्लोरी टाउन पहुंच कर-
नागराज, तुम इस रेस्तरां में मेरी प्रतीक्षा करो। मैं जैक्सन से मिल कर आता हूं।

बास्को टैक्सी द्वारा थ्रिल कलब पहुंचता है।
THRILL CLUB
RAJ COMICS CHICAGO OFFICE
BAR
THRI

मुझे जैक्सन से मिलना है।
मेरे पीछे चले आइये!

जैक्सन, मेरा नाम बास्को है। मै डॉन को भरत नाट्यम सिखाना चाहता हूं। तुम मेरी क्या मदद कर सकतेहो?
बास्को, यह लॉकेट तुम्हारी बहुत मदद करेगा, इसे अपने गले में डाल लो।

ओ.के. जैक्सन! अब चलता हूं।
OK. WISH YOU BEST OF LUCK.

बास्को के पास अब जैक्सन की कार थी और वह जल्दी से जल्दी ग्लोरी टाउन पहुंच जाना चाहता था।

तभी बास्को ने रियर व्यू मिरर में देखा-
ओह! यह मोटर साइकिल सवार बहुत तेजी से आ रहा है- लेकिन सड़क इतनी तंग है कि साइड भी नहीं दी जा सकती है।

अरे! इसने तो मरने की ठान ली है।

लेकिन मोटर साइक्लिस्ट का कार से टकराने का कोई इरादा नहीं था।

और अगले ही पल उस मोटर साइकिल सवार को अपने सामने देख बास्को नें पूरी ताकत से ब्रेक दबा दिये।
चीं ऽऽऽऽ
ठीक उसी क्षण उस अज्ञात व्यकित ने अपने हाथ में दबी स्टेनगन का मुंह खोल दिया।
धड़
धड़
धड़
धड़
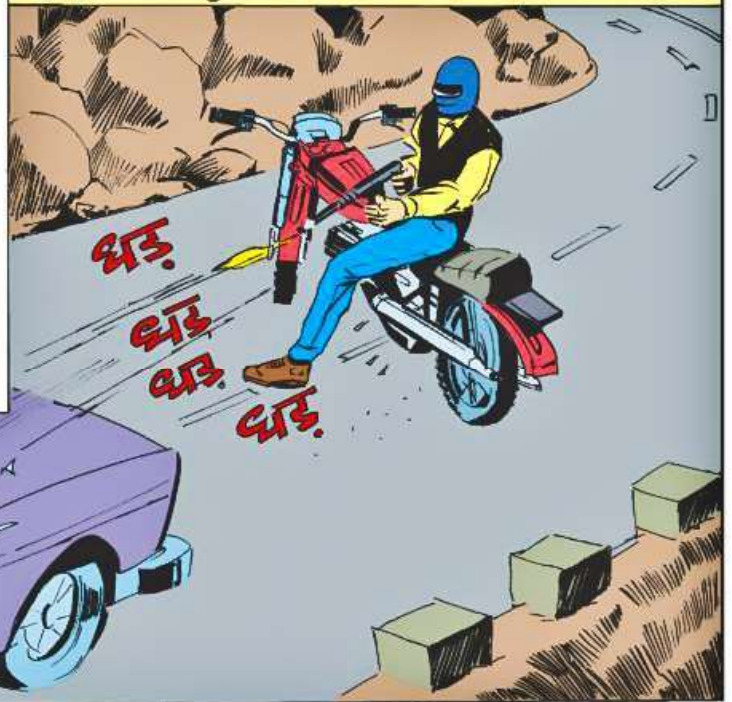
इसके बाद उसने मोटर साइकिल उसी दिशा में बढ़ा दी जिधर से वह आया था।

यह जरुर विलियम का आदमी था।
अब मैं बचूंगा नहीं। मेरी आंखों के सामने अंधेरा छा रहा है।

लेकिन मुझे नागराज तक अवश्य पहुंचना होगा। वही एक ऐसा व्यक्ति है जो विलियम को नेस्तनाबूद कर सकता है।

मौत से जूझते हुए बास्को ने कार आगे बढ़ा दी।

उधर नागराज ग्लोरी टाउन के उस ओपन एयर रेस्तरां में बैठा अपना पसन्दीदा पेय दूध पी रहा था।

बास्को को अब तक आ जाना चाहिए था।

तभी-

आह!

बचाओ!

अरे, यह लॉकेट कैसा है? पहले तो यह लॉकेट बास्को के गले में नहीं था।
नागराज ने लॉकेट अपने पास रख लिया-

तभी वातावरण में पुलिस सायरन की आवाज गूंजने लगी-
पींssss
ओह! मुझे यहां से तुरंत निकल जाना चाहिए!

कुछ ही देर बाद नागराज एक पार्क में बैठा उस लॉकेट के बारे में सोच रहा था-
इस लॉकेट में एक नृत्यांगना की आकृति बनी है। और बास्को भी एक नृत्यशाला में गया था। यह लॉकेट अवश्य उसे वहीं से प्राप्त हुआ है।

तभी नागराज की निगाहें लॉकेट में बनी नृत्यांगना के हाथ की उंगलियों पर स्थिर हो गई।
गौर से देखने पर उंगलियों ने बटनों का रुप ले लिया।

नागराज ने घास में से एक बारीक तिनका तलाश किया और उसकी सहायता से उस सूक्ष्म बटन को दबा दिया।

अब लॉकेट की मुर्ति ने एक दिशासूचक यंत्र का रुप ले लिया था। नृत्यांगना के हाथ अब ट्रैफिक पुलिस के सिपाही की तरह इशारे कर रहे थे।

ओह। यह तो कोई दिशा सूचक यंत्र लगता है। और अवश्य ही इस यंत्र की सहायता से मैं जेल तक पहुंच सकता हूं।

नागराज सड़क पर आ गया। अब उसे किसी ऐसे वाहन की तलाश थी- जिसके द्वारा वह लॉकेट की मदद से जेल तक पहुंच सके।
नहीं टैक्सी ठीक नहीं रहेगी। लेकिन निजी कार इस वक्त...

तभी-
मिस्टर नागराज!

अरे! मिस फ्लोरिडा आप?
मैंने आपको स्टेशन पर कितना ढूंढा, मगर आप तो एकदम ही गायब हो गए...

...शिकागो में कहां रहते हैं आप?
मिस फ्लोरिडा, मैं शिकागो में रहने नहीं आया बल्कि मैं यहां एक विशेष काम से आया हूं।

फिलहाल सबसे पहले विशेष काम यह है कि तुम्हें मेरे घर चलना होगा।
लेकिन?
लेकिन-वेकिन कुछ नहीं। मैं तुम्हें आज अपने हाथ की कॉफी जरुर पिलाऊंगी।

नागराज को सीट पर बिठाकर फ्लोरिडा ने कार आगे बढ़ा दी।
मुझे इस लड़की से सावधान रहना चाहिये।
अच्छा फ्लोरिडा! तुम्हारे अलावा कौन-कौन है तुम्हारे घर में? तुम्हारे मम्मी-डैडी...

अचानक फ्लोरिडा रोने लगी-
सुबक...सुबक..
फ्लोरिडा, क्या हुआ? देखो फ्लोरिडा, गम की मात्रा जब बहुत आधिक हो तो उसे बांट लेना ही चाहिये। तुम रोना छोड़कर मुझे कुछ बताओ। शायद मैं तुम्हारी मदद कर सकूं।

नागराज, मेरे मम्मी-डैडी अब इस दुनिया में नहीं हैं। आज से दो साल पहले एक दरिन्दे ने अकारण ही मेरे पिता की जान ले ली थी और डैडी की मौत के सदमे से मां भी तभी ही चल बसी थी।

कौन है वो हत्यारा?
मैं उस कमीने को कभी नहीं भूल सकती। मैं तुझे कुत्ते की मौत मारुंगी डॉन!

क्या? डॉन तुम्हारे डैडी का हत्यारा हैं?
हां नागराज, मैं तब से अब तक डॉन की तलाश में भटक रही हूं।

फ्लोरिडा, सब्र से काम लो। पहले मुझे सारी बात बताओ कि डॉन ने कैसे तुम्हारे पिता की हत्या की?

नागराज! मेरे डैडी शिकागो के मेयर थे। बात दो साल पहले की है...

..."दोपहर का समय था। हम सब लंच टेबल पर बैठे थे। तभी हमारे नौकर टॉम ने एक पैकेट लाकर डैडी को दिया"...

सर! यह पैकेट एक लड़का आपके लिये देकर गया है। कहता था किसी डॉन ने भिजवाया है।

..."डैडी ने पैकेट लिया और उसे खोलने लगे"...
न जाने क्या है इसमें?
"लेकिन वह पैकेट जैसे हमारे घर से हमारी सारी खुशियां छीनने आया था। जैसे ही डैडी ने पैकेट खोला..."
धड़ाम
..."डैडी के चेहरे के चीथडे उड़ गये। पैकेट में बम था। डैडी के गम में रोते-रोते मम्मी ने भी प्राण त्याग दिये"...
...तब से अब तक मैं उस डॉन नामक कुत्ते की तलाश में थी। आज तुमने मुझे मेरी मंजिल के इतना करीब पहुंचा दिया है कि अब मैं और देर नहीं करना चाहती।
फ्लोरिडा, डॉन जेल में है। हम उसे कल सुबह तलाश करना शुरु करेंगे तब तक तुम आराम करो।
अगली सुबह नागराज फ्लोरिडा के साथ कार में सवार होकर निकल पड़ा डॉन की खोज में-
लॉकेट नागराज के गले में झूल रहा था।

लॉकेट में बनी आकृति उन्हें हाथ के इशारे से दिशा संकेत दे रही थी।

यहां से दायें मोड़ लेना फ्लोरिडा!

विभिन्न भीड़-भाड़ वाली सड़कों से गुजरने के बाद अब वे शहर से बाहर एक निर्जन सड़क पर बढ़ रहे
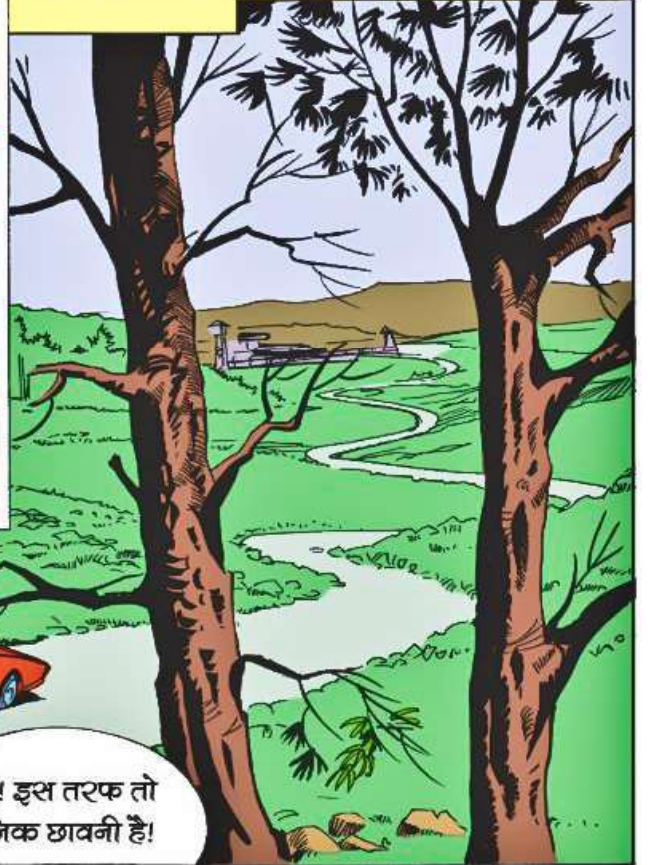
अरे! इस तरफ तो सैनिक छावनी है!

थोड़ा आगे पहुंचने पर छावनी नजर आने लगी। तभी लॉकेट की आकृति हाथ के इशारे से रुकने का संकेत देने लगी।

ओह! कहीं वह जेल इसी छावनी के अन्दर ही तो नहीं है।

हां, ऐसा ही लगता है। क्योंकि सैनिक छावनी से सुरक्षित जगह शिकागो में दूसरी नहीं है!

दोनों कार से बाहर उतरकर छावनी में प्रविष्ट होने कि योजना बनाने लगे।
तभी धड़धड़ाता हुआ एक आर्मी का ट्रक सामने से आता दिखाई दिया।

जैसे ही ट्रक उनके सामने से गुजरा...
...सड़क पर बना मैन होल ट्रक का पहिया पड़ने से खड़खड़ा उठा-

और खड़क उठा नागराज का मस्तिष्क-
फ्लोरिडा! छावनी में मैं अकेला जाऊंगा।
लेकिन...

तुम फिक्र मत करो! डॉन को मैं तुम्हारे पास जिन्दा लेकर आऊंगा।
नागराज ने अपनी योजना फ्लोरिडा को बता दी।

ठीक आधे घंटे पश्चात् एक और आर्मी ट्रक छावनी की तरफ बढ़ रहा था। तभी-
अरे, यह कार बीच सड़क में कैसे खड़ी है? लगता है खराब हो गई है।
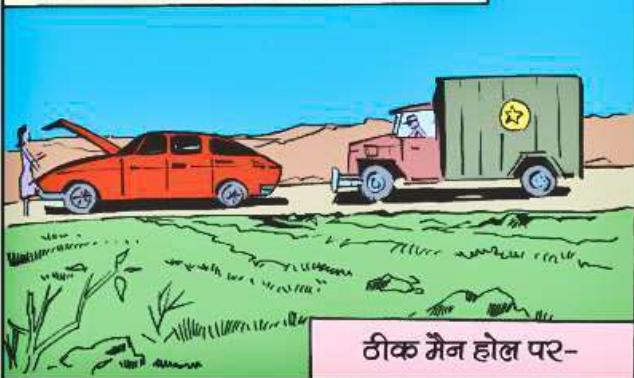
ट्रक कार के पीछे जाकर रुक गया।
ठीक मैन होल पर-

देखिए! मेरी कार अचानक खराब हो गई है। इसे साइड पर लगाने में मेरी मदद कीजिए प्लीज!

इसी बीच ट्रक के नीचे मैन होल का ढक्कन हटाकर नागराज बाहर आया...

...और ट्रक के निचले हिस्से में सांप की तरह चिपक गया-

और तब तक फ्लोरिडा की कार सड़क के किनारे लगाने के बाद ट्रक ड्राइवर ने ट्रक आगे बढ़ा दिया-
WISH YOU BEST OF LUCK NAGRAJ!
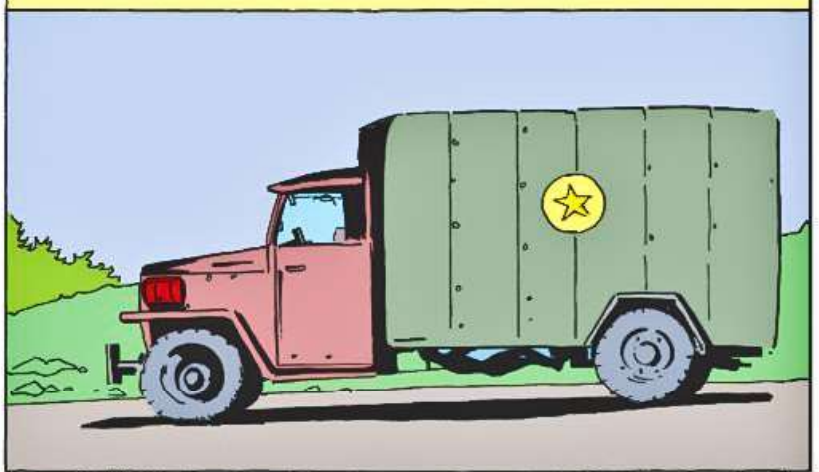
कुछ ही देर में ट्रक छावनी में प्रविष्ट हो गया!

सैनिकों की बैरेकों के पास आकर ट्रक रुक गया।
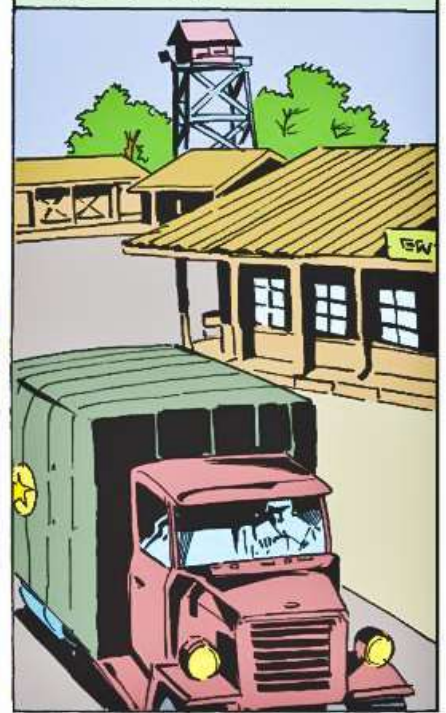
सैनिक धड़धड़ाते हुए ट्रक से उतरे और बैरकों में चले गए।

नागराज ट्रक के नीचे से निकला और पेड़ पर चढ़ गया-
28 BATALION
HP 007

पेड़ की सबसे ऊंची शाखा पर पहुंचकर नागराज पूरी छावनी को देख सकता था।
लगता है यह सारे सैनिक ट्रेनिंग के लिये मैदान में जमा हो रहे हैं।

नागराज ने गर्दन घुमाकर दूसरी तरफ देखा तो चौंक पड़ा-
ओह! तो यही वह अभेद्य किला है- जिसमें से मुझे डॉन को निकालना है।

नागराज पेड़ से नीचे उतरा और किले की ओर बढ़ने लगा-
किले में प्रविष्ट होने का इससे अच्छा मौका और नहीं मिलेगा। सारे सैनिक मैदान में जमा हैं।

लेकिन किले से पहले उसे खाई का सामना करना पड़ा-
ओह! इसे तो मैं पलभर में तैरकर पार कर लूंगा।

तभी-
ओह! भयानक मगरमच्छ मेरी तरफ ही बढ़ रहा है!

और फिर शुरु हो गई एक खूनी मुठभेड़-

अभी नागराज मौत के दूत से जूझ ही रहा था कि-
ओह! एक और मगरमच्छ!
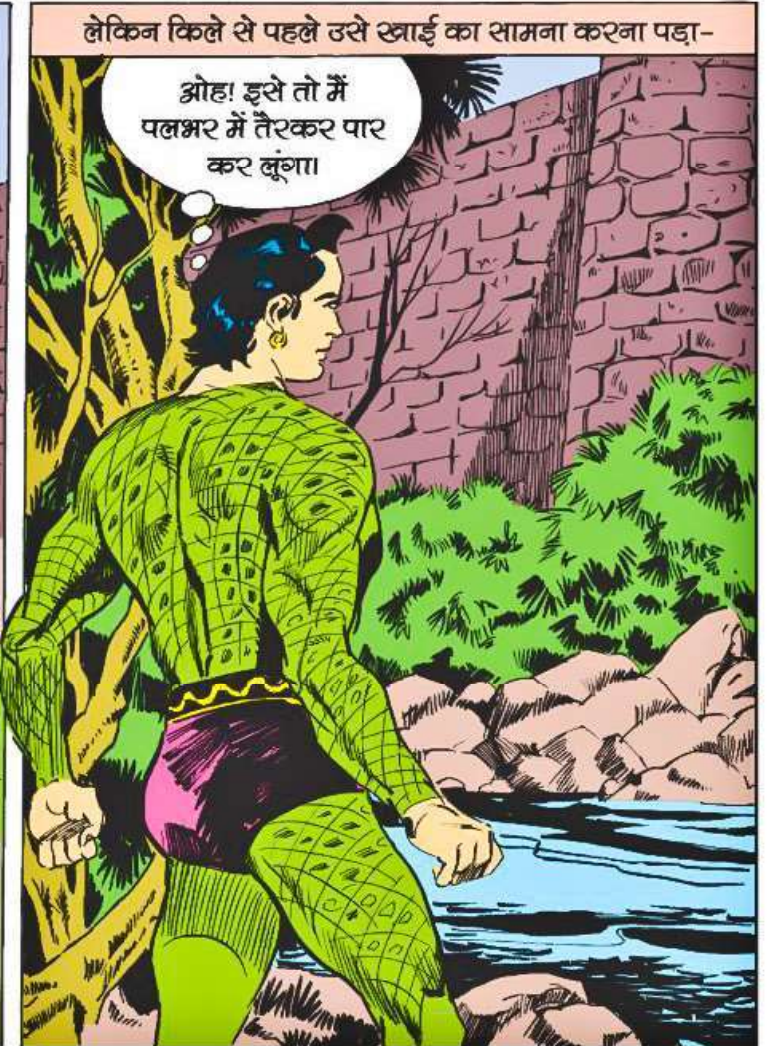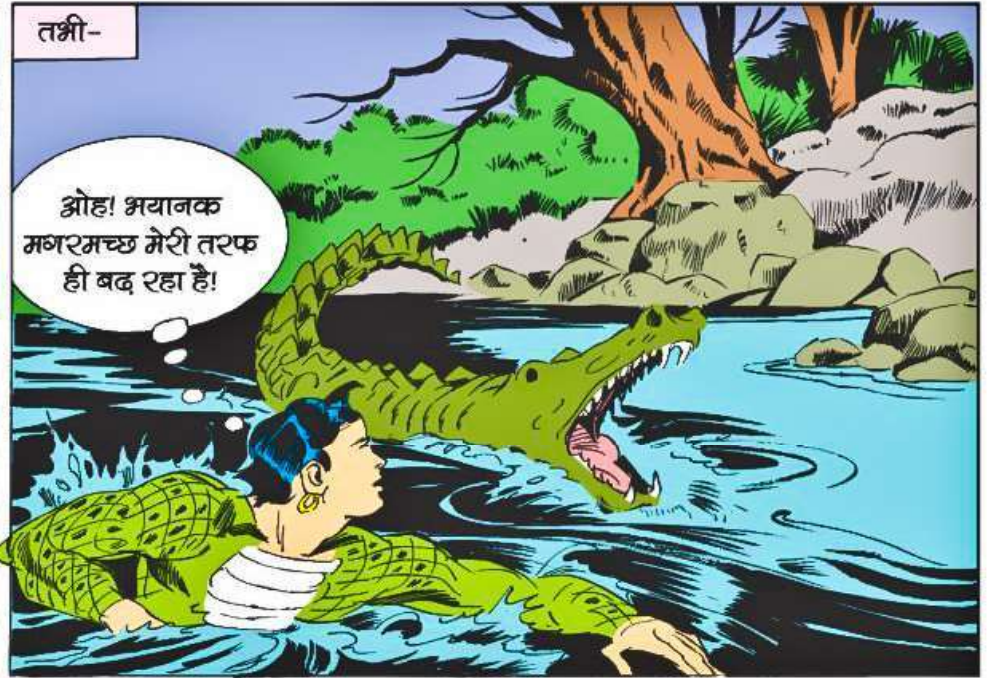
मौत के बढ़ते हुए कदमों को नागराज ने इस प्रकार रोका-

और नागरस्सी दूसरे मगरमच्छ के जबड़े पर कस गई-

फिर नागराज ने अपनी उंगलियां पहले मगरमच्छ की आंखों में घोंप दीं-

मगरमच्छ दर्द से छटपटाया और इसी बीच नागराज ने गोता लगाकर उसके पेट के कोमल हिस्से में अपने विषयुक्त दांत गड़ा दिये।

पोटाशियम साइनाइड से ज्यादा विषैले नागराज के दंश के प्रभाव से मगरमच्छ छटपटा भी न सका।

इसके बाद नागराज किले की दीवार पर पहुंच गया-
अब वह ठीक किसी सांप की तरह रेंगता हुआ किले की दीवार पर चढ़ रहा था।
किले की बुर्जी पर खड़े गार्ड ने उसे देख लिया-
लेकिन अगले ही पल चीखने के लिये खुला उसका मुंह...
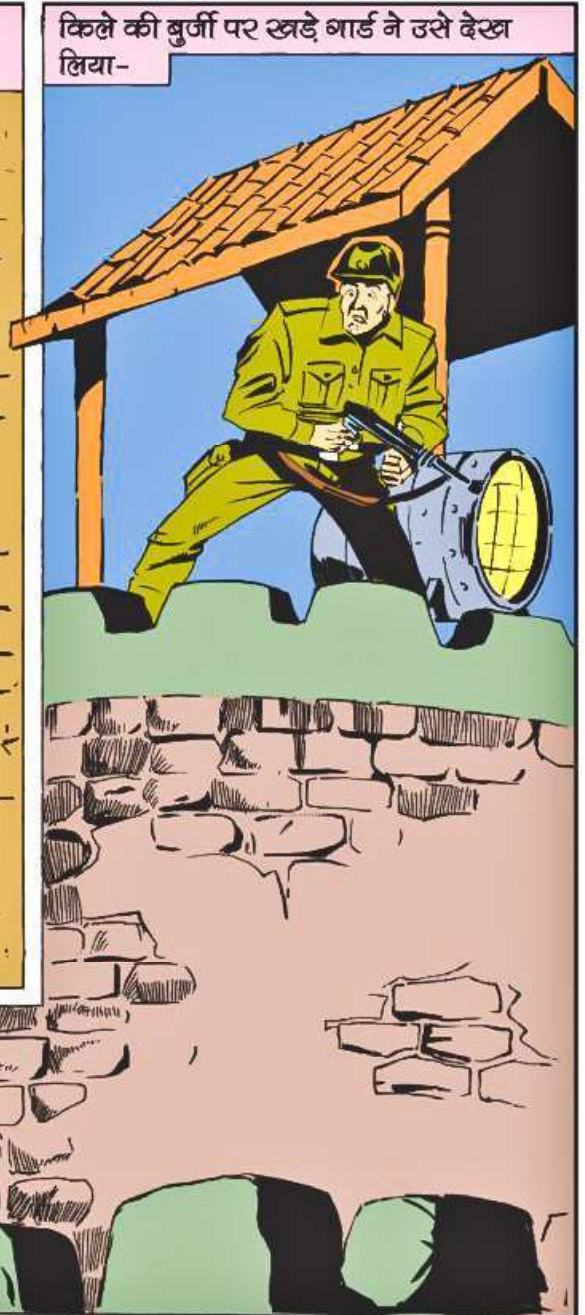
...खुला का खुला रह गया-
वह मर चुका था।

दीवार से उतरते ही नागराज का सामना हुआ एक वार्डर से-
मेरी आंखों में देखो!
??

देखो, मुझे डॉन तक पहुंचने का रास्ता बताओ।

डॉन की सैल मेन बिल्डिंग में है और जिसका गेट स्वचालित मैकेनिज्म द्वारा सिर्फ एक बजे खुलता है। अब कल एक बजे से पहले अंदर जाने के बारे में सोचना बेकार है।

तभी नागराज की दृष्टि एक मैन होल पर स्थिर हो गई!
ओह! मेन बिल्डिंग के गंदे पानी की निकासी इसी सीवर लाइन द्वारा होती होगी?

देखो! अब तुम दो घण्टे के लिए सो जाओ।
नागराज ने सोते हुए वार्डर को छिपा दिया।

काफी देर चलने के बाद एक मैन होल का आभास पाकर नागराज रुक गया-

इस समय अवश्य ही मैं मेन बिल्डिंग के ही किसी हिस्से के नीचे हूं।

नागराज ने मैन होल का ढक्कन थोड़ा सा हटाया...

''और झांक कर देखा-

लगता है यहां कोई नहीं है। मुझे बाहर निकलना चाहिये।

नागराज मैन होल का ढक्कन हटाकर बाहर आ गया था।

तुम लोगों मे से डॉन कौन है?
मैं!
मैं!
मैं!
मैं डॉन हूं!

लगता है यह समझ गए हैं कि मैं डॉन को आजाद कराने आया हूं!
देखो! मैं यहां डॉन का कत्ल करने आया हूं। अगर तुम मुझे असली डॉन का पता नहीं बताओगे, तो मैं एक-एक करके तुम सबको खत्म कर दूंगा।...

...यह मत समझना कि मैं निहत्था हूं... यह देखो मेरी ताकत!
शीघ्र ही एक नाग नागराज की कलाई से छूटा...

...और एक कैदी के गले में लिपट गया-
बचाओ-बचाओ। मैं डॉन नहीं हूं। डॉन वह है सत्तरह नम्बर कोठरी में।

नागराज सतरह नम्बर कोठरी के पास पहुंचा-
डॉन, मैं तुम्हें छुड़ाने आया हूं।
दोस्त जल्दी से सामने लगे बोर्ड का सत्तरह नम्बर बटन दबा दो!

बटन दबाते ही सत्तरह नम्बर कोठरी का दरवाजा खुल गया-
सर्र्र...

इसके बाद नागराज डॉन के साथ उसी सीवर के रास्ते से बाहर निकल गया।

उसी रास्ते पर बढ़ते हुए नागराज उसी मैन होल के नीचे पहुंच गया- जहां से वह अन्दर प्रविष्ट हुआ था। उसने ढक्कन को ऊपर उठाना चाहा लेकिन-
ओह! ढक्कन उठ क्यों नही रहा?
लाख कोशिश के बाद भी ढक्कन टस से मस न हुआ।

डॉन! हमें दूसरे मैन हाल से बाहर निकलना होगा!
दोनों अगले मैन होल की तलाश में आगे बढ़ गए।

अगले मैन होल पर पहुंचकर नागराज ने सावधानी से ढक्कन हटाया और दोनों बाहर आ गए।

बाहर आते ही दोनों भागकर दीवार पर चढ़ गए-
देखो, डॉन। उस मैन होल के ऊपर जीप खड़ी है- जिसका ढक्कन हम से खुल नहीं रहा था!

दोस्त! यह तो जेलर की जीप है! इसे काबू में कर लें तो हम आसानी से बाहर निकल सकते हैं!
अच्छा! फिर तुम मेरा कमाल देखो!
नागराज की कलाईयां हरकत में आ चुकी थीं।

जीप के पास-
अरे! सैम जीप के भीतर देखो!
अरे! सांप ही सांप!
दोनों डर की अधिकता के कारण बेहोश हो गए।
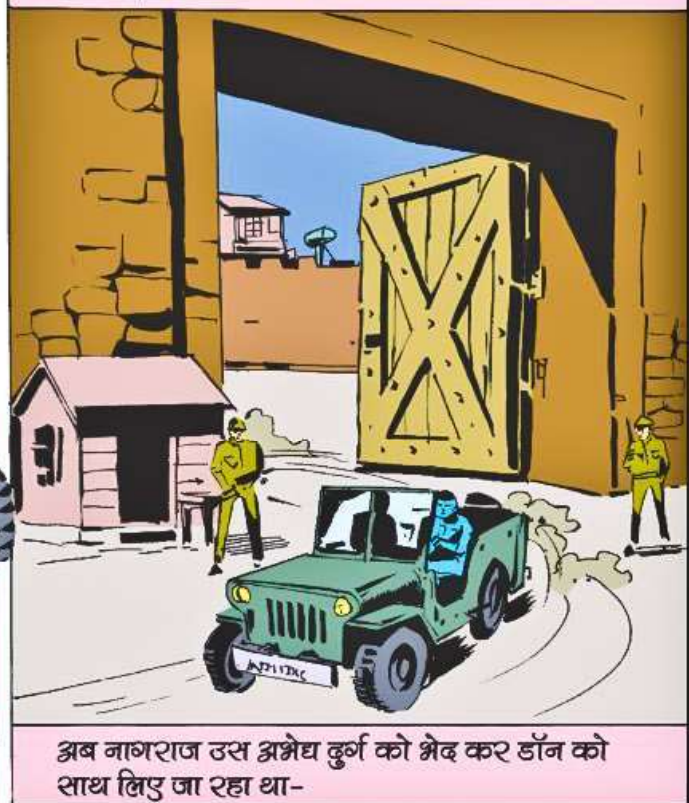
जेलर की जीप की वजह से किले का सदर दरवाजा खोल दिया गया था-
अब नागराज उस अभेद्य दुर्ग को भेद कर डॉन को साथ लिए जा रहा था-

★ क्या फ्लोरिडा अपना इंतकाम पूरा कर सकी?
★ क्या नागराज विलियम तक पहुंच सका?
★ डॉन का क्या हुआ?
यह सब जानने के
लिए पढ़ें :-

खूनी यात्रा

राज
कॉमिक्स
संख्या 50
खूनी यात्रा
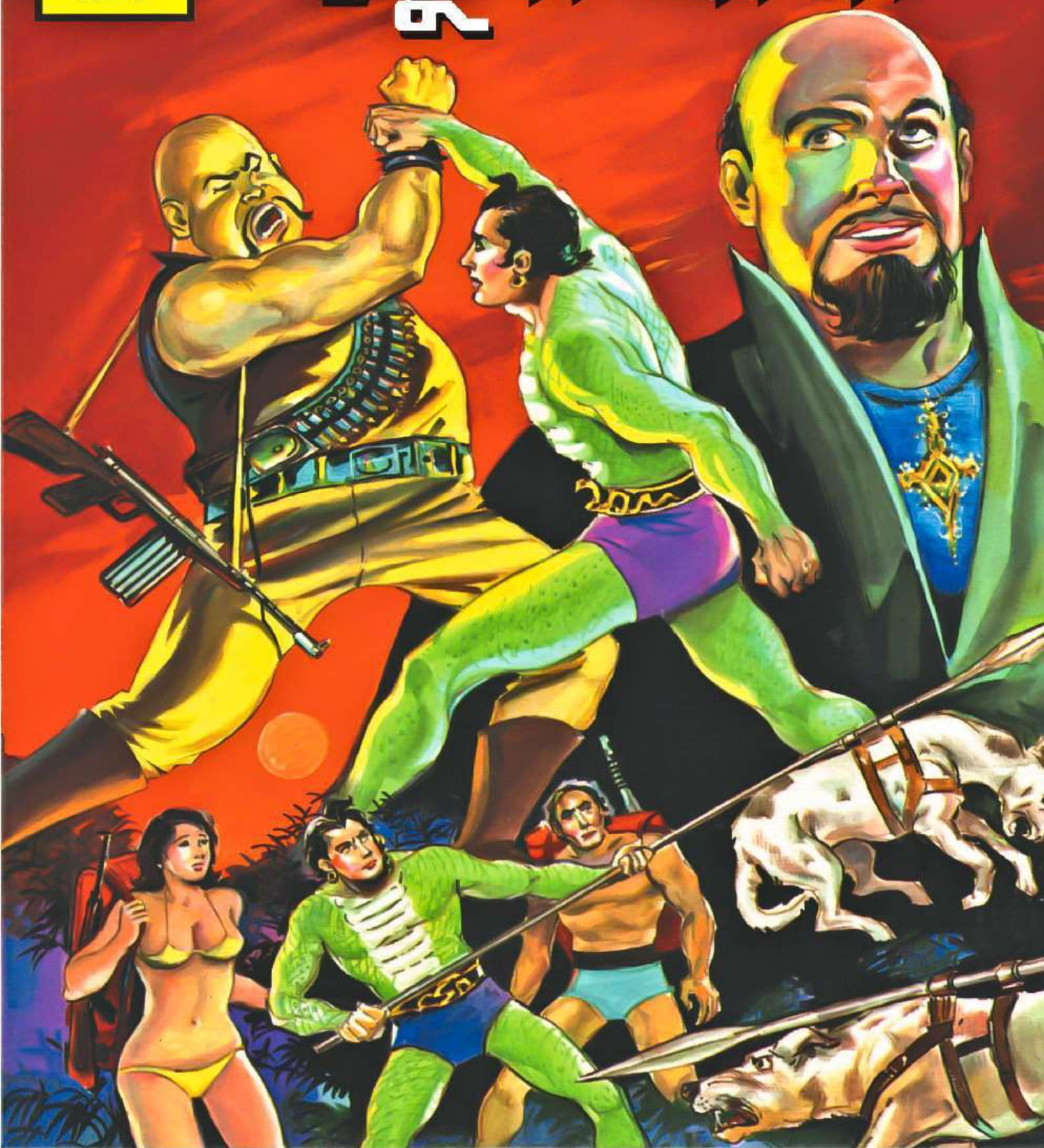
खूनी यात्रा

लेखक : संजय गुप्ता
चित्रकार : चंदु, विनय
कलादिग्दर्शक : प्रताप मुलीक
सम्पादक : मनीष गुप्ता

नागराज, जिसने विश्व से आंतकवाद व अपराध को जड़ से उखाड़ फेंकने की कसम खाई थी, बुलडाग और चांगो जैसे विश्वव्यापी अपराधियों को नेस्तनाबूत करने के बाद अब अमेरिका व पश्चिमी यूरोप के सबसे खतरनाक गैंगस्टर विलियम से टकराने जा पहुंचा था, न्यूयार्क में। न्यूर्याक में सिर्फ डॉन ही ऐसा व्यक्ति था जो नागराज को विलियम तक पहुंचा सकता था। लेकिन वह इस समय शिकागो की सर्वाधिक सुरक्षित जेल में था। नागराज डॉन को जेल से आजाद कराने के लिए शिकागो पहुंचता है। राह में उसकी मुलाकात होती है फ्लोरिडा से.. एक ऐसे साथी के रुप में.. जिसकी मंजिल भी डॉन तक पहुंचना थी। फ्लोरिडा डॉन के खून की प्यासी थी- क्योंकि उसने उसे अनाथ कर दिया था। नागराज फ्लोरिडा को बाहर छोड़कर जेल में प्रविष्ट होता है। फ्लोरिडा को डॉन की मौत चाहिए थी और नागराज को उसका जीवन। जैसे ही नागराज डॉन को लेकर बाहर आया, फ्लोरिडा ने डॉन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। यहां तक आपने पढ़ा 'खूनी खोज' में। अब आगे पढ़ें-

...फ्लोरिडा ने अंधाधुंध गोलियां बरसा दी थीं।

लेकिन इससे पहले कि एक भी गोली डॉन को स्पर्श करती...
...नागराज ने डॉन पर छलांग लगा दी...

...और उसे लेता हुआ जीप के पीछे लुढ़क गया।
धांय
धांय
धांय

चट्टान से उतरकर फ्लोरिडा जीप के पास आ गई।
नागराज! इस कुत्ते को मेरे हवाले कर दो। यह मेरे पिता का हत्यारा है। इस स्टेनगन की गोलियां भी शायद आज इसके सीने में इतनी आग भरने के लिए कम पड़ेंगी- जितनी दो साल से मेरे सीने में धधक रही है।

स्टेनगन अब नागराज के हाथ में थी-
डॉन! बाहर निकल आओ! अब कोई खतरा नहीं है।
फ्लोरिडा, अवश्य ही तुम किसी गलतफहमी की शिकार हो। मैंने आज तक किसी की हत्या नहीं की। मुझे तो इन इन्सानी खून को पानी की तरह बहाने वाले दरिंदों से सख्त नफरत है।
मुझे बताओ, तुम्हारे पिता कौन थे? मैं तुम्हारी गलतफहमी अभी दूर कर देता हूं।

अचानक फ्लोरिडा निहत्थी ही डॉन पर झपटी-
नहीं कुत्ते! तूने ही मेरे डैडी को मारा था। तूने ही वह खूनी पैकेट मेरे डैडी मेयर फ्रैंकलिन के नाम भेजा था। मैं तुझे जिन्दा नहीं छोडूंगी।
फ्लोरिडा! मेरी बात तो सुनो...

अचानक डॉन का झन्नाटेदार थप्पड़ फ्लोरिडा के गाल पर पड़ा-
...फ्लोरिडा!

फ्लोरिडा, फूट फूटकर रोने लगी-
फ्लोरिडा, खुद को सम्भालो! मैंने मेयर फ्रैंकलिन का खून नहीं किया। यह काम विलियम का है।

विलियम!
मैं तुम्हें सब कुछ बताऊंगा फ्लोरिडा...

...लेकिन फिलहाल यहां से खिसको! अंदर जेलर की जीप गायब होने की खबर फैल चुकी होगी।

तीनों कार द्वारा शहर की तरफ बढ़ गये-

और कुछ ही देर के सफर के बाद अब वे फ्लोरिडा के बंगले पर थे-

फ्लोरिडा, मैंने तो तुम्हारे डैडी को विलियम की मौत का तोहफा भेजा था। मुझे नहीं मालूम था कि वही तोहफा मेयर साहब की मौत का पैगाम बन जाएगा...

...आज से चार वर्ष पहले की बात है। आज की तरह उस समय भी न्यूयार्क व शिकागो के अण्डर वर्ल्ड में विलियम सबसे बड़ी हस्ती थी। वह न्यूयार्क का सबसे बड़ा स्मगलर था...
SEA HAWK
WILLIOM
...न्यूयार्क व शिकागो का कोई भी छोटा-बड़ा स्मगलर विलियम के आगे सर उठाने की हिम्मत नहीं रखता था। उन्हें विलियम को हर डील का कमीशन देना पड़ता था...
आज हमारे पास अफीम का दो करोड़ डालर्स का कन्साइन्मेंट आया था- जिसके प्राफिट के पचास पर्सेण्ट, तीस लाख डालर्स विलियम साहब के लिए।
यह पांच लाख डालर्स ब्राउन शुगर के प्राफिट के!
...विलियम से गद्दारी करने वाले का धंधा-पानी अगले दिन से ही बंद हो जाता था...
धड़ाम
SONY
NATIONAL
!!

...सिर्फ मैं ही एक ऐसा स्मगलर था- जिसने कभी विलियम से हार न मानी थी। मैंने उसे कभी किसी डील का कमीशन नहीं दिया था। फिर भी वह मुझे कोई भी नुकसान पहुंचाने में सफल न हो सका था...

...लेकिन एक दिन...
बॉस! विलियम की रिपोर्ट पर पुलिस ने हमारा माल से लदा ट्रक पकड़ लिया।
क्या! डॉन का माल पकड़वा दिया... विलियम ने? विलियम का साइमन सिटी वाला गोडाउन ब्लास्ट कर दो!

...उसके बाद न्यूयार्क व शिकागो में अक्सर मेरे व विलियम के गैंग्स की छोटी-बड़ी मुठभेड़ें होने लगीं।

WILLIAM
WILLIAM ENTERPRISES

...अब जरायम पेशा लोगों ने विलियम से डरना छोड़ दिया था। वे खुली जुबान से मुझ को विलियम का बाप कहने लगे थे...
टॉम! खड़े हो जाओ, यह जगह डॉन के आदमियों के लिए आरक्षित है।
और चिन्गारी सुलग उठी-
क्या बकता है...? जनता नहीं विलियम के आदमियों से बदतमीजी का मतलब मौत है।
उसने मैनेजर को हवा में उछाल दिया-
लेकिन तभी बार में डॉन के साथी प्रविष्ट हुए-
डेंगो, तुम कांउटर पर जाओ! इन्हें हम तमीज सिखाते हैं।
इसके साथ ही सबके हाथों में हथियार चमक उठे-
जैक्सन भाग जाओ, यहां से, विलियम से टकराकर मौत ही मिलेगी।
लेकिन टॉम के शब्द अर्थहीन साबित हुए।
मौत से हमने लड़ना सीखा है और मौत देना तुम्हारा नहीं ऊपर वाले का काम है।
धांय
टॉम व उसके साथियों के हाथों में से रिवॉल्वर निकल गये-
धांय
धांय
धांय

लेकिन तभी टॉम ने अपने पास पड़ी एक प्लेट घुमाकर जैक्सन पर दे मारी-
अबे, देखते क्या हो... तोड़ डालो सालों को!

सब आपस में भिड़ गए-

जैक्सन उछलकर टॉम की छाती पर चढ़ बैठा-

तभी, टॉम के दो साथियों ने जैक्सन को पकड़ लिया-
तू मेरी छाती पर बैठा जैक! मैं तेरी छाती तोड़ दूंगा।

लेकिन जैकसन के जोरदार झटके ने टॉम को अपने ही साथी पर वार करने लिए मजबूर कर दिया।

फिर उसने दोनों को सम्भलने का मौका नहीं दिया।

...और जल्दी ही सब मेरे आदमियों के काबू में थे...
हमें माफ कर दो जैक्सन! हमें छोड़ दो।

...जैक्सन से बचने के लिए टॉम को केवल बार में हुए नुकसान की कीमत ही नहीं चुकानी पड़ी, बल्कि...
बोलो हमारा बाप डॉन...
हमारा बाप डॉन...

...लेकिन एक दिन मैंने हिंसा का ऐसा बवडंर देखा, जिससे मेरी आत्मा तक कांप गई।
वह क्या?

उस रात एक बड़े डिपार्टमेंटल स्टोर के सैकेण्ड फ्लोर पर हीरों की प्रदर्शनी लगी थी। जिसमें मेरा माल भी था...

...तभी विलियम के गुण्डों ने धड़धड़ाते हुए वहां प्रवेश किया...

...और एकाएक सबको कवर कर लिया...
सब अपने हाथ उठा लें। हमें शांति से अपना काम कर लेने दें।

...फिर सब हीरे लूटकर उन्होने बंदूकों के मुंह खोल दिए...
बचाओ।
आह!
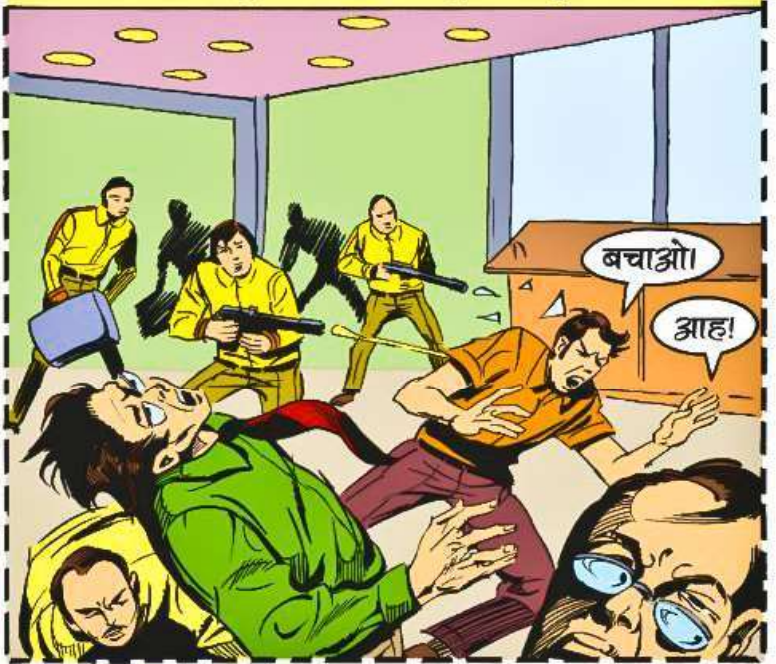
...पुलिस और मेरे आदमियों ने उनका सामना किया। लेकिन...

...वे अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे। तथा हमें दर्शकों को भी बचाकर गोली चलानी थी...

...सबको मौत बांटते हुए वे वहां से भाग निकले...

...तीन मिनट की फायरिंग ने तीन सौ लोगों की जानें ले ली थीं...

...मुझे नफरत हो गई हिंसा से, हथियार से और विलियम से...
आज से हम किसी की हत्या नहीं करेंगे।

...मैंने विलियम के सभी ठिकानों व उसके काले कारनामों की एक वीडियो कैसेट तैयार करवायी और एक पैकेट में बंद करके अपने एक विश्वासपात्र को दे दी...
लो पीटर, इसे सावधानी से मेयर फ्रैंकलिन को सौंप देना!

...लेकिन वह विश्वासघाती बिका हुआ निकला उसने वह पैकेट विलियम के आदमी को बेच दिया।

...विलियम ने उस पैकेट को खोलकर उसे लैटर बम बना दिया और तुम्हारे घर भेज दिया...
ये मेयर फ्रैंकलिन को दे देना!

...तुम्हारे पिता ने पैकट पर लिखा मेरा नाम पढ़ा और उसे खोलते ही अपनी जान गवां बैठे...

फ्लोरिडा का मन अब डॉन की तरफ से साफ हो चुका था।
विलियम अब ज्यादा सांसे नहीं ले सकेगा डॉन!
हम तुम्हारे साथ हैं फ्लोरिडा!.

लेकिन, तुम जेल कैसे पहुंचे डॉन?

मेयर फ्रैंकलिन की हत्या का दोषी मुझे ठहराया गया था...
मेयर फ्रैंकलिन की हत्या... हत्यारा डॉन लापता।

...पुलिस मेरी तलाश में थी। मैं अण्डरग्राउंड था...
STOP
STOP

...तभी विलियम ने एक समझौते का प्रस्ताव लेकर एक आदमी को मेरे पास भेजा...
आपको महान विलियम ने कोक्स पीक पर बुलाया है।
हम दो बजे कल वहां पहुंच जायेंगे।

...अगले ही दिन दो बजे जब मैं कोक्स पीक पर पहुंचा, मेरा स्वागत पुलिस ने किया...
यू आर अण्डर अरेस्ट डॉन! सरेण्डर कर दो।

...मै विलियम की चाल में फंस चुका था...
विलियम! तूने मुझे धोखा दिया। मैं तूझे तबाह कर दूंगा विलियम!
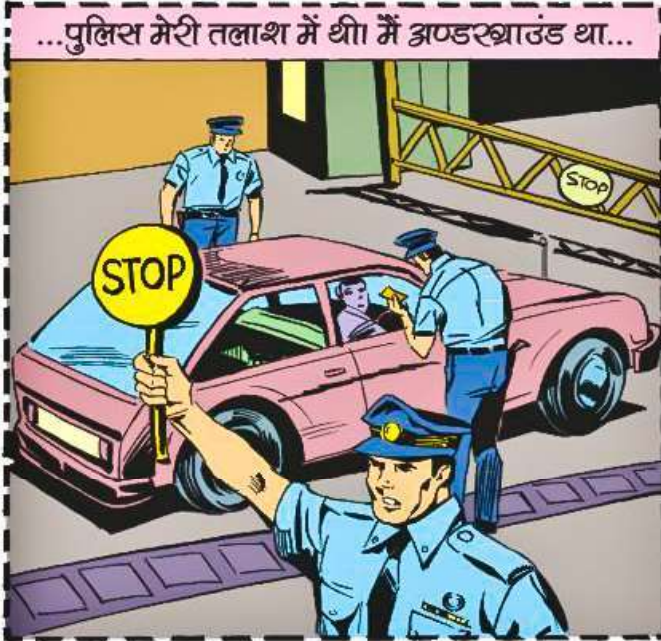
...पुलिस को विलियम की तलाश थी। मेरे मुंह से उसका नाम सुनकर उनके कान खड़े हो गए...
तुम विलियम के बारे में क्या जानते हो डॉन?
मैं...

...मैं विलियम से खुद बदला लेना चाहता था- सो मैंने उन्हें कुछ न बताया...
तुम सब जानते हो! बताओ, वह कहां मिलेगा?
मैं कुछ नहीं जानता उसके बारे में!

...विलियम का पता न बताने के कारण मेरी सजा बढ़ती गई...
मीलार्ड, हम इसे पूछताछ के लिए रिमांड पर लेना चाहते हैं।

...विलियम ने जेल में ही मेरी हत्या करवाने के कई प्रयास किए...

...एक गार्ड ने तो मुझ पर गोली ही चला दी थी...

...लेकिन मेरा भाग्य मेरे साथ था मेरे खाने के बर्तन ने मेरी रक्षा की...
खट

...उसके बाद मुझे सुरक्षा की दृष्टि से डेथ फोर्टरेस पहुंचा दिया गया...

...और वहां से तुम्हारी मेहरबानी के कारण अब मैं विलियम से बदला लेने को आजाद हूं।

डॉन! तुम दो साल से जेल में हो और इस दौरान पता नहीं विलियम कहां से कहां पहुंच गया हो?
नागराज! सांप भले ही केंचुली बदल ले-लेकिन अपनी बांबी को नहीं छोड़ता...

...विलियम का अड्डा है बोस्टन और न्यूयार्क के बीच स्थित विक्ट्री आइलैण्ड!...
...लेकिन नागराज! मुझे अभी तक यह नहीं पता चला है कि तुमने मुझे आजाद क्यों कराया है?

डॉन, मैं यहां विलियम को खत्म करने आया हूं। वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है और मैं आतंकवाद का दुश्मन हूं।

हां, वह विमान अपहरण का विशेषज्ञ है और यहां उसका स्कूल भी है- जहां वह आतंकवादी तैयार करके दूसरे देशों में भेजता है- लेकिन...

...तुम अकेले उसका क्या कर लोगे... वह यहां की दूसरी सरकार है।

मुझे अपने पर पूरा भरोसा है डॉना और फिर तुम दोनों भी तो मेरे साथ हो।
हां, हम तुम्हारे साथ हैं नागराज!

हमें विक्ट्री आइलैण्ड जाने के लिए बोट चाहिए डॉन!
वह सब इंतजाम मैं कर लूंगा।

अगले ही दिन-
यह मेरी प्राइवेट लांच है इसमें बहुत सी विशेषताएं हैं।
तुम मुझे विलियम और उसके टापू के बारे में कुछ बताओ डॉन।
SEA KING
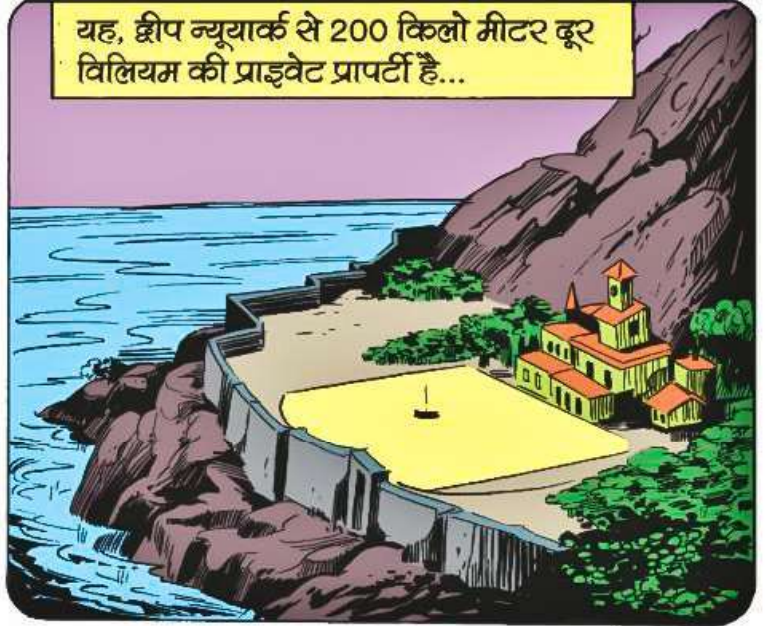
...इन्हें विलियम के महल के स्कूल में प्रशिक्षित किया जाता है...

...कुश्ती...

...उन्हें हर प्रकार के हथियारों से परिचित कराया जाता है...

...यहां तक कि हवाई हमले भी

...इनके निशाने अचूक होते हैं...

...और यह सब विलियम की देख-रेख में होता है...
शाबास! तुम सब अच्छे निशाने बाज हो...

...तुम सबकी ट्रेनिंग पूरी हुई। कल तुम सबको भारत जाना है...

...और वहां तोड.-फोड़, हिंसा-आगजनी, लूटपाट करनी हैं तथा उन विमानों का अपहरण करना है- जिनमें वी.आई.पी. सफर कर रहे हों।...

...इसके बदले में विलियम को दूसरे देशों से भरपूर धन राशि मिलती है- जिससे वह अपना छोटा सा देश चलाता है।

...साम्प्रदायिक दंगे वहां की कमजोर नस है। वहां जाओ और चारों तरफ आतंक फैला दो... हा...हा...हा...

...जिससे और देशों में भी हमारे कमांडोज की डिमांड बढे। हा... हा... हा...
हमें मालूम है बॉस! हमें वहां क्या करना है।

...टापू के तीन तरफ रेतीला तट है- जहां इतनी अधिक सुरक्षा व्यवस्था है कि समुद्र की कोई मछली भी गार्ड्स की निगाहों से बचकर टापू पर नहीं आ सकती...
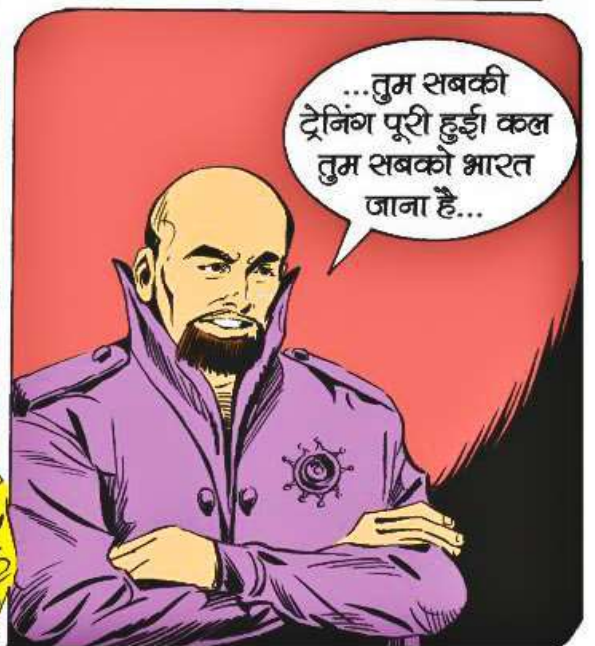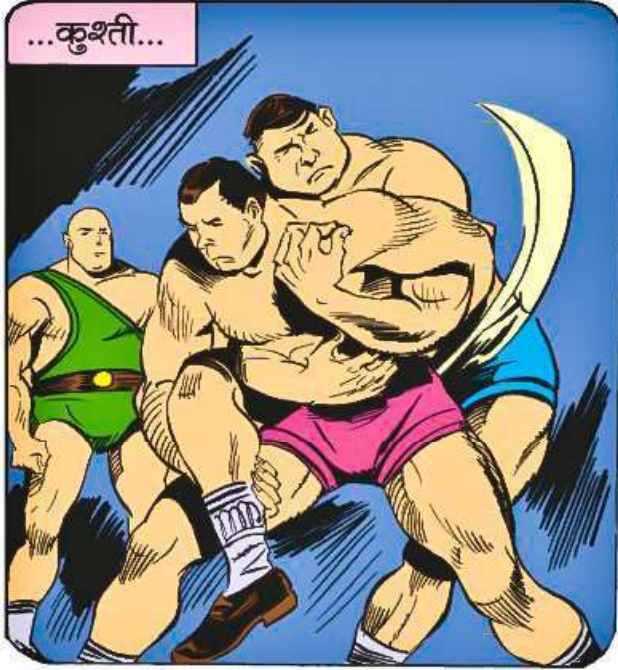
...और चौथी तरफ है एक पहाड़ी! इसी में कहीं विलियम का हैड-क्वार्टर स्थित है...

...हैड-क्वार्टर में उसका पूरा शस्त्र भण्डार है...

...और यह है ब्लड रुम, हैड-क्वार्टर में ही बना सुरक्षा का सबसे बड़ा साधन...
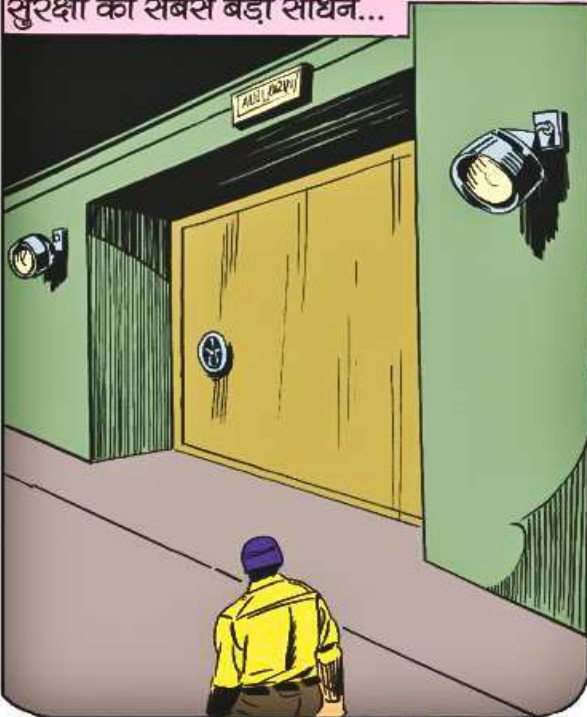
...जिसमें यह मिसाइल लांचर लगा है- जो उन्हें समुद्री एवं हवाई हमलों से बचाता है...

...समुद्र की तरफ से ये एक और फौज है- जो टापू की रक्षा किसी भी बाहरी खतरे से करने में सक्षम हैं।

और अब तक नागराज विलियम के अड्डे के बारे में काफी कुछ जान चुका था।
डॉन! हम, कितनी देर में वहां पहुंचेंगे?
तीन घण्टे में नागराज!

लेकिन टापू पर पहुंचने के दो किलोमीटर पहले ही हम लांच छोड़ देंगे। उसके बाद हम तैरकर टापू तक पहुंचेंगे...

...क्योंकि टापू के दो किलोमीटर की परिधि के समुद्र में केवल विलियम की आज्ञा से ही कोई नौका या विमान घुस सकता है...

...बिना आज्ञा की घुसपैठ होने पर राडर तोप को सचेत कर देता है।

नागराज! टापू नजर आ रहा है। एक बार फिर सोच लो। क्या तुम दोनों इतना तैर लोगे?
हां!

फिर लांच रुक गई-
नागराज! यह हथियार ले लो। मान जाओ, बहुत काम आएंगे!
डॉन! ये तुम दोनों के काम की चीजें हैं। मैं तो खुद एक हथियार हूं इन आतंकवादियों के खिलाफ।

पहले नागराज कूदा-

फिर वे दोनों भी कूद गये-
SEA HAWK
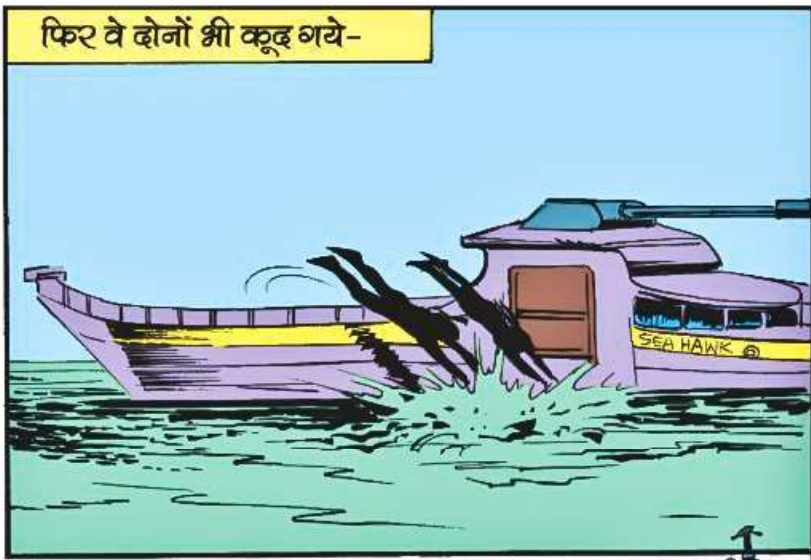
तीनों बहादुरी से तैरते हुए मंजिल की तरफ बढ़ रहे थे...

...कि तभी फ्लोरिडा हिम्मत हार बैठी...

...और डूबने लगी
बचाओ... गुलुप

नागराज आवाज सुनते ही पलटा और फ्लोरिडा की तरफ तैरने लगा।

फ्लोरिडा! मेरी कमर पर चढ़ जाओ!
फ्लोरिडा नागराज की कमर पर चढ़ गई...

...और कुछ ही देर में वे टापू पर पहुंच गये-
डॉन! काम शुरु करो!

हां, मैं यह एन्कर इस गन द्वारा ऊपर छोडूंगा- जिसके सिरे पर ये रस्सा बंधा है। एन्कर ऊपर चट्टानों में अटक जाएगा और फिर हम उसके सहारे ऊपर चढ़ जाएंगे!

डॉन ने गन ऊंची की और...
...ट्रिगर दबा दिया।

एन्कर ऊपर पहुंच गया लेकिन...

...खींचते ही नीचे आ गया।
ओह, लगता है अटका नहीं।

डॉन ने फिर कोशिश करनी चाही- लेकिन नागराज ने उसे रोक दिया।
डॉन! वक्त बरबाद न करो। आओ, दोनों मुझे पकड़ लो।

और नागरस्सी पहाड़ी की तरफ चल पड़ी
आओ, हम जल्दी ही ऊपर होंगे।

ऊपर जाकर नागरस्सी अपने आप एक चट्टान पर लिपट गई।

दोनों ने नागराज को मजबूती से जकड़ लिया। और नागराज के झटका देते ही वे ऊपर उठने लगे।

नागरस्सी जो नागराज की कलाई से निकलती है- एक विशेष इशारे पर सिमटनी शुरु हो जाती है जिससे नागराज ऊपर उठता है।
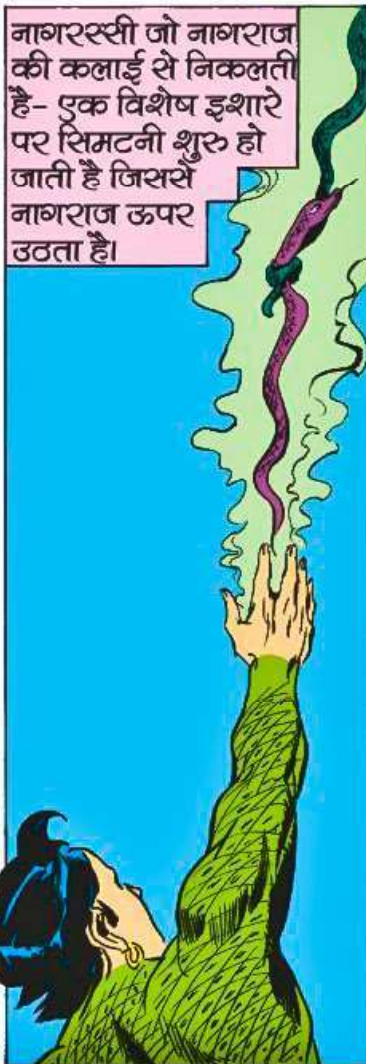
कुछ ही पलों में तीनों पहाड़ी पर पहुंच गए। और नागरस्सी पूरी सिमटकर नागराज की कलाई में चली गई।

...जहां से भी अलार्म की आवाज आती वे वहां पहुंच जाते थे।

कुत्तों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया।

ओह! लगता है। हममें से किसी का पैर अलार्म पर पड गया है। नागराज! जल्दी ही कुछ करना होगा इनके भाले विष में बुझे हुऐ हैं!

डॉन फिक्र न करो!

और-

लेकिन कुत्ते बहुत थे। नागराज हर तरफ घूमकर हमला कर रहा था फिर भी-
नागराज, बचो!

डॉन ने कुत्ते को टांगों से पकड़कर उठाया...

...और जोर से उछाल दिया।

तभी-
आह्ह!

वुफ वुफ

नागराज ने उसे अलग करना चाहा, लेकिन...

...उसकी बैल्ट खुल गई और भाला नागराज के हाथ में आ गया।

नागराज ने भाला उसकी पीठ में पेवस्त कर दिया।
पैं.sss

फिर उसे फ्लोरिडा से दूर उछाल दिया-

पें...ऽऽऽ

तब तक सब कुत्ते या तो मर चुके थे या मैदान छोड़ चुके थे।

तुम फिक्र न करो। मैं सब संभाल लूंगा।

टेलो ने चारों तरफ देखा- लेकिन उसे कुछ ना दिखा-

अरे, सब कुत्ते कहां गए... अरे...
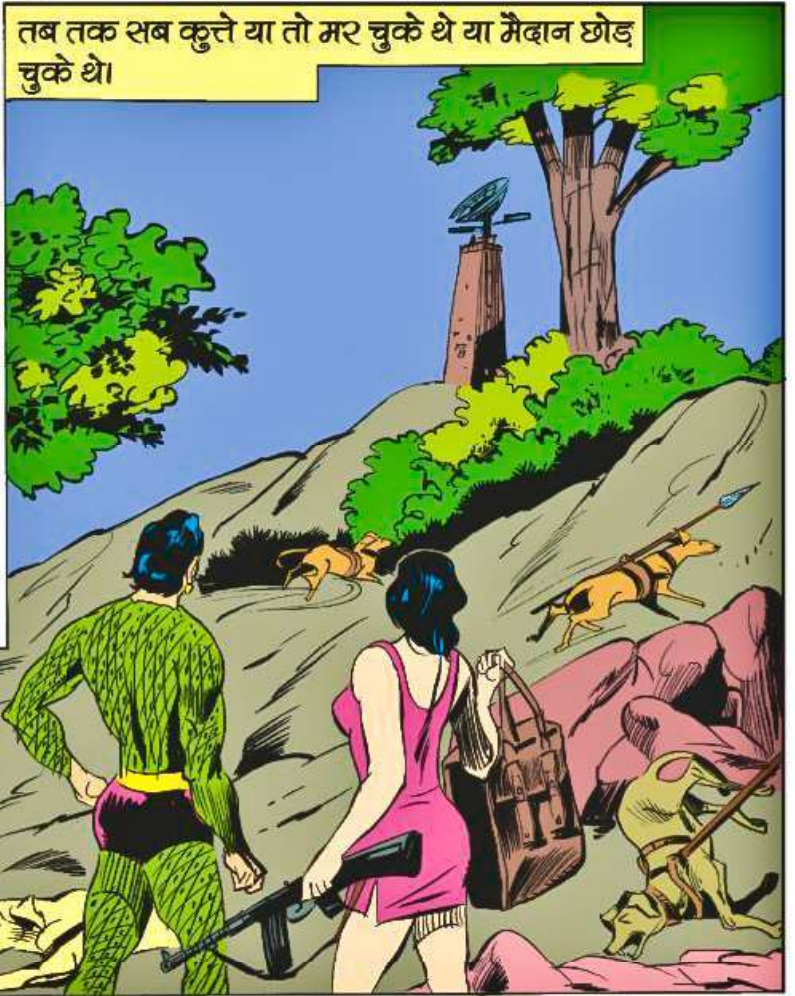
इससे पहले कि टेलो कुछ समझ पाता, नागरस्सी ने टेलो को जकड़ लिया।

और अगले ही क्षण नागराज ऊपर पहुंच गया।
नागरस्सी के खुलते ही टेलो नागराज पर झपट पड़ा-
टक
उफ.

- क्या नागराज टावर से गिरकर बच सका?
- क्या नागराज विलियम तक पहुंचने में सफल हुआ?
- क्या फ्लोरिडा विलियम से इंतकाम ले सकी?

यह सब जानने के लिए पढ़ें :-

"नागराज का इंसाफ"

राज
कॉमिक्स
संख्या 51
नागराज का
इंसाफ
PRATAP MULICK

नागराज का इंसाफ

लेखक : संजय गुप्ता
कलादिग्दर्शक : प्रताप मुलीक,
चित्रकार : चंदू, विनय
सम्पादक : मनीष गुप्ता

पिछले अंकों 'खूनी खोज' व 'खूनी यात्रा' में आपने पढ़ा कि नागराज विश्व के बड़े-बड़े अपराधियों का खात्मा करता हुआ इस बार अमेरिका व पश्चिम यूरोप के सबसे खतरनाक गैंगस्टर विलियम की तलाश में न्यूयार्क जा पहुंचा था। न्यूयार्क में सिर्फ डॉन ही ऐसा व्यक्ति था जो विलियम का पता जानता था। नागराज उसे फ्लोरिडा नाम की एक लड़की की मदद से विश्व की सर्वाधिक सुरक्षित जेल से छुड़ाता है। नागराज का पता चलता है कि स्वंय डॉन व फ्लोरिडा भी विलियम के खून के प्यासे हैं। अतः तीनों मिलकर एक लांच द्वारा विलियम के टापू पर पहुंचते हैं। टापू पर पहुंचते ही उनका मुकाबला होता है शिकारी कुत्तों की एक विशाल फौज से। इन कुत्तों का काम तमाम करके तीनों अभी आगे बढ़े ही थे कि पहाड़ी पर स्थित राडार स्टेशन के रक्षक टेलो की निगाह बेहोश कुत्तों पर पड़ गई। लेकिन इससे पहले कि वह अलार्म बजा पाता, नागराज ने टावर पर चढ़कर उसे जकड़ लिया। परन्तु टेलो भी कम नहीं था...

...उसने नागराज को उठाकर टावर से नीचे उछाल दिया-

नागराज जमीन से टकराया...
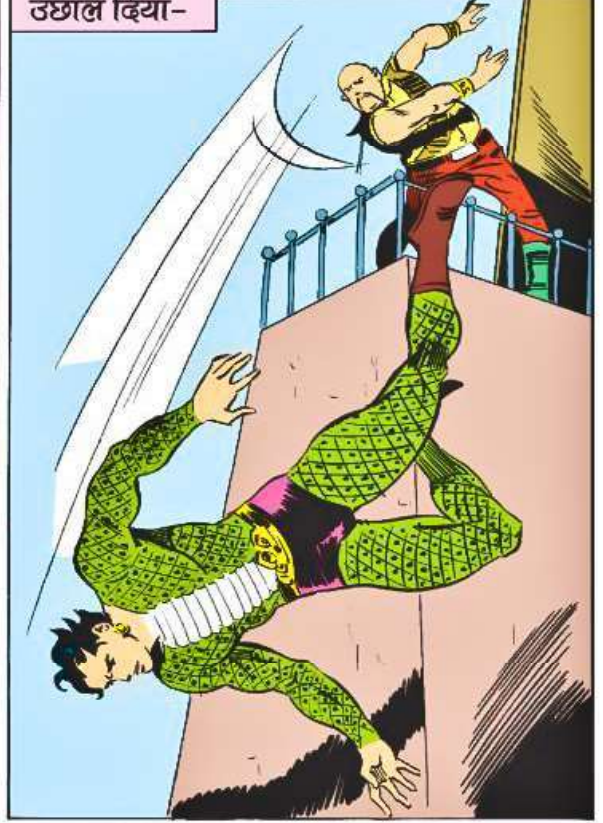
और बेहोश हो गया-

हा... हा... हा...
चूहा!

टेलो इस बात से अनभिज्ञ था कि उनकी जंग के दौरान फ्लोरिडा व डॉन ऊपर आ चुके हैं।

ढिशुम

लेकिन डॉन के प्रहारों का टेलो पर कोई असर न हुआ...
??
...उसका हाथ दर्द से झनझना उठा-

अब बारी टेलो की थी-
आह

इससे पहले कि टेलो दूसरा प्रहार करने की सोचता...

...फ्लोरिडा ने उसके सिर पर रॉड दे मारी-
ले मर!
आह!
चोट की पीड़ा से तिलमिला उठा टेलो...

...उसने कंधे पर लटकी गन उतारी और फ्लोरिडा पर तान दी-
मैं तुझे जिन्दा नहीं छोड़ूंगा!
नहींSSS

नीचे नागराज को होश आ रहा रहा था।
आ... आह! यह मुझे क्या हुआ था!

फिर जैसे उसकी छटी इन्द्री चेती-

नागराज टावर पर चढ़ा तो अचंभित रह गया-

फ्लोरिडा पर तनी टेलो की गन के हरकत में आने से पहले नागराज हरकत में आ चुका था।

और इसके साथ ही टेलो ने ट्रिगर दबा दिया...
तड़.
तड़.

...लेकिन स्टेनगन का रुख अब आसमान की तरफ था-
तड़
तड़
तड़
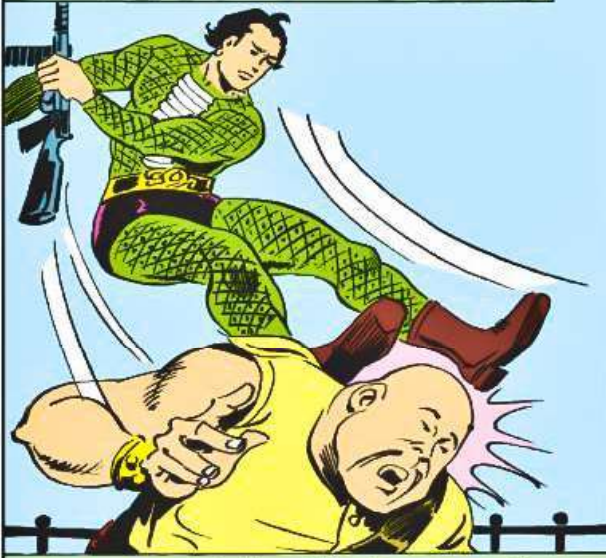
नागराज ने गन उसके हाथ से छीनी और...
...पलटकर दोनों लातें चेहरे पर जड़ दीं।

इसके बाद नागराज उसे सम्भलने का अवसर दिये बिना उसके सीने पर सवार हो गया।

नागराज ने अपने घुटनों से उसकी गर्दन दबानी शुरु कर दी और...

...कराटे का एक मजबूत वार उसकी कनपटी पर किया।

टेलो ने तत्काल ही दम तोड़ दिया।

नागराज ने टेलो को सलाम किया।
तुम पहले शख्स थे टेलो, जिसने मुझे चोट पहुंचाई।

फिर तीनों टावर से नीचे उतर आए।
डॉन! मैं और फ्लोरिडा विलियम के महल में जाएंगे। इस बीच तुम्हें विलियम का मिलिट्री हैडक्वाटर ध्वस्त करना है...

...हर महत्वपूर्ण इमारत व रास्तों पर ठीक पांच बजे फटने वाले टाइम बम फिक्स करने होंगे और सबसे अंत में बल्ड रुम में प्रविष्ट होकर मिसाइल लांचर का रुख विलियम के महल की तरफ करने के बाद ठीक पांच बजे मिसाइल्स दागनी हैं।
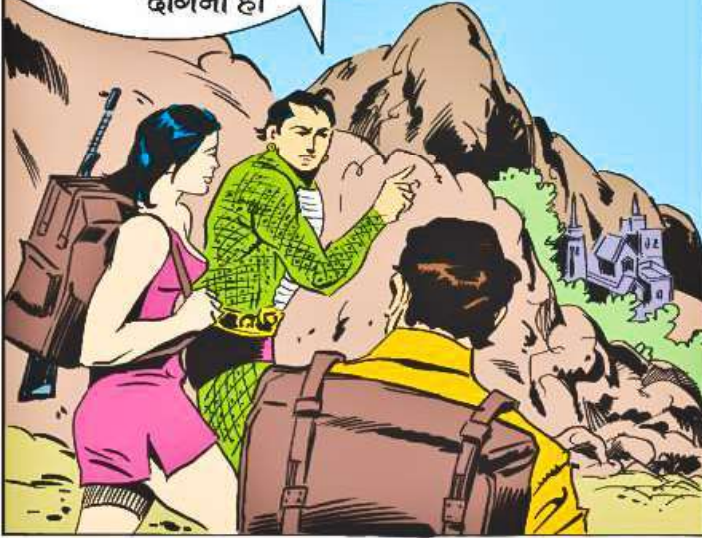
लेकिन नागराज अगर तुम पांच बजे से पहले महल से न निकल सके तो जानते हो क्या होगा?

मैंने बहुत सोचा है दोस्त! लेकिन महल पर मिसाइल्स छोड़ना बेहद जरुरी है क्योंकि हो सकता है हम दोनों विलियम को मारने में सफल न हो पाएं।

तीनों पहाड़ी से नीचे उतरकर एक सड़क पर आ गए।

छुप जाओ! लगता है कोई वाहन ऊपर आ रहा है।

नागराज ने डॉन को हैडक्वार्टर के पास ही जीप से उतार दिया-
अलविदा नागराज! जिन्दा रहे तो लांच पर फिर मिलेंगे।
माई फ्रेंड! मानवता की रक्षा के लिए लड़ते हुए मरने वाले कभी नहीं मरते, बल्कि अमर हो जाते हैं।
WAY TO MILITARY H.Q

डॉन को छोड़कर नागराज की जीप आगे बढ़ गई।

पहाड़ी से उतरकर शहर को पार करते हुए...

दोनों जल्द ही विलियम के महल के सामने पहुंच गए-
नागराज! इतनी सुरक्षा के रहते हम कैसे अंदर जाएंगे?
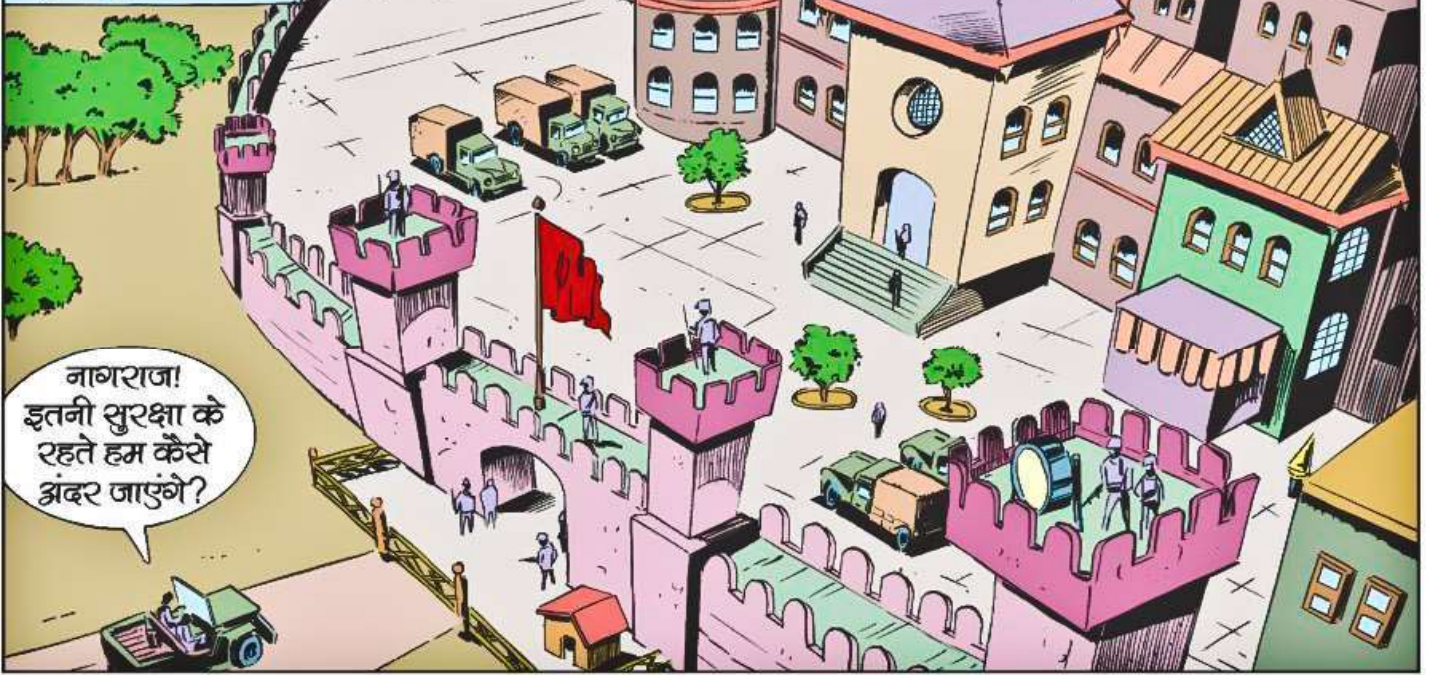
नागराज ने मन ही मन भयानक फैसला किया और जीप आगे बढ़ा दी।
फ्लोरिडा! अब खेल सबके सामने होगा।

जीप एक धमाके के साथ फाटक से टकराई...
धड़ाम

...और फाटक को तोड़ती हुई महल के प्रांगण में प्रविष्ट हो गई।
धांय
धांय
धांय

नागराज ने सैनिकों पर सांप छोड़ने शुरु कर दिए-

सांप!
आह!

आह!
ओह!

तभी एक ट्रक स्टार्ट हुआ और नागराज की जीप के सामने आ गया।
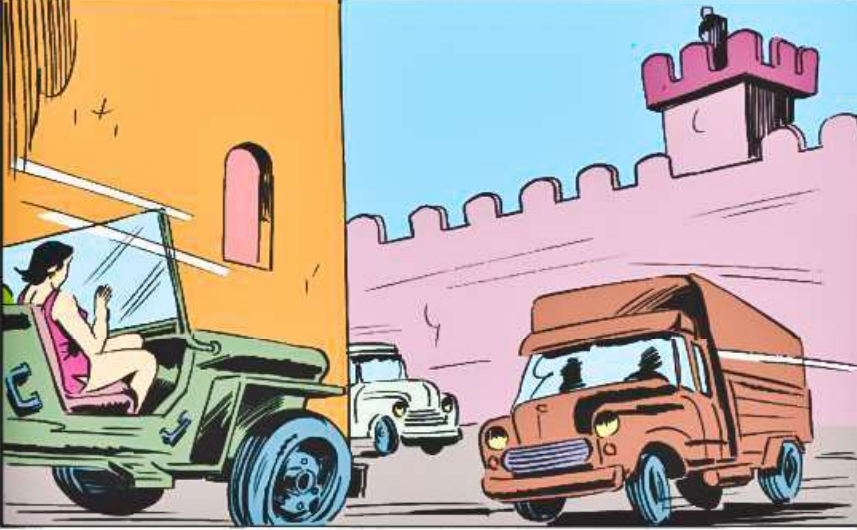
इससे पहले कि जीप अचानक ही सामने आए ट्रक से टकराती-
फ्लोरिडा कूदो!

और -
धड़ाम

जीप से कूदते ही नागराज और फ्लोरिडा को विलियम के गार्ड्स ने घेर लिया-
खड़े हो जाओ! कोई गलत हरकत की तो गोलियों से भून देंगे।

नागराज व फ्लोरिडा ने सहर्ष ही स्वंय को उनके हवाले कर दिया क्योंकि वे जानते थे कि उन्हें विलियम के सामने ही पेश किया जाएगा।

गार्ड दोनों को स्टेनगनों के साये में लिए हुए महल में प्रविष्ट हुए।
बॉस से बात कराओ!
अभी करवाता हूं!

सर! हमारे साथ नागराज व फ्लोरिडा हैं।

हॉल में विलियम का स्वर गूंजा-
इन्हें सम्मानपूर्वक ग्लास रूम में ले जाओ!

कुछ ही देर बाद दोनों विलियम के दरबार, ग्लास रूम में थे।
वेलकम! मिस्टर नागराज!

नागराज! देखो ऑक्टोपस!
हूं!

नागराज! तुम्हें यहां का पता किसने बताया? तुम यहां तक पहुंचे कैसे?

विलियम ने तीन बार ताली बजाई।

फलस्वरुप एक गदाधारी योद्धा हॉल में प्रविष्ट हुआ।

...अब अगर तुम्हें हमारी दोस्ती मंजूर हो तो जंगारू का हाथ थाम लो, नहीं तो युद्ध के लिए तैयार हो जाओ।

युद्ध...

नागराज का जीवन एक युद्ध ही तो है तुम जैसी समाज की दीमकों के खिलाफ

नागराज की आवाज बिजली बनकर उन पर पड़ी। एक बार तो सभी का खून जम गया। लेकिन फिर...

...जंगारू ने अपनी गदा नीचे रखी और-

हूऽऽऽ हाऽऽ

हूं! टाइगर स्टाइल का जानकार लगता है।

उधर डॉन जब हैडक्वार्टर के द्वार के पास पहुंचा-

इतनी कड़ी सुरक्षा! अंदर जाना तो बेहद मुश्किल है।

अचानक सामने खड़े ट्रकों को देखकर डॉन की आंखें चमकने लगीं।
अहा! आइडिया!

इस ट्रक को खाई में धकेल देता हूं!

और-
चट्टानों से टकराता हुआ ट्रक गहरी खाई में जा गिरा...

...और एक धमाके के साथ आग की लपटों में घिर गया।

गगन भेदी धमाके की आवाज सुनकर द्वार पर खड़े सभी सैनिक खाई की तरफ भागे।
देखो तो!
अरे! क्या हुआ?

और डॉन ट्रकों की आड़ में द्वार तक पहुंच गया।

फिर उसने भीतर प्रविष्ट होने में देर न लगाई।

अंदर उसने अपने आप को एक सुरंग में पाया-

डॉन अभी कुछ ही आगे बढ़ा था कि एक तेज आवाज सुनकर रुक गया।
लगता है कोई रेल अंदर आ रही है।
धड़... धड़... धड़...

डॉन गुफा की दीवार से चिपककर खड़ा हो गया और रेल के पास आते ही...

...जम्प लगाकर एक डिब्बे पर चढ़ गया।

डॉन ने एक पेटी खोली-
अरे ये तो बारुद है।

इसका मतलब बारुद से भरी यह ट्रेन बारुद भण्डार में जा रही है।

डॉन ने अपना बैग खोला और एक टाइम बम निकाला-
तीन बजे हैं। पांच बजे का टाइम फिक्स कर देता हूं!

आगे सुरंग खत्म हो रही थी। डॉन डिब्बों के बीच में छिप गया-
अगर यह पेटी पांच बजे तक बारुद भण्डार में पहुंच गई तो अकेली ही विलियम की आधी लंका ढहा देगी।
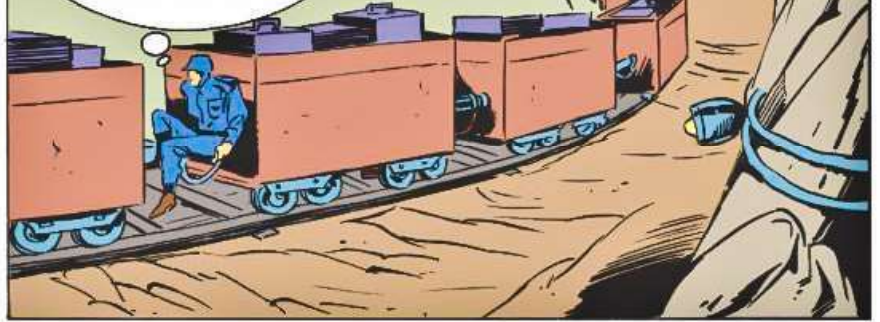
सुरंग से बाहर आते ही डॉन रेल से कूद गया।

रेल के जाने के बाद-
अब मुझे सैनिक छावनी का सबंध बाकी टापू से तोड़ना है और इसके लिए इस गुफा के मुहाने पर टाइम बम फिट करने होंगे।

ठीक पांच बजे टाइम बम फटेगा और गुफा का मार्ग बंद हो जाएगा।

टिक
टिक
टिक

इसके बाद डॉन सामने नजर आते एक छोटे पहाड़ पर चढ़ने लगा।

और कुछ ही देर बाद वह पहाड़ के ऊपर से घाटी में फैली छावनी का दृश्य देख रहा था।

पुल को बिना किसी की नजर में आए ऊपर से पार करना असम्भव है। मुझे पुल को नीचे से लटककर पार करना होगा।

डॉन चट्टान की ओट से निकला और पहाड़ी उतरने लगा।

एक लम्बा चक्कर लेता हुआ वह पहाड़ी से उतरता रहा...

...और फिर चढ़ता हुआ ठीक पुल के नीचे आ गया।

पुल पर बंधे मजबूत रस्सों के सहारे लटकता हुआ डॉन आगे बढ़ने लगा।

पुल के ठीक बीच में पहुंचकर डॉन ने अपने बैग से एक और टाइम बम निकाला और...
...पुल पर फिट कर दिया।

टिक
टिक
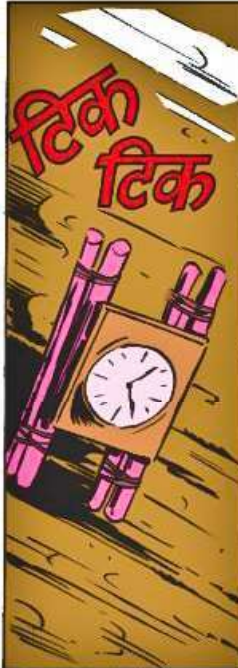
इसके बाद डॉन उसी तरह मौत के झूले पर झूलता हुआ दूसरी तरफ पहुंच गया।

नीचे से एक लम्बा चक्कर काटता हुआ डॉन सड़क पर आ गया।
ओह! चार बज गए! मुझे एक घण्टे से पहले ही ब्लड रूम तक पहुंचना है।

अभी वह ब्लड रूम तक पहुंचने के बारे में सोच ही रहा था कि सामने से आते दो ऑफिसर्स ने उसे सैल्यूट मार दिया-
ओह! इसका मतलब... मैंने काफी बड़े ऑफिसर की वर्दी पहनी हुई है।

अब डॉन कुछ निश्चिन्त हो गया। उसने सामने से आती एक जीप को रुकवाया।
मिस्टर, मेरी जीप खराब हो गई है। मुझे ब्लड रूम तक छोड़ देना।
आइए सर!

उधर विलियम के महल में जंगारू पर नागराज ने अपने बांए हाथ के घूंसे का एक प्रचण्ड प्रहार किया।
ले संभाल मेरा बांया हाथ।
गर्र्र्ऽऽऽ
जंगारू ने झपटकर उसका वापस जाता हाथ थाम लिया...
गर्र्र्र्र्र्
...और तेजी से घुमाने लगा।
हफ हफ
गर्र्र्
फिर अचानक उसने नागराज को छोड़ दिया।
नागराज दूर जा गिरा।
फ्लोरिडा ने नागराज को सहारा दिया।
नागराज! चोट तो नहीं आई?
लेकिन नागराज ने जवाब नहीं दिया।
उसने बला की तेजी से जम्प लगाई-
और अगले ही पल वह जंगारू के सामने पहुंच गया।

उसने एक प्रचण्ड घूंसा उसकी पसलियों में दे मारा-
गर्र र
आह्
उसकी फ्लाईंग किक ने जंगारू के जबड़े को हिला डाला-

फिर नागराज ने उसे संभलने का कोई मौका नहीं दिया-

उसे अपने ऊपर से उछाल फेंका-

जंगारू उछलकर अपनी गदा के पास जा गिरा।
आह्!

जंगारू ने मजबूती से गदा थाम ली। अब उसकी आंखों में नागराज की मौत नाच रही थी-

जंगारु ने गदा का भरपूर वार नागराज पर किया।
गर्र ई ऽऽऽ
लेकिन नागराज वार को बचा गया।

गदा शीशे के फर्श पर जोर से टकराई-
छनाक ऽऽ छन

गदा के लगातार प्रहारों से फर्श कई जगहों से टूट गया।

तभी-
आह! नागराज बचाओ!
नागराज ने नागरस्सी छोड़ी-
बहुत हुआ दरिन्दे! अब तेरा अंत आ ही गया!
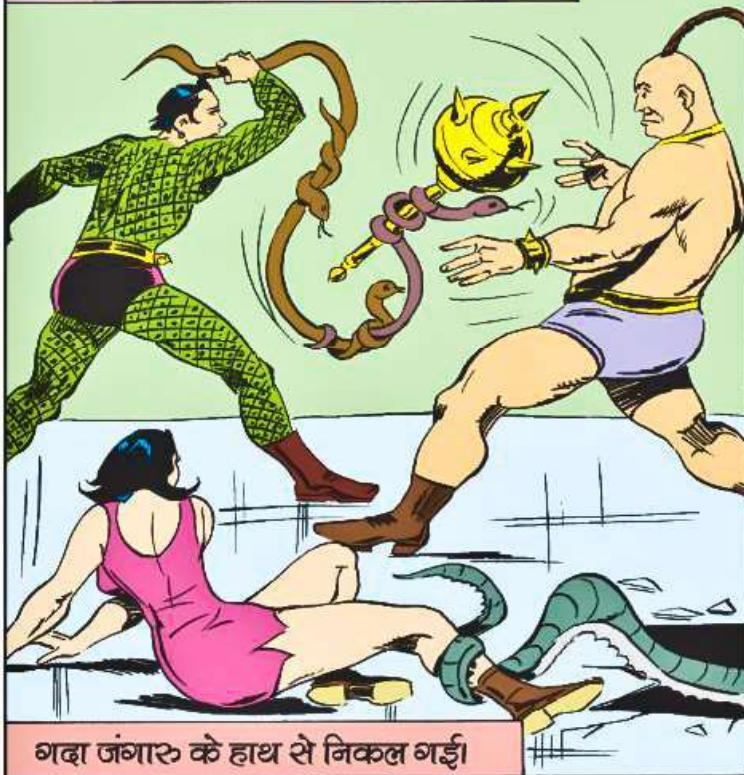
नागराज ने नागरस्सी को झटका दिया।
गदा जंगारू के हाथ से निकल गई।
नागराज ने आगे बढ़कर उसकी चोटी पकड़ी और...
...उसकी गर्दन में फंदा डालकर कस दिया।
गर्र र्र र्र ऽ आह!
जंगारू के प्राण पखेरू उड़ गए।
धाम्म
नागराज फ्लोरिडा को बचाने के लिए बढ़ा ही था कि...
घबराओ मत फ्लोरिडा! मैं आ रहा हूं।
...विलियम ने एक बटन पुश कर दिया।

फलस्वरुप शीशे का फर्श बीच में से फट गया और-

ऑक्टोपस अपनी आठों बांहों में फ्लोरिडा को जकड़ चुका था।

नागराज ने नीचे डुबकी लगाई...
और टूटे हुए फर्श का कांच का टुकड़ा निकाल लाया।

फिर उसने नोकीले शीशे का वार ऑक्टोपस की आंख पर किया।

जख्मी ऑक्टोपस ने दर्द से छटपटा कर फ्लोरिडा को छोड़ दिया।

इससे पहले कि ऑक्टोपस दोबारा हमला करता, नागराज के हाथ से आठ नागरस्सी निकलीं।

आठों नागरस्सी ऑक्टोपस की प्रत्येक बांह पर कस गईं।

अब नागराज की बांहों व ऑक्टोपस के बीच में एक स्तम्भ था नागराज ने पूरी शक्ति बटोरकर नागरस्सियों को खींचना शुरु कर दिया-

और अगले ही पल ऑक्टोपस की आठों बांहें धड़ से अलग हो गईं।
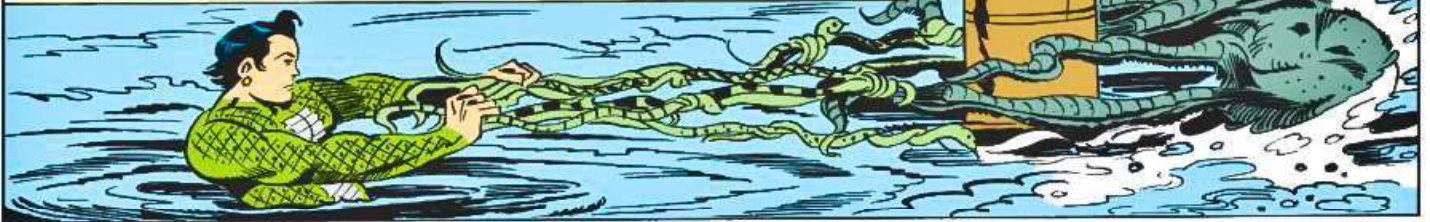
नागराज पलटकर तैरता हुआ फ्लोरिडा के पास पहुंचा।

इस बीच विलियम तालाब के किनारे पहुंच गया था।

विलियम ने नागराज पर स्टेनगन तान दी।
वैलडन दोस्त! वैलडन! अब अपनी बहादूरी का इनाम पाने के लिए तैयार हो जाओ!
विलियम ने स्टेनगन का मुंह खोल दिया।

लेकिन गोलियां नागराज को छू भी न सकीं...
तड़...
तड़...
...बीच में अभागी फ्लोरिडा जो आ गई थी।

नहीं, फ्लोरिडा नहीं! यह तुमने क्या किया? काश! तुम्हें पता होता कि मुझ पर गोलियों का असर नहीं होता!

नागराज... मेरा... बदला... इंसाफ... आह... हिच!
फ्लोरिडा ने दम तोड़ दिया।

नागराज फ्लोरिडा का शव लेकर बाहर आया।
विलियम! जानता है यह अब तक सिर्फ तेरी हत्या करने के लिये जीवित थी...

...इसे मारकर यह ना समझ कि तूने अपनी मौत को धोखा दे दिया। तूने इसके साथ बहुत बेइन्साफी की है...

नागराज की आवाज ने विलियम को जड़ कर दिया।
...आज इसे इंसाफ जरुर मिलेगा।

नागराज ने एक ही झटके में उसकी गर्दन उखाड़ दी।

विलियम के मरने के बाद उसके सैनिकों को होश आया।
अरे! इसने तो मास्टर को मार दिया!
मारो इसे!
उड़ा दो!

लेकिन-
ठहरो!

सबके हथियार उठे के उठे रह गये।
मूर्खों! मुझ पर गोलियां बरबाद करने की जगह अपनी जान बचाओ...

..तुम्हारे मिलिट्री हैड-क्वार्टर में पांच बजे के टाइम बम फिक्स किए जा चुके हैं। जो अब से आधे घण्टे बाद फटेंगें...

...और ठीक उसी समय इस महल पर तुम्हारे मिसाइल लांचर से मिसाइल्स भी छूटने लगेंगी। फिर न तुम रहोगे और न यह टापू।

कुछ ही मिनटों में सारे टापू निवासी समुद्र किनारे खड़ी लांचों की तरफ भाग रहे थे।

नागराज ने विलियम के गुप्त कक्ष की तलाशी ली।
अहा! मिल गए सारे दस्तावेज...

...इनमें बाहर के देशों में फैले आतंकवादियों के पते व काले कारनामें दर्ज हैं।

नागराज ने फ्लोरिडा का शव उठाया-
ओह! केवल दस मिनट शेष हैं। शीघ्र ही मुझे विलियम के हैलीकॉप्टर तक पहुंचना होगा।

उधर मिलिट्री हैडक्वार्टर में जीप ड्राइवर ने डॉन को ब्लड रुम के पास उतार दिया।
ओह पांच बजने में केवल दस मिनट हैं। मुझे शीघ्रता करनी होगी।

थोड़ी देर में वह ब्लड रुम के सामने था।
ओह लगता है, इस वक्त अंदर कोई नहीं है।
DANGER NO ENTRY

वाल्ट के सामने पहुंचकर डॉन ने लीवर घुमाया।

लॉक खुल गया। डॉन ने दोनों दरवाजे जैसे ही सरकाये-
SSS
DANGER NO ENTR
अरे बापरे! यह तो सायरन बज उठा।

डॉन तेजी से अंदर घुस गया।
सब मामला गड़बड़ हो गया।

वाल्ट को अंदर से लॉक कर लेता हूं।

डॉन तेजी से बढ़ता हुआ कंट्रोल रूम में आ गया-
ओह! पांच बजने में केवल पांच मिनट रह गए हैं।
उसके हाथ तेजी से विभिन्न यंत्रों से खेलने लगे।

इधर सायरन ने सभी सैनिकों को सजग कर दिया
वूं...ऊं...वूं...
क्या हुआ?

सब ब्लड रूम के बाहर जमा हो गए।
वूं...ऊं... ऊं...
रूम में इस वक्त कौन गया होगा?
DANGER
NO ENTRY

खोलो इसे!
सर! यह अंदर से लॉक है।

गैस से काट दो इसे! क्विक! हरी अप!
यस सर

दो सैनिक वाल्ट को गैस से काटने लगे-
जल्दी करो! लगता है कोई दुश्मन जासूस यहां आ गया है।
DANGER
NO ENTRY
किर्र ss ई...
किर्र sss ई ss

उधर डॉन ने एक लीवर घुमाकर मिसाइल लांचर का रुख महल की तरफ कर दिया।
किर्रऽऽऽर्र
ओह! लगता है दरवाजा काटा जा रहा है।

तभी बाहर कहीं गगनभेदी विस्फोट की आवाज से कंट्रोल रुम में जलजला सा आ गया।
ओह! लगता है पांच बज गए हैं और रेल वाले टाइम बम ने बारुद भण्डार को उड़ा दिया है।
बड़ाम

डॉन ने एक बटन पर उंगली रख दी-
गॉड! अगर मैंने आज तक कोई अच्छा काम किया हो तो उसके बदले नागराज व फ्लोरिडा को विलियम के महल से निकाल लेना।

मिसाइल लांचर से मिसाइल्स निकलकर महल की तरफ बढ़ने लगीं।

बाहर वाल्ट काटते सैनिकों ने धमाकों की आवाज सुनी तो बारुद भण्डार की तरफ भागे।
बड़ाम

क्या हुआ?
भागो!
हमला!

धड़ाम

बड़ाम

इसके बाद विक्ट्री टापू की वह छोटी सी पहाड़ी मानो ज्वालामुखी बन गई।
धड़ाम
बड़ाम

पहले महल को छावनी से जोड़ने वाला पुल ध्वस्त हुआ...
खड़ाक

फिर गुफा का मुहाना बारूद से भरी एक अन्य रेल को अपने साथ ले डूबा-
धड़ाम
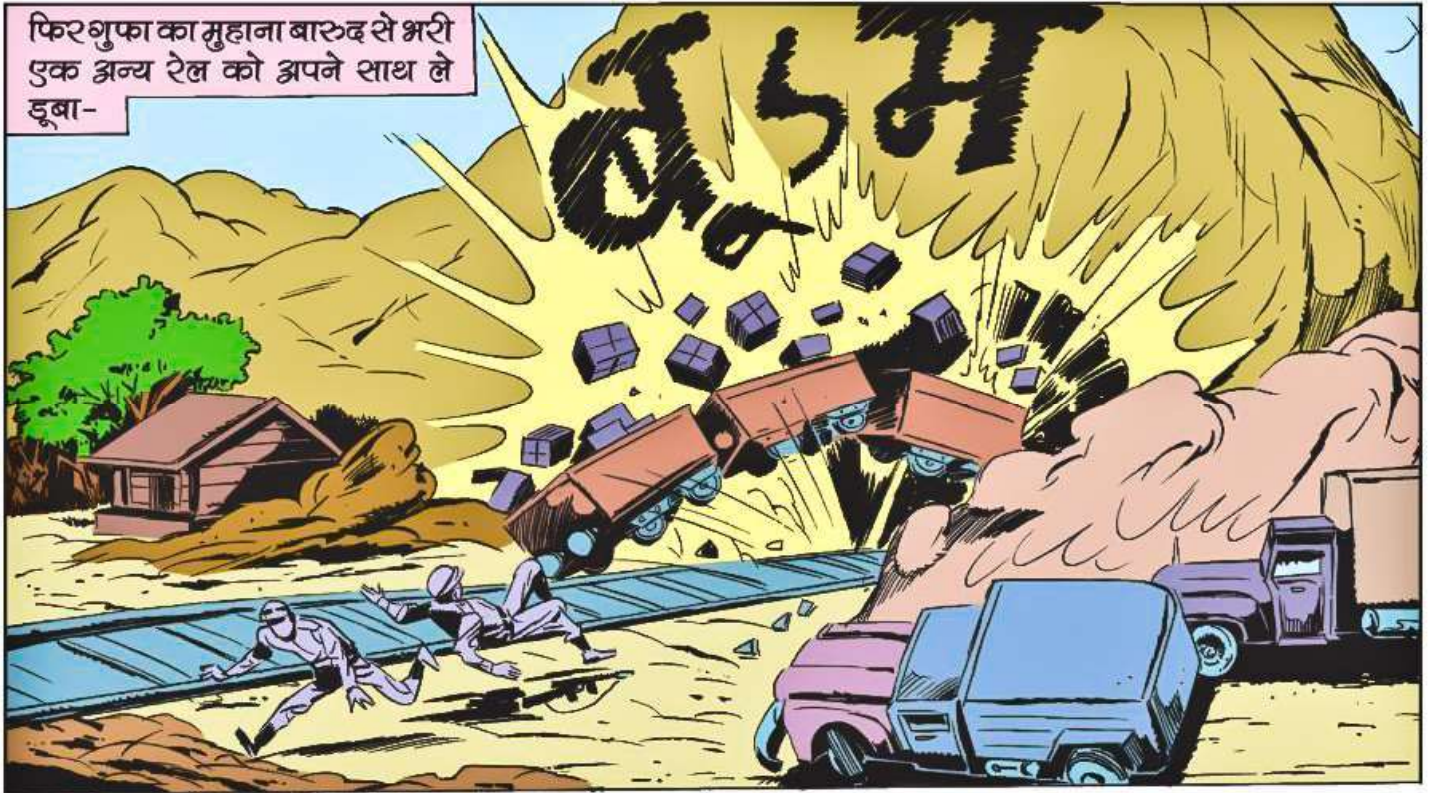
उधर नागराज विलियम के महल के ऊपर हैलीकॉप्टर से उड़ा जा रहा था।

ओह! पांच बज गए हैं। लेकिन...

और तभी मिसाइल्स ने महल ध्वस्त कर दिया।
धड़ाम
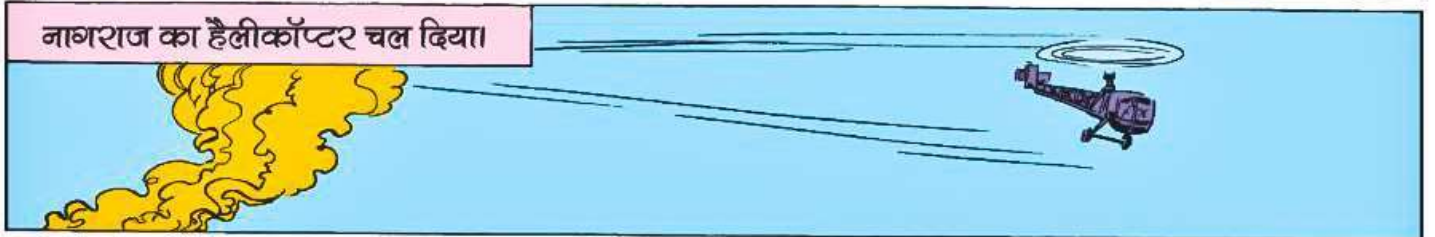
उधर डॉन ने कंट्रोल रुम का पिछला दरवाजा खोला-

अरे वाह! बस थोड़ी सी ढलान पर ही मेरी निकासी का रास्ता नजर आ रहा है।

पहाड़ी से उतरकर डॉन समुद्र में कूद गया।

बस कुछ ही घंटों में लांच पर पहुंच जाऊंगा।

लगभग दो घंटे बाद नागराज ने लांच पर डॉन का स्वागत किया।
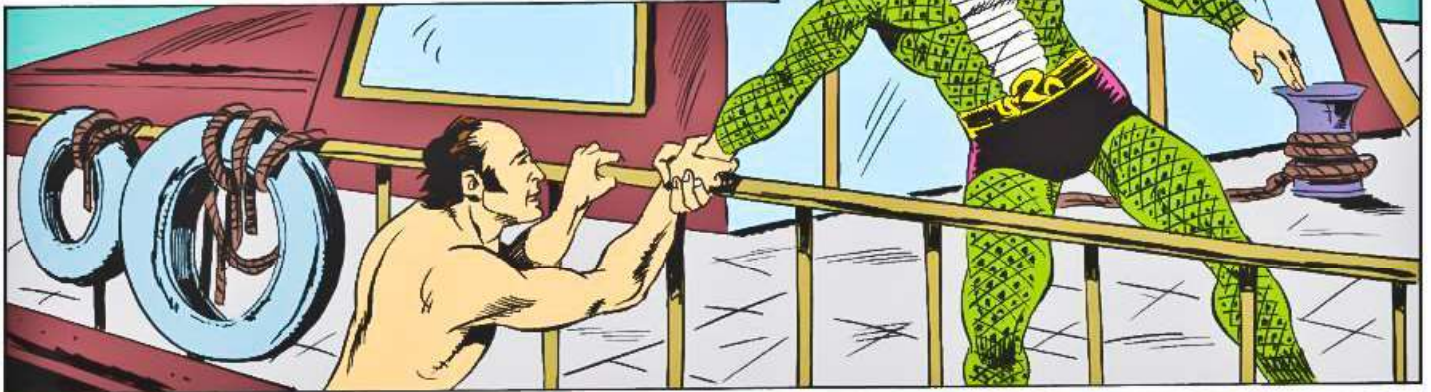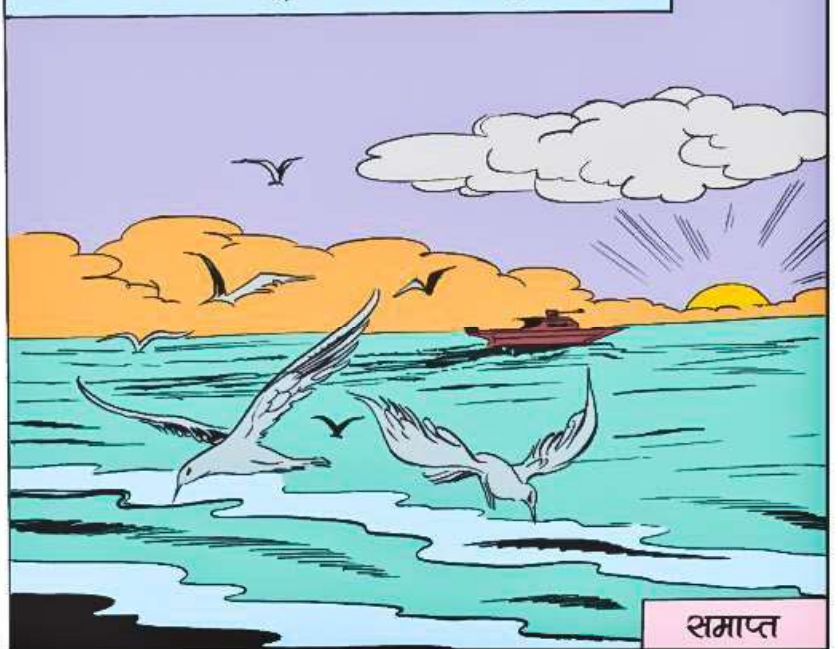
राज
कॉमिक्स
संख्या 0065
खूनी जंग
नागराज
इस कॉमिक के साथ नागराज का
पोस्टर मुफ्त
PRATAP MULICK

खूनी जंग

लेखक : राजा
कलानिर्देशक : प्रताप मुलीक
चित्रकार : मिलींद मुलीक
कैलिग्राफी : विनय एस. कुमार
संपादक : मनीष गुप्ता

स्टेनगन्स के साए में वे नागराज को विमान के इमरजेंसी डोर के पास ले आए ।
जल्दी यहां से बाहर कूद जाओ नागराज!
मैंने यहां कुछ किया तो गोली-बारी में कई निर्दोषों की जान जा सकती है । इससे अच्छा तो बाहर कूद जाता हूं ।

और नागराज आगे बढ़ गया ।
जय गुरु गोरखनाथ!
गुरु गोरखनाथ के बारे में जानने के लिए पढ़ें — नागराज की प्रथम कामिक्स 'नागराज'

उसने विमान से छलांग लगा दी —

अब नागराज आकाश की अनन्त गहराईयों में डूबता जा रहा था।
मुझे मानवता की भलाई के लिए जिन्दा रहना है... मगर कैसे?
नागराज ने ऐसी विकट परिस्थिति में भी अपने होश नहीं खोए थे।

एकाएक नागराज की कलाईयों से नागरस्सी निकली —
अरे, ये नागानंद और नागनाश कहां चले ?
नागानन्द और नागनाश दोनों नाग नागराज के शरीर में वास करने वाले असंख्य नागों के प्रमुख हैं ।

फिर हवा में ही नाग आपस में गुंथने लगे...
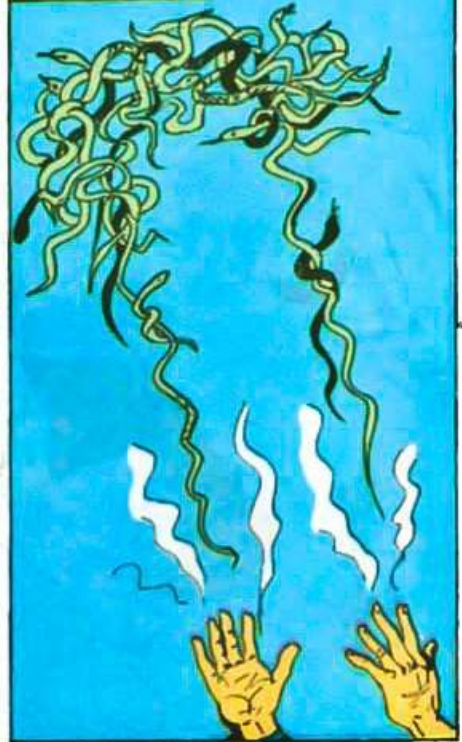
और देखते ही देखते नागरस्सी ने पैराशूट का रूप धारण कर लिया।
ओह नागानंद नागनाथ, तुमने नागराज की नहीं, मानवता की रक्षा की है।
पैराशूट नागराज को लिए इस समय फ्रांस की राजधानी पैरिस के ऊपर मंडरा रहा था।
एक गेम्बलिंग फाईट एरिना के बाहर एक फोटो ग्राफर लड़की ने नागराज को एक अजीबोगरीब पैराशूट के सहारे उतरते देखा तो उसने नागराज की फोटो खींच ली —
GAMBLING FIGHT ARENA
CKET COUNTER
अरे! यह कैसा पैराशूट है?
किलक
HOUSE-FULL
गेम्बलिंग फाईट एरिना : अखाड़ा जिसमें जुआरी दो पहलवानों पर पैसा लगाते हैं।

नागराज उस सुन्दर लड़की के पास ही उतरा —
क्लिक

सभी नाग वापिस उसकी कलाई में समाने लगे।
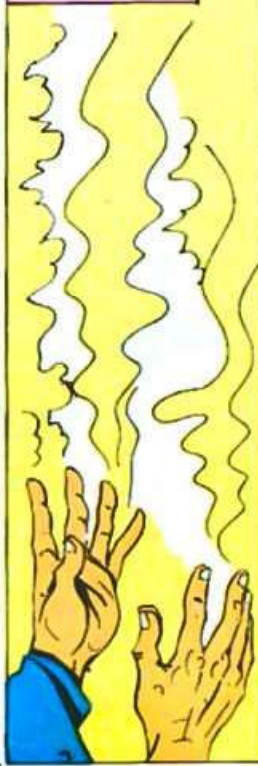
नागराज के सामान्य होने पर —
हैलो नागराज! मेरा नाम टीना है। मैं वर्ल्ड टुडे की चीफ रिपोर्टर हूं।
हैलो...
टीना ने नागराज को उसके नाम से पुकारकर स्तब्ध कर दिया।

उनके चारों तरफ भीड़ लग गई थी।
मेरे ख्याल में इस भीड़ को देखते हुए हमें अंदर चलना चाहिए। वहीं सब बातें होंगी।
चलो!
टीना नागराज को लेकर अखाड़े की तरफ बढ़ने लगी।

प्रेस कार्ड दिखाकर वह नागराज को रिंग के बिल्कुल पास ले आई।
अभी यहां कैफी और क्रो में रेसलिंग फाईट होने वाली है। मैं उसी को कवर करने यहां आई हूं।
रेसलिंग फाईटर कैफी! इसी से मिलने तो मैं यूरोप आया हूं, लेकिन...

... तुमने मुझे पहचान कैसे लिया?
नागराज, हमारे न्यूयार्क संवाददाता ने विलियम और तुम्हारी जंग की पूरी जानकारी मुझे भेजी थी...

...जिसमें तुम्हारे फोटोग्राफ्स भी थे।
लेकिन नागराज तुम इस समय पेरिस में कहां से टपक पड़े?
टीना, मैं यूरोप से...
नागराज ने टीना को विमान में घटी सारी घटना सुना दी।

ओह, इस दुनिया में कदम-कदम पर तुम्हारे दुश्मन मौजूद हैं।
दोस्त भी तो हैं। और लगता है फाईट भी अब शुरु होने वाली है।
कैफी और क्रो रिंग में उतर चुके थे।
कैफी-कैफी!
कैफी-
लगता है कैफी काफी लोकप्रिय है यहां।
हां, पैरिस में इससे बड़ा फाईटर कोई नहीं है।
कैफी... कैफी
फाईट शुरू हो गई।
लड़ तो बच्चों की तरह रहा है!
देखना जीतेगा यही।
टन
दो राउण्ड बाद प्रतियोगिता कैफी की जीत पर खत्म हुई।
कैफी... दा विनर!
देखो, मैंने कहा था ना कैफी ही जीतेगा।
हां, तुमने ठीक कहा था।
दोनों एरिना से बाहर आ गये —
मुझे कैफी से मिलना है टीना!
एक घंटे बाद मैं तुम्हें उससे मिलवा दूंगी।
एक घण्टे बाद दोनों कैफी के ड्रेसिंग रूम में थे।
हैलो कैफी, मैं नागराज! मुबारक हो!
हैलो, थैंक्यू!

कहो कैसे आना हुआ ?
मुझे न्यूयार्क के डॉन ने भेजा है। मैं डिसिल्वा के पहलवान सोलो से गेम्बलिंग फाईट करना चाहता हूं।

कैफी ने डॉन की चिट्ठी पढ़ी-
यह ठीक है नागराज, कि तुम्हें महान डॉन ने भेजा है, लेकिन सोलो का मुकाबला यूरोप और अमेरिका में तो क्या पूरे विश्व में नहीं है और फिर तुम्हारा नाम तो विख्यात पहलवानों में भी नहीं है। तुम पर पैसा कौन लगाएगा ... सॉरी नागराज।

कैफी, वैसे तो नागराज को किसी को अपनी योग्यता दिखाने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन तुम खुद एक पहलवान हो। आओ, दो-दो हाथ हो जायें।

मुझे मंजूर है। हाथ बढ़ाओ!

नागराज ने जैसे ही कैफी का हाथ पकड़ा ...

...कैफी ने उसे अपने ऊपर से उछाल दिया।

लेकिन नागराज बड़ी कुशलता से कलाबाजी खाकर जमीन पर खड़ा हो गया।

नागराज ने पलक झपकते ही पेंतरा बदलकर एक फ्लाईंग किक कैफी की कमर पर जड़ दी—
आह!
तड़ाक
क्लिक

कैफी दरवाजा तोड़ता हुआ बरामदे मे गिरा—
खऽड़ऽक

कैफी उठकर अंदर आया।
वाह, मानना पड़ेगा। डॉन ने किसी गलत आदमी को नहीं भेजा।

उसने नागराज से हाथ मिलाया—
हां भई, पैरिस के शूरवीर कैफी को पछाड़ा है तुमने!
तो तुम सोलो से फाईट अरेंज कर रहे हो।

अगले दिन—
नागराज! मेरी बात डिसिल्वा से फोन पर हुई। वह शनिवार को मोण्टकार्लो से सोलो को लेकर यहां आएगा और फाईट रविवार को होगी।
ओ. के. कैफी! अब रविवार को मिलेंगे, एक "खूनी जंग" के लिए।

नागराज कैफी से विदा लेकर टीना से मिलने "वर्ल्ड टुडे" पहुंचा।
WORLD-TO DAY BUIL
थर्टी फैंक्स मिस्टर! नागराज!
हाए!
नागराज हैरान था कि टैक्सी ड्राईवर उसे कैसे जानता है!

टैक्सी का किराया चुकाकर वह अंदर पहुंचा—
मुझे चीफ रिपोर्टर मिस टीना से मिलना है।
ओह! आप नागराज हैं ना? मिस टीना नाइन्थ फ्लोर रूम नम्बर नाइन ओ फोर में बैठती हैं।

नागराज परेशान सा एक्सप्रेस लिफ्ट पर सवार हुआ।
नाइन्थ फ्लोर...
यस सर!

नौवें फ्लोर पर पहुंचकर लिफ्ट रुकी—
सर, कृपया आटोग्राफ दे दीजिए
क्या?

लिफ्ट से निकलकर वह रूम नम्बर 904 के सामने रुका।
क्या हो गया है आज! जो मिलता है वही पहचान लेता है!

नागराज ने दरवाजे को धकेला—
अजीब खामोशी है यहां!
MISS TINA

नागराज!
नागराज!

अंदर एक बड़े हंगामे ने नागराज का स्वागत किया ।

नागराज...

तालियां..!

WELCOME NAGRAJ
SUPER HERO
WORLD TODAY

हॉल में नागराज के स्वागतार्थ एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था ।

नागराज, इनसे मिलो । हमारे समाचार पत्र के चीफ एडीटर मिस्टर हावर्ड ।

हैलो !

हैलो !

डेली प्लेनेट के सर्कुलेशन मैनेजर मिस्टर रॉबर्ट्स

हैलो ।

प्रोब के चीफ रिपोर्टर मिस्टर केलसन!

हैलो !

हैलो !

और जान-पहचान के इस लम्बे दौर के बाद ...

... नागराज प्रेस संवाददाताओं के सवालों का जवाब देने के लिए खड़ा हो गया।
नागराज, आप यूरोप कैसे पहुंचे?
नागराज, आप यूरोप किसलिए आए हो?
नागराज! कुलडाग, शांगो और विलियम के बाद अब तुम्हारा निशाना कौन है?
आपने एक साथ इतने सवाल पूछ लिए। मैं सबका जवाब बारी-बारी से देता हूं।

नागराज ने सर्वप्रथम उन्हें अपने पैरिस में आश्चर्यजनक ढंग से उतरने की घटना सुनाई।
मैं यहां मानवता और यूरोप वासियों की भलाई के लिए आया हूं...

D TODAY
...और मेरा पहला निशाना है आगामी इतवार को मोण्ट कार्लो का मशहूर पहलवान सोलो!
क्या यूरोप में आपका कोई और भी लक्ष्य है?

नागराज, हम सब आपकी असाधारण शक्ति का प्रदर्शन देखना चाहते हैं!
नहीं, यह मैं अभी नहीं बताऊंगा। मेरी कार्य-प्रणाली अत्यंत गुप्त होती है।

नागराज कुछ क्षण सोचकर बोला —
देखो भाईयो, नागराज की शक्ति कोई सार्वजनिक प्रदर्शन की चीज नहीं है। लेकिन मैं यूरोप के अपने बन्धुओं को निराश नहीं करूंगा। जो सम्मान और प्यार आप सबने दिया है, मैं उसका बहुत आभारी हूं।

नागराज की बात समाप्त होते ही हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजउठा –
तड़-तड़-तड़
तड़-तड़-तड़
नागराज ने ओवरकोट उतारकर अपने हाथ सीधे किए और ...

...उसकी कलाईयों से एक साथ कई नाग निकलकर...
सांय
सांय
...हॉल में बैठे लोगों की तरफ लपके...

...और देखते ही देखते सबके ताली बजाते हाथों से लिपट गये।
सांय

कुछ तो भय से चीख ही उठे –
बचाओ नागराज। सांप!
नहीं!
सांप!

कृपया इनसे डरिये मत। ये मेरे आदेश पर चलते हैं और केवल गलत लोगों को ही काटते हैं।

लीजिए, आप कहते हैं तो मैं इन्हें वापिस बुला लेता हूं।
कहने के साथ ही नागराज ने इशारा किया और सारे नाग वापिस उसकी कलाई में समाने लगे

सांपों के वापस जाने पर लोगों की जान में जान आई।
ओह, जान बची। मुझे तो सांप के नाम से ही डर लगता है।
मेरी तो जान ही निकल गई थी।
नागराज, कुछ और दिखाओ ना!

नागराज की कलाई से फिर नागरस्सी छूटी...
शूं..ऽऽ

...और छत पर लगे फानूस पर लिपट गई।

नागराज ने शरीर को झटका दिया और...

...हॉल में बैठे लोगों के ऊपर से गुजरता हुआ...
वाह!
वण्डरफुल!
आश्चर्यजनक!

...सामने की दीवार पर चिपक गया ।

फिर उसने नागरस्सी वापस खींच ली...
छू मंतर

...और दीवार पर रेंगने लगा —

फिर छत से होता हुआ...

... वह वापस स्टेज पर उतर गया ।
तड़-तड़-तड़
धप्प

नागराज, आप ये करतब कैसे करते हो?
यह मेरे लिए कोई करतब नहीं वास्तविकता है। जिस प्रकार आप जमीन पर चलते हैं, उसी प्रकार मैं दीवारों पर या छत पर रेंगता हूं।
फिर वह कान्फ्रेंस समाप्त हो गई।

सबके जाने के बाद नागराज टीना से बोला –
टीना, मुझे एक बात नहीं समझ आती... आज पैरिस में जिससे भी मिला, वह मुझे पहले से ही जानता था और अब यह प्रेस कांफ्रेंस।

इसका जवाब तुम्हें आज का अखबार देगा।
WORLD TODAY
HEROIC ENTRANCE OF A SUPER POWER IN EUROPE NAGRAJ
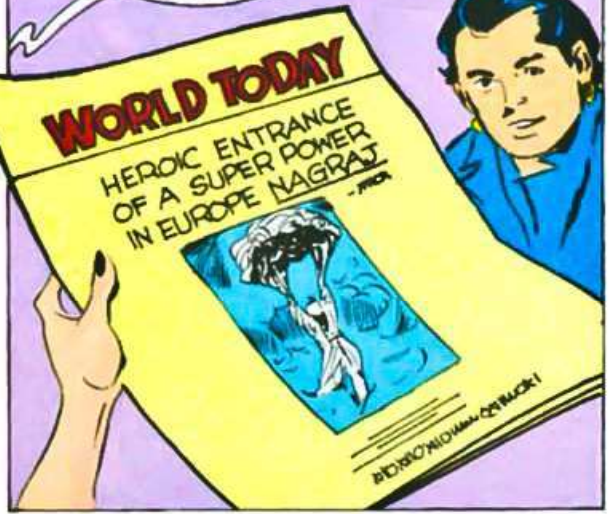
अखबार पढ़कर नागराज को समझते देर न लगी कि क्यों लोग उसे पहचान रहे थे।
ओह, अब सब समझ में आ गया।
और तुम्हारा मुझसे यहां मिलने का वायदा था ही। इसलिए मैंने प्रेस कांफ्रेंस बुला ली।

ओह नागराज! तुम नहीं जानते, पैरिस में तुम्हारा कितना क्रेज है। इस न्यूज को पढ़ने के बाद हमारे ऑफिस में सुबह से हजारों फोन आ चुके हैं। और कल के अखबारों को देखना, तहलका ही मचा देंगे।

टीना, परसों की फाईट में तुम जरूर आना।
ओह नागराज, तुमने यह कहकर मुझे बहुत खुशी दी है।

कुछ देर बाद –
चलो नागराज, अब घर चलें।
चलो।

रविवार की शाम बहुत गरम थी, मौसम के कारण नहीं, नागराज और सोलो के बीच होने जा रही खूनी जंग के कारण। आज होने वाली फाईट के टिकट सुबह काउंटर खुलते ही हाथों-हाथ बिक गए थे। एरिना लोगों से ठसाठस भर चुका था। जहां उपस्थित भीड़ अपने हीरो सोलो के इंतजार में नारे लगा रही थी, वहीं यदाकदा नागराज का नाम भी दो-चार लोगों की जुबान पर था।

कुछ क्षणोपरान्त नागराज एरिना में प्रविष्ट हुआ।

टीना ने आगे बढ़कर उसका स्वागत किया।

हॉल तालियों की गड़गड़ाहट और लोगों के शोर से हिल गया, जब सोलो भारी सुरक्षा में एरिना में प्रविष्ट हुआ।

सोलो रिंग में प्रविष्ट हुआ। दोनों ने अपनेओवर कोट उतार दिए।

पहले राउण्ड का घण्टा बजते ही नागराज और सोलो एक दूसरे के सामने डट गए।
इसे तो दो मिनट में धूल चटा दूंगा।
पता नहीं, किस स्टाईल से लड़ता है यह!

कुछ क्षण नागराज को आंककर सोलो भयानक गति से आगे बढ़ा।
डकार
एक टक्कर ही काफी होगी।
!

इससे पहले कि सोलो नागराज से टकराता, नागराज फुर्ती से एक तरफ हट गया।
सांय

वार खाली जाता देख, सोलो संभलकर खड़ा हो गया।
ओह, फुर्ती है इसमें दांव-पेच से काम लेना चाहिए।

सोलो ने एक भयानक छलांग भरी—
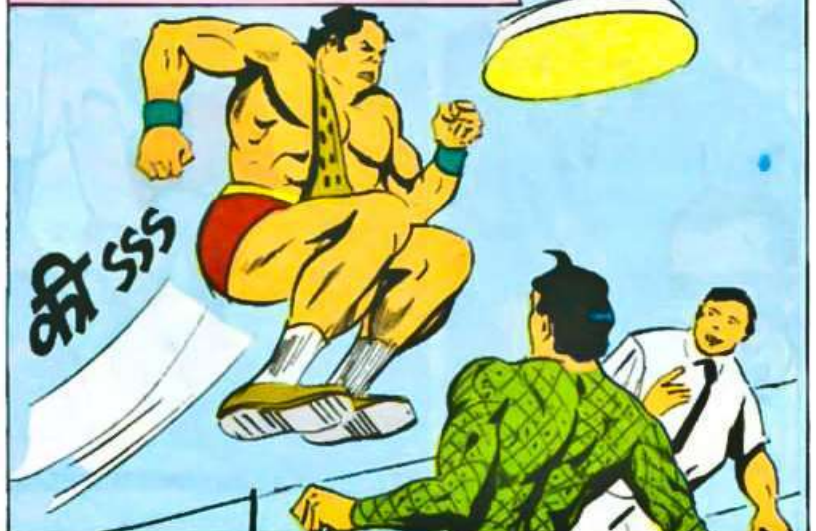
और अब नागराज नहीं बच पाया ।
तड़ाक
सोलो के मजबूत पैरों की टक्कर उसकी छाती पर लगी...

...फलस्वरूप वह दूर जाकर गिरा ।
सोलो ने उसे संभलने का कोई मौका नहीं दिया ...

...उसने झपटकर उसे उठाया...
...और सिर से ऊपर उठाकर ...

...उछाल दिया ।

नागराज रैफरी से टकराया और उसे लेता हुआ जमीन पर गिरा —
धड़ाम
आह

सारा माहौल सोलो-सोलो के नारों से गूंज उठा ।
सोलो
सोलो

रिंग के बाहर खड़ा कैफी नागराज को पिटता देख परेशान था ।
इस तरह पिटता रहा तो यह मुझे मरवा देगा ! हाय, मेरा दस लाख रुपया !
इस बीच नागराज खड़ा हो चुका था ।

सोलो एक बार फिर उछला ।
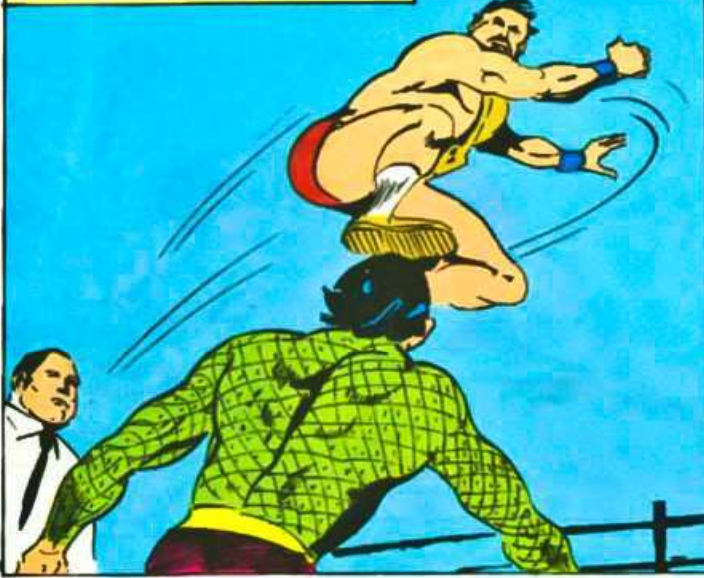
और नागराज को एकबार फिर सोलो की शक्तिशाली किक का सामना करना पड़ा ।
दर्शकों ने फिर तालियां बजाकर सोलो की सफलता का स्वागत किया ।

प्रलयंकारी किक के तूफान से उबरते नागराज को सोलो ने बालों से पकड़कर उठाया और ...
... ताबड़-तोड़ घूंसे बरसाने लगा ।

टन्न
बेदम नागराज की फरियाद समय के साथ सुनी गई ।
STOP!
घण्टे की आवाज के साथ पहला राउण्ड समाप्त हुआ ।

कैफी झपटकर नागराज के पास पहुंचा ।
मरवा दिया तूने मुझे । लग गया मुझे चूना दस लाख का । अगला राउण्ड तू नहीं जीत सकता । वह चाकूबाजी में माहिर है ।
कैफी की बकवास नागराज चुपचाप सुनता रहा ।

तभी टीना भी उसके पास पहुंची ।
नागराज, तुम अपनी शक्ति का प्रदर्शन क्यों नहीं करते । इसको अपने नागों से डसवा दो ।
टीना, नागराज कभी अनैतिक लड़ाई नहीं लड़ता ।

कुछ ही क्षणोपरान्त, दूसरे राउण्ड की शुरूआत का घण्टा बजा। नागराज और सोलो एक-दूसरे के सामने आ खड़े हुए।
यह लड़ाई तुम्हें इन चाकुओं से लड़नी है।
नागराज, कभी हथियारों से नहीं लड़ता। इन्हें अपने पास ही रखो।

रैफरी के इशारा करते ही सोलो ने पैर हवा में घुमाया...

...लेकिन नागराज ने उसका यह वार अपने हाथ पर रोका...

...और एक सीधी किक उसके पेट में जड़ दी।
आह
सोलो दर्द से दोहरा हो गया।

अगले ही क्षण नागराज की लात दुबारा घूमी।
फलस्वरूप सोलो पलटकर जमीन पर गिरा।

नागराज उसकी छाती पर सवार हो गया...
...और सोलो के मुंह पर बेतहाशा घूंसे बरसाने लगा।

नागराज के खेमे में हलचल मची-
बेवकूफ ने चाकू भी तो छोड़ दिया वरना अभी खेल खत्म हो जाता। आज किस्मत ही खराब है।
नागराज
नागराज, नागराज!

इसी बीच सोलो ने अपनी टांग पीछे से निकालकर नागराज की छाती पर टिका दी ।
और नागराज को पीछे धकेल दिया।

दोनों फुर्ती के साथ खड़े हुए ।
पहल की सोलो ने...

..उसने चाकू नागराज के पेट में घोंप दिया ।
जैसे वक्त ठहर गया । दर्शकों में सन्नाटा छा गया।

लेकिन जब चाकू बाहर आया - सब भौंचक्के रह गए। न तो वहां घाव था और न ही खून।
हाए ?
ओह, इसका चाकू तो जहर से बुझा है। यह तो धोखेबाजी है।
और धोखेबाजों को सबक सिखाना ...

...नागराज को खूब आता है।
नागराज ने अपना दूसरा हाथ प्रचण्ड वेग से घुमाया...

.. तो सोलो के पांव तक जमीन से उखड़ गए ।
और दो दांत भी पेट में पहुंच गए।

नागराज ने हैरान और आहत सोलो को बाल पकड़कर उठाया...
आह
...और एक ही घूंसे में...

...उसे रिंग की फेन्सिंग पर पलट दिया।
नागराज !
नागराज !

नागराज ने उसके दोनों पांव पकड़कर उसे अंदर खींचा और...

...उसके शरीर को तेजी से चारों तरफ घुमाने लगा।

फिर उसके शरीर को दर्शकों की तरफ उछाल दिया।
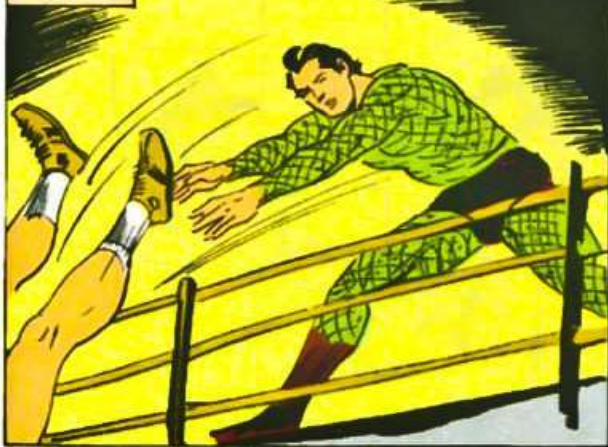
सोलो बहुत से दर्शकों को अपने साथ ले डूबा।
आऽऽ आह..

बिजली नागराज को लोगों ने कंधों पर उठा लिया...
नागराज
नागराज!
...और नाचने लगे।

बाद मे डिसिल्वा नागराज से मिलने पहुंचा —
मुझे मालूम था मिस्टर डिसिल्वा कि तुम मुझसे मिलने आओगे।
मुझे तुमसे बातें करनी हैं...

...मैं तुमसे सौदा करने आया हूं।
बोलो!

तुम मेरे लिए लड़ोगे, तुम्हें मोटा वेतन मिलेगा।
मैं किसी की नौकरी नहीं करता मिस्टर डिसिल्वा!

...लेकिन तुम्हारे कांट्रेक्ट की कुछ फाईट लड़ सकता हूं - कोई पैसा भी नहीं लूंगा। शर्त एक ही होगी।
वह क्या?

सीमैन... तुम सीमैन के पार्टनर रह चुके हो। मुझे उसके अड्डे पर ले चलना होगा।
तुम उसे जानते हो?
नागराज के मुंह से सीमैन का नाम सुनकर वह हैरान रह गया।

बहुत अच्छी तरह। यूरोप का सबसे बड़ा गेंगस्टर है वो। पूरे मोण्ट-कार्लो पर राज करता है और भी बहुत कुछ...
नहीं, मैं तुम्हें उससे नहीं मिलवा सकता-क्योंकि मैं अभी मरना नहीं चाहता। तुम्हें उसकी असली ताकत का अंदाजा नहीं है नागराज!

तो ठीक है, मोण्ट-कार्लो में अब तुम्हारा नहीं, कैफी का धंधा चलेगा...

...और इसके साथ ही सारी दुनिया को यह भी मालूम हो जाएगा कि तुम्हारे पहलवान जहरीले चाकू इस्तेमाल करते हैं।
क्या? तुम्हें कैसे मालूम?

नागराज पर वैसे घटिया जहर असर नहीं करते डिसिल्वा।

बहुत देर सोचने के बाद डिसिल्वा बोला—
ठीक है नागराज! मैं तुम्हें उसके अड्डे तक पहुंचाऊंगा-लेकिन मैं खुद सामने नहीं आऊंगा।
ठीक है।

रात को नागराज जब टीना से मिला—
टीना! मैं कल सुबह ही डिसिल्वा के साथ मोण्ट-कार्लो जा रहा हूं।
वहां रहोगे कहां?

होटल लाबेला में बुकिंग हुई है रूम नम्बर 313.

अपना ख्याल रखना नागराज!

अगले दिन नागराज ने टीना से विदा ली—

बाय नागराज!

बाय टीना!

TAXI

और डिसिल्वा के साथ मोण्टकार्लो के लिए विमान पर सवार हो गया।

लीजिए सर! आपके लिए दूध!

धन्यवाद!

अभी डिसिल्वा ने अपने शब्द पूरे भी नहीं किये थे कि आगे वाला काफिला एक भयानक विस्फोट में उड़ गया।

नागराज ! यह बम विस्फोट बारूदी सुरंग का था और निश्चित ही सीमैन का कराया हुआ था।
ड्राईवर ने टैक्सी रोकी...

... और मोड़कर दूसरी सड़क पर डाल दी –
हां, मुझे पता लगा है कि वह बारूदी सुरंगों का विशेषज्ञ है। और आतंकवादियों को इसकी ट्रेनिंग देता है।

कुछ ही देर बाद टैक्सी होटल लाबेला के बाहर रुकी।
HOTEL LABELA
तुम तो उसके बारे में बहुत-कुछ जानते हो !
हां।
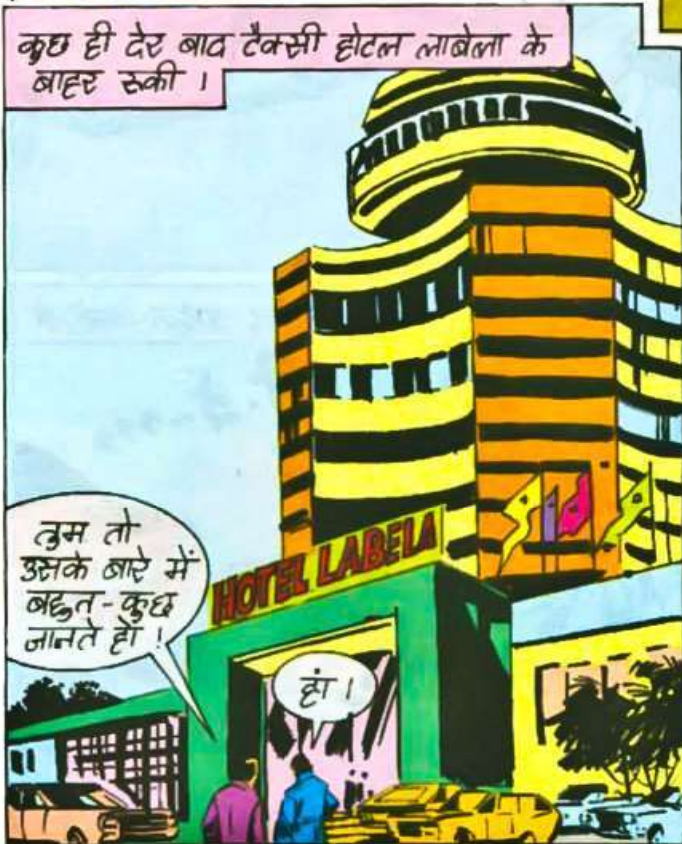
नागराज, तुम अंदर चलो। मैं तुमसे कल मिलूंगा।
ठीक है।
नागराज से विदा लेकर डिसिल्वा एक ओर बढ़ गया।

मोण्ट-कार्लो की भीड़ भरी सड़कों को रौंदता हुआ, मोण्ट-कार्लो का तूफान हण्टर अपनी छः सिलेंडर मोटर साईकिल पर उड़ा चला जा रहा था।
बचो, हण्टर आ रहा है।
GO SLOW!
भागो, हण्टर आ गया।
आह!

HUNTER.. HUNTER..
उसकी मोटर साईकिल के हॉर्न की विशेष आवाज से गाड़ियाँ उसे यूं रास्ता दे रही थीं।
कीं ऽऽ
चीं ऽऽ
ठड़ाक

तूफान की तेजी से जब वह रैड ब्रिज की तरफ बढ़ रहा था - अचानक -
थड़ाक

हण्टर ने ब्रेक लगाए - किन्तु बाईक कारों से टकरा ही गई।
ची.ई..ऽऽऽ
ठड़ाक

हण्टर मोटर साईकिल से उतरकर...
HUNTER
HUNTER
... कार के पास पहुंचा ।

उसने कार को ड्राईवर समेत उठाया...
बचाओ... बचाओ...

...और पुल से नीचे उछाल दिया ।

दूसरी कार भी उसी प्रकार नदी में समा गई ।
मच्छर हण्टर के रास्ते में कहां से आ जाते हैं ।

तत्पश्चात हण्टर ने मोटर साइकिल उठाई...

...और सवार होकर आगे उड़ चला ।
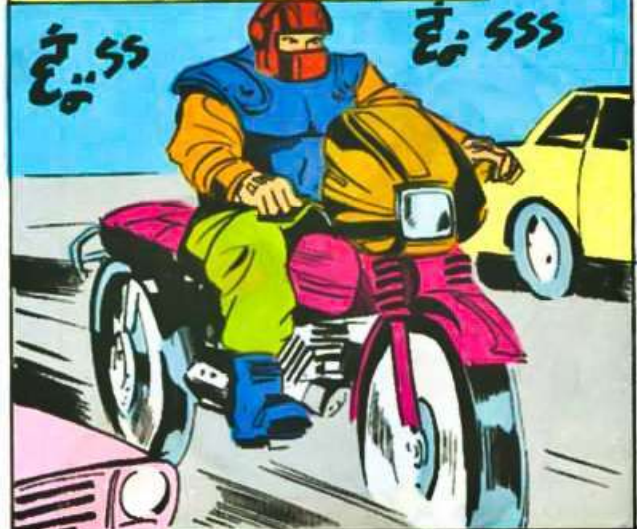
इधर होटल लाबेला में नागराज काफी शॉप में बैठा दूध पी रहा था ।
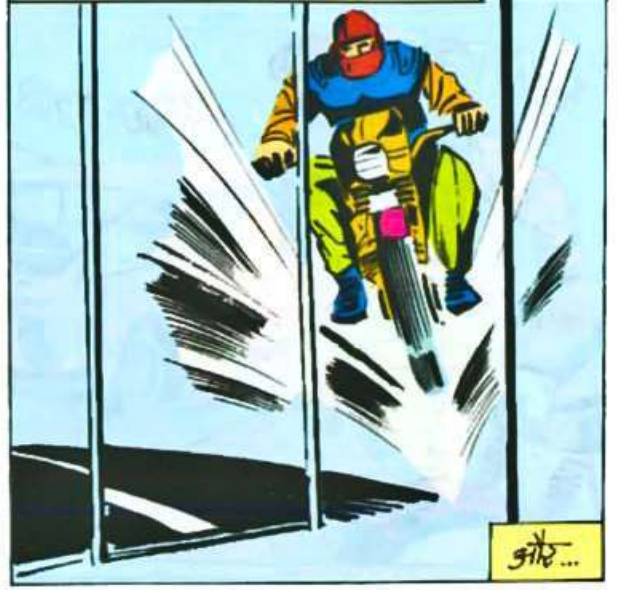
तभी बुरे वक्त ने होटल कोआ घेरा-
और...

...हण्टर होटल के शीशे तोड़ता हुआ अंदर घुस गया।
HUNTER.. HUNTER..
तड़ाक

बता नागराज कहां है ?
नागराज वहां !

हण्टर ने रिसेप्शनिस्ट को उठाया...
ओह!

... और कॉफी शॉप के शीशे के दरवाजे पर दे मारा ।
छनाक

और तेजी से अंदर आ गया।
नागराज! तेरी मौत आ गई है। खड़ा हो जा!

किसी को खड़ा न होते देख हण्टर क्रोधवश चिंघाड़ा —
मैं पूछता हूं कौन है नागराज? जल्दी सामने आ जाए वरना सबको मौत के घाट उतार दूंगा।

सबको चुप देख वह आगे बढ़ा —
बोल बे, क्या तू है नागराज?
नहीं ई ऽऽ

क्यों बे, तुम में से कोई...
फड़ाक
आह! और दोनों ही स्वर्ग सिधार गए।

इससे पहले कि हण्टर चौथे व्यक्ति की ओर हाथ बढ़ाता —
ठहरो!
!
एक नाग उसके हाथ पर लिपट गया।

वह नागराज की तरफ घूमा —
जिसकी तुम्हें तलाश है, वह मैं हूं।
नागराज!
इस बीच नाग हण्टर को छोड़कर नागराज की कलाई में पहुंच चुका था।

इसके साथ ही नागराज ने छलांग लगाई—
लेकिन हण्टर अपने स्थान से टस से मस न हुआ।

अगले ही पल नागराज ने सम्भलकर हण्टर पर अपने ताकतवर घूंसे बरसाने शुरू कर दिए...
हांय, इस पर तो कोई असर नहीं हो रहा।
हा हा हा!
...किन्तु नागराज के प्रहारों का उसके फौलादी बख्तरबन्द पर कोई असर न पड़ा।

आह! मेरा हाथ!

तभी हण्टर का हाथ घूमा...
आह!
...और नागराज के पैर धरती से उखड़ गये!

वह एक और शीशा तोड़ता हुआ...
छन्नाक
...रिसेप्शन काउण्टर के पास गिरा।

हण्टर ने एक बड़ी टेबल उठाई—

लेकिन इससे पहले कि वह उससे नागराज को कोई चोट पहुंचाता...

...नागरस्सी ने टेबल समेत हण्टर को जकड़ लिया—
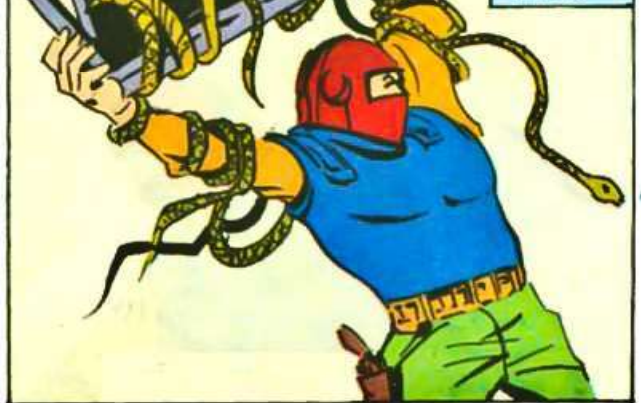
- क्या नागराज हण्टर से डरकर भाग गया?
- सीमैन कौन था?
- क्या नागराज और सीमैन का टकराव हो सका?
- नागराज को हवाई जहाज से मौत के मुंह में गिराने वाला कौन था?

नागराज एवं उसके नागों के हर पृष्ठ पर मनोरंजन करने वाले कारनामों के लिए पढ़ें—

"प्रलयंकारी नागराज"

राज
कॉमिक्स
संख्या 0072
प्रलयंकारी नागराज
PRATAP MULICK

प्रलयंकारी नागराज

● लेखक : राजा ● कला दिग्दर्शक : प्रताप मुळीक ● सम्पादक : मनीष गुप्ता
● चित्रकार : मिलींद मुळीक, विनय कुमार

खूनी जंग में आपने पढ़ा :- न्यूयार्क के विलियम का खात्मा करने के बाद अब नागराज को सीमैन की तलाश थी। न्यूयार्क में उसके दोस्त डॉन ने उसे बताया कि मोण्टकार्लो में गैम्बलिंग फाइट का संचालक डी-सिल्वा ही उसे सीमैन तक पहुंचा सकता है। नागराज मोण्टकार्लो के विमान पर सवार हुआ, लेकिन किन्हीं अज्ञात लोगों ने उसे उड़ते विमान से पैरिस शहर के ऊपर ही कूदने पर मजबूर कर दिया। लेकिन नागराज नागछतरी की मदद से बच गया। पैरिस के गैम्बलिंग फाइटर कैफी को हराकर वह डी-सिल्वा तक पहुंचता है। डी-सिल्वा उसे सीमैन से मिलाने के लिए अपने साथ मोण्टकार्लो लेकर पहुंचता है और उसे एक होटल में ठहराकर गायब हो जाता है। नागराज जिस समय होटल के रेस्तरां में बैठा दूध पी रहा था, मोण्टकार्लो का तूफान हण्टर वहां आकर उसे ललकारता है। दोनों में जमकर लड़ाई होती है।...

...अंत में नागराज एक टेलीविजन उसके गले में डालकर भाग जाता है।
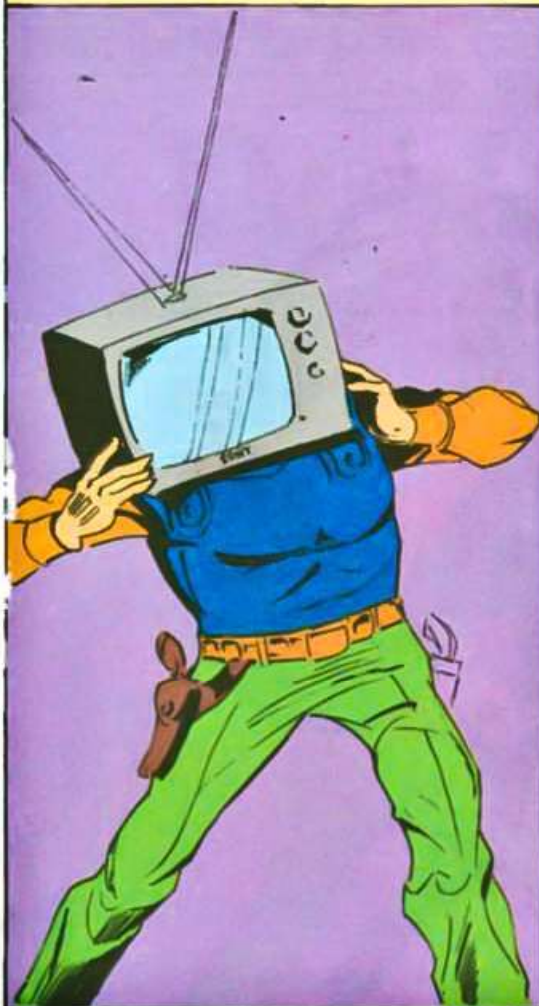
और जब हण्टर ने टेलीविजन सिर से निकाला —

बाहर आकर हण्टर ने ऊपर देखा, नागराज रेंगता हुआ होटल की छत की ओर जा रहा था —

अगले ही पल हण्टर होटल की लिफ्ट में सवार हो गया –

हण्टर जब छत पर पहुंचा –
!
नागराज पच्चीस मंजिले होटल की छत की रेलिंग पर चढ़ा हुआ था ।

हण्टर को देखते ही वह वापस नीचे की तरफ रेंगने लगा –

हण्टर भागता हुआ रेलिंग तक पहुंचा –
भागता कहां है कायर! मैं तुझे जिन्दा नहीं छोड़ूंगा!
तबतक नागराज आधा रास्तातय कर चुका था ।

हण्टर लपककर पानी की बड़ी टंकी के पास पहुंचा –

अगले ही पल टंकी उसके हाथों में थी।
इसके नीचे दबकर उसकी चटनी बन जाएगी।

नागराज जब नीचे पहुंचा, उसे दीवार पर रेंगता देख वहां भीड़ लग गई थी।

तभी भीड़ को चीरती हुई टीना उसके पास पहुंची—
तुम यहां ?
जल्दी मेरे साथ आओ। यह बातें बाद में करेंगे।

नागराज टीना के साथ कार में बैठा—
तुम यहां कब पहुंची ?
आज ही !
टीना ने कार आगे बढ़ा दी।

कार के आगे बढ़ते ही ऊपर से फेंकी गई टंकी सड़क से टकराई—
धड़ाम
पानी के जबरदस्त धक्के ने कार को भी हिला दिया।

ओह, यह क्या हुआ ?
लगता है, यह भी हण्टर की ही शरारत है !

टीना ने कार वहां से निकाल दी –
नागराज ! यह तुम किस चक्कर में फंस गए हो ? जब मैं होटल में पहुंची तुम हण्टर के सिर पर टी.वी. मार रहे थे ।

टीना ! मैं यूरोप, यहां के आतंकवादी सीमैन को खत्म करने आया हूं ! इसी सिलसिले में मैं डी-सिल्वा के साथ यहां आया था और यह तो शुरुआत है प्रलय की !

तो इतना जो कुछ तुमने किया, क्या सब सीमैन से मिलने के लिए ?
हां टीना !

लेकिन तुम यहां कैसे पहुंची ?
कल मोण्टकार्लो में हुए धमाके में जो मंत्री मरा है...

... मैं इसी की खोजबीन के लिए यहां पहुंची हूं। वह धमाका बारूदी सुरंग का था, जिसमें सीमैन का ही हाथ था।
यानि हम दोनों एक ही डाल के पंछी हैं !

अचानक टीना चौंकी, सामने से आता ट्रक तूफानी गति से कार की ओर ही बढ़ रहा था।
नागराज! मुझे इसका इरादा ठीक नहीं लगता!
हां टीना।
टीना ने कार को बचाने का भरसक प्रयत्न किया...
...लेकिन-
धड़ाक
ट्रक कार को टक्कर मारकर ही आगे निकला और...
...कार खाई में गिरती चली गई...
घड़..घड़..
...और एक पेड़ से टकराकर रुक गई-
धड़ाम
नागराज और टीना बेहोश हो चुके थे-
तभी वातावरण हैलीकॉप्टर की आवाज से गूंज उठा-
घुर्र
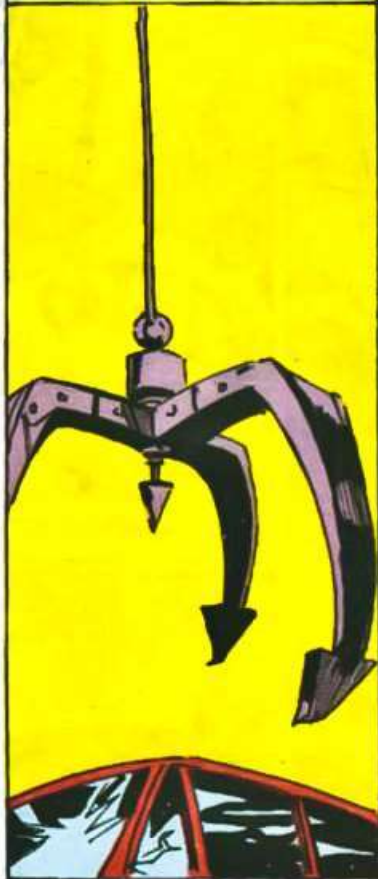
...हैलीकॉप्टर कार को लेकर आगे बढ़ने लगा –

गहरे समुद्र के ऊपर पहुंचकर शिकंजा खुला और...

...कार समुद्र में जा गिरी...
...और डूबने लगी।

पानी से टकराते ही नागराज की चेतना जागी–
ओह... गुलुप..गुलुप...
खारा पानी? तो क्या हम समुद्र में हैं?

वह डूबती हुई कार से बाहर निकला–
ओह! मुझे जल्दी ही टीना को भी बाहर निकालना होगा!

तब तक टीना भी होश में आ चुकी थी–
ओह! यह क्या?
वह भी कार से बाहर निकलने का प्रयास करने लगी।

नागराज ने टीना को बाहर निकलने में मदद की –

फिर दोनों तेजी से सतह की तरफ उठने लगे -

लेकिन ऊपर पहुंचते-पहुंचते टीना बिल्कुल बेदम हो गई थी -
नागराज ! बचाओ ! मैं अब तैर नहीं सकती।
हिम्मत रखो टीना, मैं जो तुम्हारे साथ हूं।

नागराज ने टीना को संभाला और अथाह समुद्र में अज्ञात दिशा की ओर तैरने लगा -
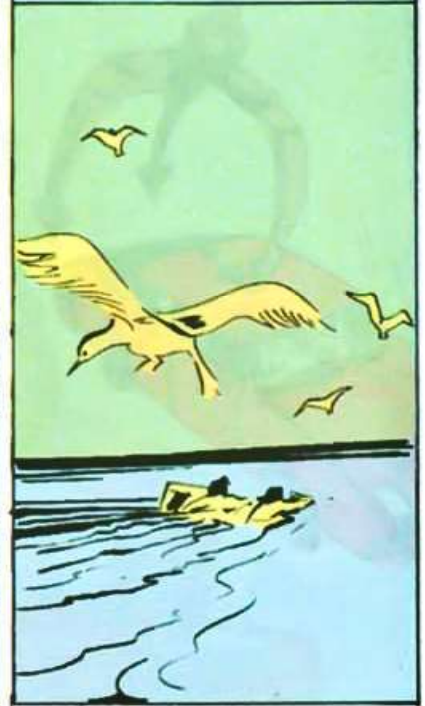
कई घंटे तैरने के बाद दूर एक जहाज नजर आया -
अहा, इस जहाज पर जरूर मदद मिलेगी।
नागराज ! क्या हम बच पायेंगे ?

कुछ ही घंटों की तैराकी के बाद नागराज जहाज तक पहुंचने में सफल हो गया -

उसने नागरस्सी छोड़ी ...

... और टीना के साथ ऊपर उठने लगा–
ओह! नागराज तुम महान हो।

दोनों सीढ़ियां चढ़ने लगे-

और बारी-बारी से डेक पर उतर गए-
नागराज! यहां तो कोई भी नहीं दिखाई दे रहा है।

इसमें भी जरूर कोई भेद है!

और नागराज की बात पूरी होते ही एक मजबूत जाल उन पर आकर पड़ा-
ओह!

अगले ही पल कई सशस्त्र गार्डों के साथ डी-सिल्वा ने वहां प्रकट होकर नागराज को चमत्कृत कर दिया-
कोई गलत हरकत ना करना। नागराज! तुम अब सीमैन की कैद में हो।

मैं जानता था, तुम सीमैन के वफादार कुत्ते हो। लेकिन इस समय एकाएक तुम्हें इस जहाज पर देखकर मैं हैरान हूं।

हैरान मत होओ। यह सीमैन का जहाज है। और यही नहीं, मोण्टकार्लो की हर चीज एक तरह से सीमैन की ही है।
गार्ड्स। इन्हें पिंजरे में बंद कर दो।

कुछ देर बाद जहाज उन्हें लेकर पोर्ट पर पहुंचा —

कुछ ही देर में वे डीसिल्वा के साथ सीमैन के हैड-क्वार्टर की तरफ बढ़ रहे थे।
नागराज! तुम्हारी ख्वाहिश पूरी होने जा रही है।
हां टीना! इसीलिए मैं शांत बैठा हूं।
कुछ ही घंटों के सफर के बाद वे सीमैन के सामने थे।
निश्चय ही तुम बहादुर हो नागराज! हमने तुम्हें उड़ते प्लेन से नीचे फिंकवाया, तुम बच गए। सोलो और हण्टर जैसे महान योद्धाओं के चंगुल से भी बच निकले और फिर एक्सीडेंट के बाद समुद्र से भी वापस आ गए...

...आज हम मान गए कि वाकई विलियम, शांगो, बुलडाग आदि सूरमाओं की टक्कर किसी शेर से हुई थी।

शेर नहीं नागराज हूं मैं। मेरे आगे कोई भी समाज का दुश्मन मच्छर की हैसियत रखता है – तुम भी।

बहुत बोलते हो तुम! मैं पांच तारीख को इंडिया जा रहा हूं, वहां प्रोफेसर नागमणि से भी मिलूंगा तुम्हारे मस्तिष्क को दोबारा कैद करवाने के लिए।

तुम इंडिया किसलिए जा रहे हो?
वहां के खूंखार आतंकवादी संगठन 'टैरर' को अत्याधुनिक बारूदी सुरंग सप्लाई करने। इस सुरंग का प्रयोग वह आने वाले कुंभ के मेले पर करेगा। यह सुरंग एक निश्चित समय पर ही फटेगी– तब जबकि मेले में लाखों लोग होंगे।
नहीं, तुम ऐसा नहीं करोगे।

हा हा हा ऐसा ही होगा नागराज...

...और तब तक तुम मौत की कोठरी में कैद रहोगे। और हां, अगर तुमने इस बीच वहां से निकलने की कोशिश की तो सीमैन मोण्टकार्लो के निवासियों को एक बेहतरीन तोहफा पेश करेगा, — नागराज का खून! हां, तुम्हारा खून बरसेगा मोण्टकार्लो के ऊपर। हा...हा...हा...
...ले जाओ इसे

सीमैन के आदेश पर उन्हें जाल से मुक्त कर दिया गया—
चलो, कोई गलत हरकत ना करना, वरना लड़की को गोली मार दी जाएगी।

हण्टर उन्हें एक गोल इमारत के पास ले आया।
नागराज! यह है मौत का किला! इसमें प्रवेश करने के बाद बिना सीमैन की आज्ञा के हवा भी वापस नहीं आ सकती।
सब तेजी से इमारत में प्रवेश कर गए।

आगे उन्हें कई स्टेनगनधारियों का सामना करना पड़ा—
नागराज, ये सैनिक मेरे अलावा किसी को भी देखते ही गोलियां चला देते हैं।

मोड़ घूमते ही सामने दीवार नजर आई—

हण्टर के बटन दबाते ही दीवार फर्श में समा गई।

उनके आगे बढ़ते ही दीवार फिर ऊपर आ गई –

क्या यह सुरंग कभी खत्म भी होगी ?

अचानक हण्टर रुक गया –
नागराज ! जानते हो यह क्या है ?
नहीं !

उसने एक गनमैन की गन ली और तालाब में डुबो दी –

तेजाब के तालाब में डूबते ही गन पिघल गई –

हा.. हा.. हा.. देखा इसका हश्र ! कैसे पिघल गई यह इस तालाब में डूबकर !
इससे आगे कैसे जायेंगे हम ?

तब हण्टर ने हाथ में थमे रिमोट कंट्रोलर का एक बटन दबाया –

और तेजाब के उस तालाब पर शीशे का एक पुल बन गया ।

पुल पार करके वे दीवार के पास पहुंचकर रुक गये—
हण्टर ने रिमोट कंट्रोलर का बटन दबाया—

दीवार एक तरफ हट गई।
सामने लिफ्ट नजर आने लगी

सब लिफ्ट में सवार हो गए—
और लिफ्ट उन्हें लेकर चल पड़ी।

कुछ देर बाद लिफ्ट का दरवाजा खुला। वे फिर एक सुरंग में थे—

कुछ ही दूर चलकर उन्हें फिर रुक जाना पड़ा—
ओह! यह क्या?

सुरंग के फर्श, छत व दीवारों से अनगिनत खंजर निकले हुए थे।
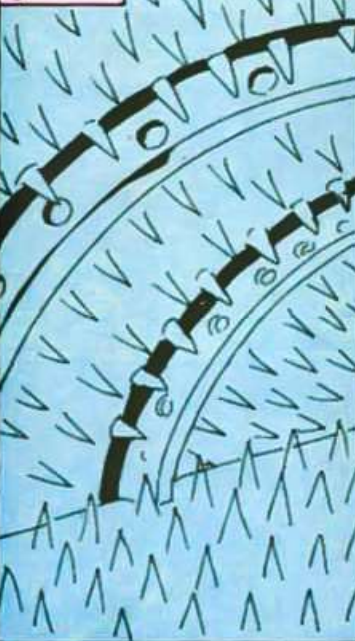
हण्टर ने वह अवरोध भी हटा दिया—

वे फिर आगे बढ़े और मोड़ पर मुड़ने के बाद रुक गये—
हा हा हा और आ गये मरने!
हम सब मरेंगे।
हां, यहां से कोई वापस नहीं गया।
हण्टर ने उन्हें कुछ पूछने से पहले ही फिर आगे बढ़ने के लिए मजबूर कर दिया।

इसने फिर रिमोट का बटन दबाया है। जरूर कुछ चक्कर है।
हण्टर दीवार में लगे एक लीवर के पास रुका ।
लीवर के घूमते ही दरवाजा खुल गया —
चलो अंदर !
दोनों को अंदर धकेलकर हण्टर ने लीवर वापस खींचकर दरवाजा बंद कर दिया —
नागराज ! जब तक सीमैन वापस नहीं आ जाता, तुम यहीं रहोगे।
नागराज ! मैंने यह बटन दबा दिया है। इस सुरंग की छत, दीवार व फर्श में छिपी बारूद की परतें सक्रिय हो उठी हैं। सारी सुरंग बारूदी बन गई है। हा... हा... हा... अलविदा !
ओह, नागराज ! अब हमारा क्या होगा ?
टीना, हमें यहां से बाहर निकलने का रास्ता खोजना पड़ेगा, पांच तारीख से पहले।
क्या मतलब?
टीना, आज तीस तारीख है ! अगर हम पांच तारीख से पहले यहां से न निकले तो सीमैन वह बारूदी सुरंग लेकर हिन्दुस्तान पहुंच जाएगा और...

...उससे वहां लाखों लोगों की जानों को खतरा है। मेरे होते यह नहीं हो सकता।
किन्तु नागराज, पहले यहां से बाहर तो निकलो वरना हम भूख से ही दम तोड़ देंगे।

लेकिन दो दिन तक कोई उपाय न निकला—
ओह टीना! मुझे कुछ समझ नहीं आता कि कैसे खोलूं दरवाजे को!
तो इसे तोड़ दो नागराज। तुम तो सर्वशक्तिमान हो।

हां, तोड तो मैं इसे जरूर सकता हूं, लेकिन तोड़ते समय कोई भी टूटा हिस्सा यदि नीचे गिरा तो यह बारूदी सुरंग फट जाएगी। हम दोनों मारे जायेंगे।

तीसरे दिन अचानक—
मिल गया... मिल गया!
अरे क्या मिल गया?
नागराज की कलाई से नागरस्सी निकली...

...और लीवर से लिपट गई।
टीना। अब हम यहां से बाहर निकल सकते हैं।
सच?

नागराज ने कलाई को झटका दिया...
...और लीवर घूमता चला गया।

साथ ही दरवाजा भी खुल गया–
ओह नागराज ! मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि हम आजाद हो गये हैं।
रुको टीना ! अभी नहीं। इस खूनी सुरंग को मत भूलो।

एकबार फिर नागराज ने कलाईयां सीधी कीं–
और नागराज के शरीर में विद्यमान असंख्य सर्पों की नागरस्सी चल पड़ी...

...और जाकर दरवाजे के खम्बे से लिपट गई–
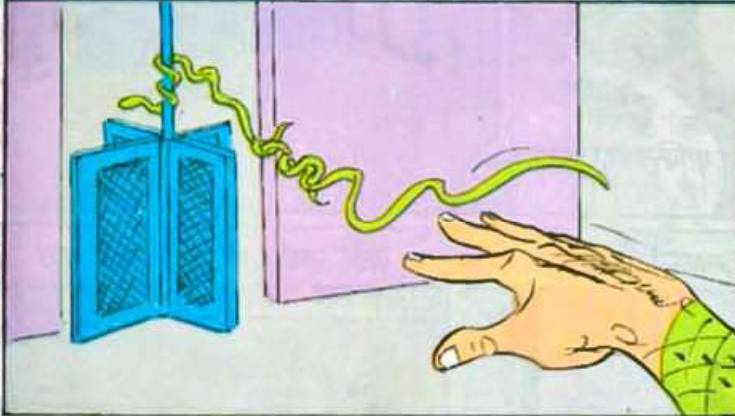
अपनी कलाई वाला सिरा नागराज ने कोठरी के जंगले से बांध दिया–
टीना, अब हम इस नागरस्सी पर चलकर यहां से बाहर निकलेंगे।
नागराज की बात सुनकर टीना का चेहरा उतर गया।

क्या हुआ टीना, तुम उदास क्यों हो गई ? क्या तुम ...
हां, नागराज ! मैं इस रस्सी पर नहीं चल सकती। मुझे तो जमीन पर भी खड़े होने से चक्कर आ रहे हैं।
आखिर वे तीन दिन से भूखे-प्यासे वहां पड़े थे।

लेकिन तुम मेरी फिक्र ना करो ! तुम यहां से निकल जाओ, इस संसार को तुम्हारी जरूरत है।
नहीं, टीना ! मैं तुम्हें छोड़कर यहां से नहीं जाऊंगा।

और नागराज उछलकर नागरस्सी पर चढ़ गया—
आओ टीना !
नहीं, नागराज ! मेरे कारण क्यों मौत के मुंह में जा रहे हो ?

लेकिन नागराज ने टीना की एक ना सुनी और उसे अपनी बांहों में समेट लिया ।

नागराज को अपनी शक्ति पर भरोसा है टीना !

और फिर शुरू हुआ खूनी सफर—

टीना को बांहों में उठाए...

...नजरें नागरस्सी पर जमाए...

...बड़ी सावधानी से उसने पूरा रास्ता तय किया—
धप्प
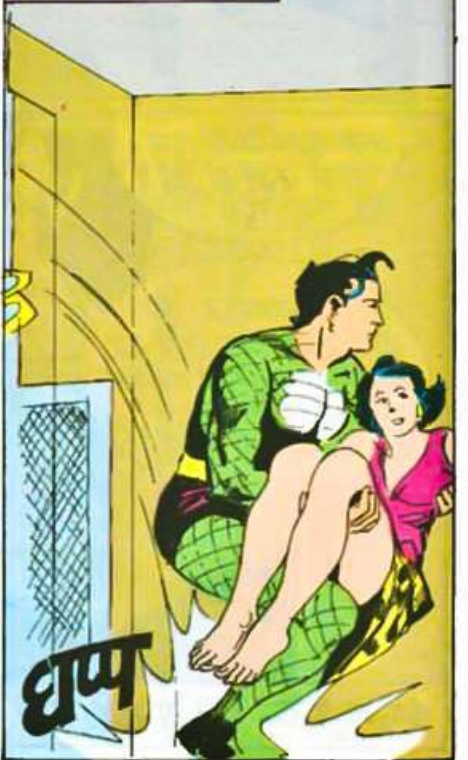
नागराज व अपनी, मौत की कोठरी से वापसी पर टीना बेहद आश्चर्यचकित थी–
ओह नागराज! यू आर ग्रेट। मैंने तो बचने की उम्मीद ही छोड़ दी थी।
जल्दी चलो टीना! अभी हमें और भी मुसीबतों का सामना करना है।

तभी बैरकों में बंद कैदियों ने उन्हें पुकारा–
भाई, हमें भी यहां से निकाल लो। हम यहां मर जायेंगे।
हां-हां, हमें बचा लो भइया! तुम्हारी बड़ी कृपा होगी।

नागराज उनके समीप पहुंचा–
आप लोग यहां क्यों कैद हैं?
हम सब सीमैन के विरोधी वैज्ञानिक हैं। हमने उसके लिए बारूदी सुरंगों के निर्माण के लिए इंकार कर दिया...

...फलस्वरूप उसने हमें यहां डाल दिया। कुछ तो भूख से तड़पकर मर गए। कुछ डरकर सीमैन से समझौता कर बैठे... अब हम तड़पकर दम तोड़ देंगे।

नहीं... नागराज, तुम्हें न टूटने देगा न मरने देगा।
नागराज! कहीं तुम वही नागराज तो नहीं, जिसने विलियम, शांगो, बुलडाग इत्यादि का खात्मा किया है!

नागराज ने अपनी असीमित शक्ति के प्रयोग से जंगले को उखाड़ दिया –
धड़ाम
हां, और अब सीमैन की बारी है।

इसी तरह नागराज ने बाकी सबको आजाद करा दिया।
चलो साथियो, हमें यहां से जल्दी ही बाहर निकलना है।
और वे सब आगे बढ़ गए।

उनकी आजादी की पहली रुकावट बने वे अनगिनत चाकू–
नागराज ! हममें से किसी की भी इतनी लम्बी कूद नहीं है कि हम उसे पार पहुंच जायें।
हां, हम वहां तक नहीं कूद सकते।

नागराज ! क्या हम कभी बाहर ना जा सकेंगे ?
आप सब खामोश हो जाएं। मुझे सोचने दें।

और कुछ ही देर बाद नागराज उछल पड़ा–
टीना, मैं तुम सबको उधर ले जा सकता हूं।
कैसे?

नागराज ने कलाई सीधी की और सैकड़ों सांप निकलकर चाकुओं की तरफ लपके–

सांप चाकुओं के बीच रेंगते हुए दूसरे छोर तक पहुंच गए-

फिर एक के ऊपर एक नाग चढ़ते गये। और चाकुओं से भी ऊंचे हो गये-
अब हम इस नाग गलीचे पर चलकर उस पार पहुंचेंगे।
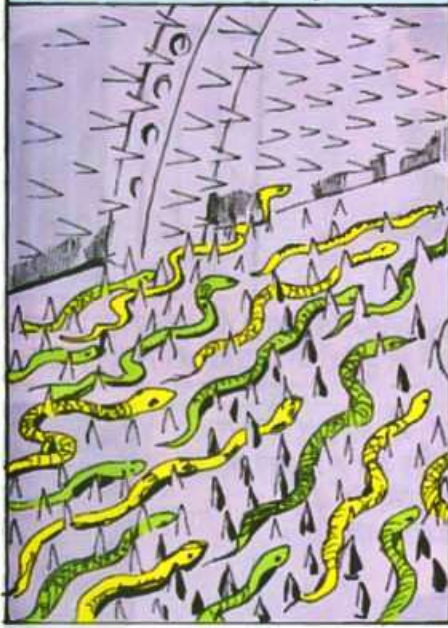
नागराज नाग गलीचे पर चलता हुआ आराम से दूसरी तरफ पहुंच गया-
अब आप सब भी एक-एक करके इधर आ जाएं - किन्तु सावधानी से। आपके ज्यादा हिलने से नागों को भी चोट लग सकती है।

इस तरह सब बारी-बारी से चलते हुए दूसरी तरफ पहुंच गए।

नाग वापस नागराज की कलाईयों में समा गये-

आगे उन्हें दीवार के पास रुकना पड़ा-
नागराज! यह दरवाजा और लिफ्ट केवल रिमोट कंट्रोलर से ही खुल सकते हैं!
और वह है हण्टर के पास।

इसका मतलब हम कभी बाहर नहीं जा सकते ?

नहीं, हम बाहर जरूर जायेंगे।
कहने के साथ ही नागराज लिफ्ट के शीशे के दरवाजे की तरफ भागा...

...और उसे तोड़ता हुआ नीचे चला गया!
छ ना क

अगले ही पल उसका शरीर नीचे खड़ी लिफ्ट की छत से टकराया—
थ प

ओह, मैं शायद लिफ्ट की छत पर हूं! मुझे इसका इमरजैंसी रोट ढूंढना चाहिए!

काफी प्रयत्नों के बाद वह छत पर लगा ढक्कन खोलने में सफल हो गया—
वाह, मिल गया!

ऊपर टीना व अन्य नागराज के लिए चिन्तित थे!
ओह, पता नहीं नागराज पर क्या गुजर रही होगी!

तभी टूटे हुए शीशे के सामने लिफ्ट आकर रुकी —

आप सब सावधानी से लिफ्ट में आ जाइए!

....उसने तालाब में छलांग लगा दी—
छपाक
ओ... ह

अगले ही क्षण उसकी हड्डियों का भी पता न चला।
नागराज! कुछ करो वरना हम भी ऐसे ही मर जायेंगे!

नागराज अब हर तरह से निराश हो चुका था—
अब तो गुरू गोरखनाथ जी ही रक्षा कर सकते हैं।

अचानक उसकी कलाईयों से नागनाथ एवं नागानन्द के नेतृत्व में बहुत से नाग निकले...
नागानन्द! नागनाथ!

...और नागरस्सी के रूप में तालाब के उस पार उड़ चले—
सांए
सांए

फिर दूसरी तरफ किनारे पर मौजूद कुण्डों में लिपट गए।
अब क्या होगा?
और नागरस्सी का अंतिम सिरा इस तरफ के किनारे पर लगे कुण्डों में लिपट गया।

और तेजाब के तालाब पर नाग एक पुल बनाने लगे—

कुछ ही क्षणों मे पुल बनकर तैयार हो गया।
वाह, नागानंद और नागनाथ ने हमारे बचाव का कितना उम्दा रास्ता निकाला है यह नागपुल बनाकर!
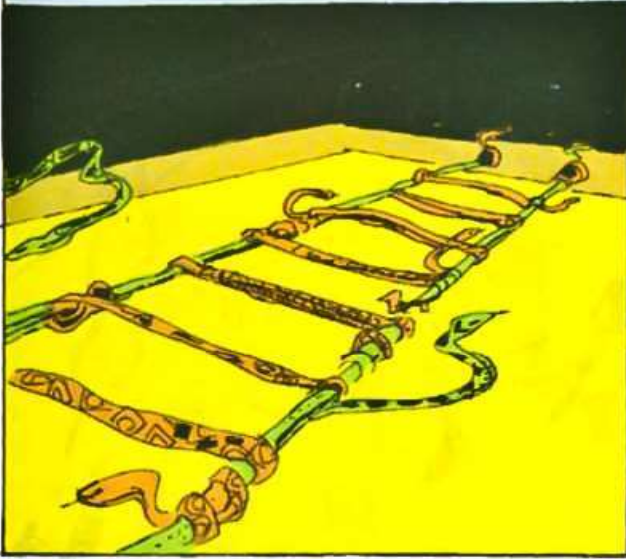
कुछ ही पलों में वे सब तेजाब का भयानक तालाब पार कर गए—
हुर्रे! नागराज, अगर तुम न होते तो हम कभी इस सुरंग से बाहर निकलने की सोच भी नहीं सकते थे।

नागराज ने कलाईयां सीधी की और नाग वापस उसकी कलाईयों में समाने लगे—
सब गुरु गोरखनाथ की कृपा है।

कुछ क्षणोंपरान्त वे दीवार के सामने खड़े थे—
टीना! यह दीवार पार करना कोई मुश्किल कार्य नहीं है। पहले मैं उस तरफ जाऊंगा, फिर तुम सब नागरस्सी के सहारे उधर कूद जाना।

नागराज दीवार पर चढ़ा...

...और दूसरी तरफ कूद गया।

फिर नागराज ने नागरस्सी छोड़ी—
सांए
सांए

नागरस्सी के सहारे दीवार पर चढ़कर...

...वे सब दूसरी तरफ कूद गए—

टीना ! ध्यान से, इस मोड़ के दूसरी तरफ गनमैन हैं। खामोशी से चलना, कोई आवाज न निकले!

इधर सीमैन के सैनिक मुस्तैदी से पहरा दे रहे थे—
कब से यहां यूं ही दिन-रात पड़े हैं हम। किसी काम तो आते नहीं, बेकार पड़े रहते हैं।
हां भई, यहां तक कोई आ ही नहीं सकता।

तभी उन्हें बहुत से सांपों ने घेर लिया—
सांप
सांप

और कुछ देर बाद—
ओह! यह तो सब मर गए।
इंसानियत के दुश्मन जो थे।

मौत के किले से बाहर निकलकर वे एक इमारत के सामने पहुंचकर रुक गए—
ORDNANCE FACTORY
नागराज! यह सीमैन का बारूदी सुरंग का कारखाना है।
प्रोफेसर! फिर तो हम बिल्कुल सही जगह पहुंचे हैं।

सुरंग के सैनिकों की स्टेनगनों की मदद से उन्होंने कारखाने के पहरेदारों का जमकर मुकाबला किया।

किन्तु इससे पहले कि कोई भी अपनी जगह से हिलता, नागसेना के जहरीले नागों ने उन्हें डसकर यमपुरी पहुंचा दिया—

अपने सिपाहियों को मरते देख डी-सिल्वा कांप उठा—

नागराज! मुझे माफ कर दो। मुझे मत मारना। मैं तुम्हारा गुलाम हूं।

नहीं! नागराज गद्दारों व मौत से डरने वाले कायरों को कभी माफ नहीं करता।
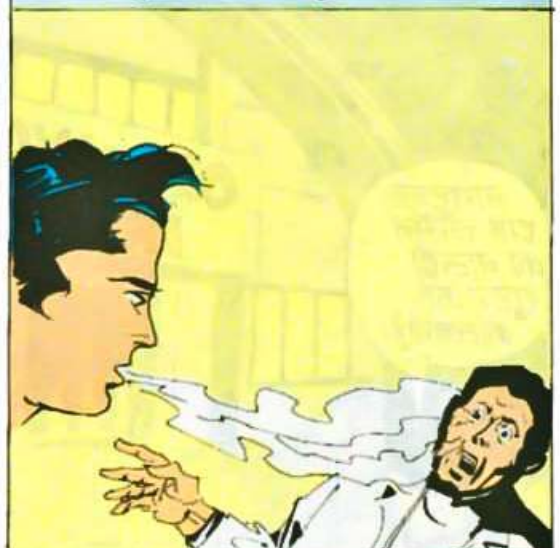
तभी कारखाने में इंजन का तेज शोर गूंजने लगा···
घर्र्र्र्र्र

...और अगले ही क्षण हण्टर की मोटर-साईकिल वहां आकर रुकी–

वह मोटर-साईकिलसे उतरकर गरजा–
नागराज! इन्हें मारकर यह न समझना कि तुम जीत गये। मैं अकेला ही तुम सबके लिए काफी हूं।

और अगले ही पल···
...हण्टर के जोरदार वार ने जहां नागराज का सिर झन्ना दिया वहीं उसके दिमागमें एक विचार भी आया··

····उसने नीचे रखी वैल्डिंग मशीन को चालू किया और तार लेकर हण्टर के सामने कूद पड़ा–
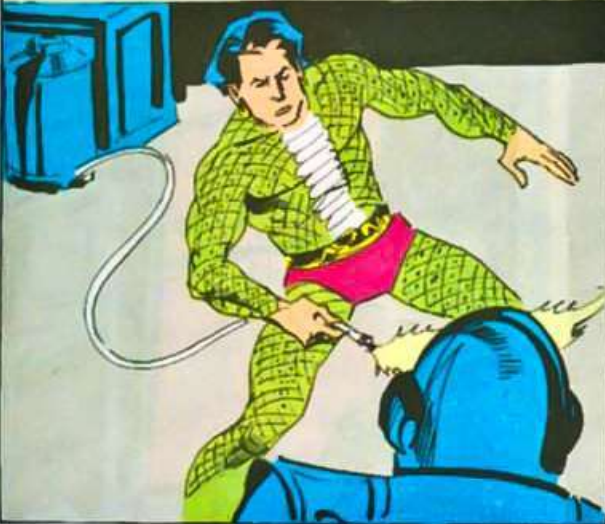
उस आग की प्रचण्ड गर्मी ने हण्टर के बख्तरबंद को बुरी तरह गरम कर दिया–
आह!
हण्टर बुरी तरह झुलसने लगा।

हफ्टर ने बचने के बहुत प्रयास किए, किन्तु —
आह... मुझे मत मारो नागराज!
नहीं, तुम्हें जीने का कोई हक नहीं है हफ्टर!
फिर वह जमीन पर गिर गया..

...और तड़प-तड़पकर मर गया।
यह तो मर गया लगता है नागराज!
हां टीना!

नागराज! हमने प्रबन्ध कर दिया है। ठीक एक घण्टे बाद यहां विस्फोट होगा, जिससे यह पूरी इमारत ध्वस्त हो जाएगी।
ठीक है। बाहर दो हैलीकॉप्टर खड़े हैं। आप सब टीना के साथ एक हैलीकॉप्टर में यहां से निकल जाएं। मैं सीमैन को लेकर आता हूं।

नागराज ने सीमैन को हर जगह तलाशा...

...किन्तु वह उसे कहीं न मिला —

अंत में वह सीमैन के कंट्रोल रूम में आ गया—
कहां छुप गया कमबख्त!

नागराज पर गोलियों का कोई असर न होता देख सीमैन ने हथगोला निकाल लिया—

कमाल है, इस पर गोलियों का कोई असर नहीं हुआ!

नागराज, तुम गोलियों से तो बच गए, किन्तु इस हथगोले से तुम्हें कोई नहीं बचा सकता।

नागराज सीमैन को लेकर हैलीकॉप्टर में पहुंचा—

कुछ ही क्षणों में हैलीकॉप्टर आकाश की ऊंचाईयों में उड़ रहा था।

वह उठा और हैलीकॉप्टर के द्वार से बाहर कूद गया। किन्तु अभी वह नागरस्सी से बंधा हुआ था।
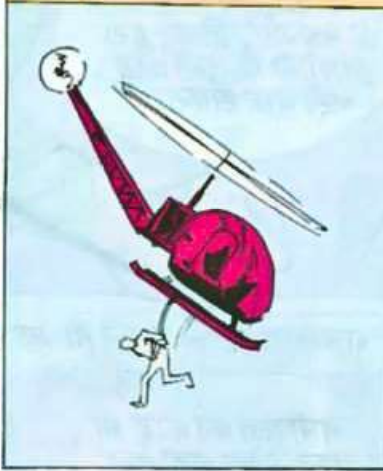
फलस्वरूप वह हैलीकॉप्टर के नीचे लटका रह गया।

तभी उसका शरीर एक कारखाने की ऊंची चिमनी से टकराया—

उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए--

आज वाकई मोण्टकार्लो पर खून की बारिश हो रही थी....

.... लेकिन नागराज के खून की नहीं, सीमैन के खून की।

• समाप्त •